रांची, शनिवार | 27 जून 2026 | वर्ष-27, अंक-145, पृष्ठ-12 | www.rastriyanaveenmail.com
शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 13, संवत 2083 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/00155

रांची	कांके
अधिक. 32.5°	अधिक. 33.0°
न्यून. 24.1°	न्यून. 24.0°

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

मूल्य 2 रु.

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

दृष्टिपात

मोहर्रम जुलूस को लेकर रांची के सभी स्कूल आज रहेंगे बंद

रांची। मोहर्रम के मौके पर शनिवार (27 जून) को रांची जिले के अधिकांश क्षेत्रों में ताजिया और अखाड़ा जुलूस निकाले जाएंगे। जुलूसों के दौरान विभिन्न प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित होने और स्कूली बच्चों की आवाजाही में संभावित असुविधा को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिले के सभी विद्यालयों में एक दिन के अवकाश की घोषणा की है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर रांची जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी, सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालय 27 जून 2026 को बंद रहेंगे। जिला प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय विद्यार्थियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। हालांकि, जिन विद्यालयों में पूर्व निर्धारित परीक्षाएं आयोजित होनी हैं, उन्हें आवश्यक स्थिति में परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दी गई है। इसके लिए संबंधित विद्यालयों को परीक्षा आयोजित करने से पहले जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ), रांची को पूर्व सूचना देना अनिवार्य होगा।

केंद्रीय मंत्री ने बाबा बैद्यनाथ धाम में किया दर्शन-पूजन

देवघर। बाबा बैद्यनाथ मंदिर में शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री और

जदयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने मत्था टेककर पूजा-अर्चना की। मंदिर प्रांगण में उनके तीर्थ पुरोहित ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से संकल्प कराकर भगवान शिव की विशेष पूजा संपन्न कराई। वहीं, केंद्रीय मंत्री के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। दर्शन-पूजन के बाद ललन सिंह ने भगवान बाबा बैद्यनाथ से बिहार की सुख-समृद्धि, देश की उन्नति और विश्व शांति एवं मानव कल्याण की कामना की। उनके आगमन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और प्रशासनिक अधिकारियों की भी मौजूदगी रही।

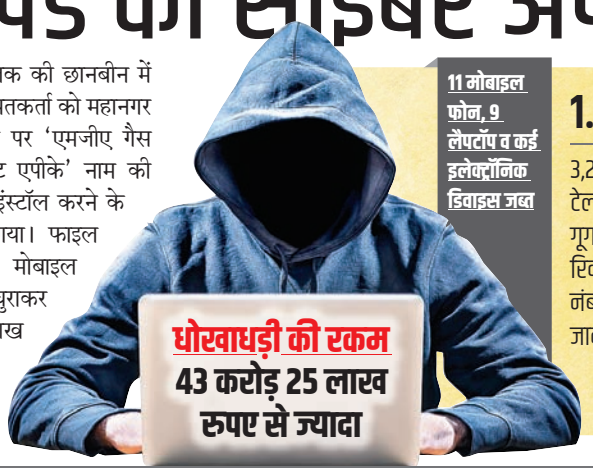

मुंबई साइबर पुलिस ने 3206 फ्रॉड केस में शामिल इंटर-स्टेट गैंग का किया पर्दाफाश

गिरफ्तार 6 लोगों में झारखंड का साइबर अपराधी भी शामिल

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

रांची/मुंबई। मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच ने देशभर में 3,206 साइबर फ्रॉड केस में शामिल एक इंटर-स्टेट गैंग का पर्दाफाश किया है। झारखंड, बिहार और दिल्ली से इस गैंग के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से 11 मोबाइल फोन, 9 लैपटॉप और कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए गए हैं। इस मामले की गहन छानबीन मुंबई साइबर ब्रांच पुलिस की टीम कर रही है। इस मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच ने एक इंटर-स्टेट गैंग का पर्दाफाश किया है, जो नकली एपीके फाइल के ज़रिए मोबाइल फोन हैक करके ऑनलाइन फाइनेंशियल फ्रॉड कर रहा था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस ऑपरेशन में झारखंड, बिहार और दिल्ली से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला है कि यह गैंग देशभर में 3206 फ्रॉड केस में शामिल है। इनमें से महाराष्ट्र में 517 और मुंबई में 93 केस में आरोपियों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है। अब तक की छानबीन में पता चला है कि शिकायतकर्ता को महानगर गैस लिमिटेड के नाम पर 'एमजीए गैस अनब्लाक फाइल डाट एपीके' नाम की नकली एपीके फाइल इंस्टॉल करने के लिए मजबूर किया गया। फाइल इंस्टॉल करने के बाद, मोबाइल से बैंकिंग जानकारी चुराकर शिकायतकर्ता से 2 लाख 35 हजार रुपए की ठगी की गई।

शेष पेज 11 पर...

11 मोबाइल फोन, 9 लैपटॉप व कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त

1.24 करोड़ एमएमएस रिकॉर्ड जब्त किए गए

3,206 साइबर फ्रॉड केस में गिरफ्तार आरोपियों के पास से व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप, टेलीग्राम बॉट, सर्वर पैनल लॉगिन क्रेडेंशियल, यूआरएल और गूगल फायरबेस और होस्टिंगर सर्वर पर लगभग 1.24 करोड़ एमएमएस रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। पुलिस ने लगभग 8609 मोबाइल नंबर, बैंक अकाउंट नंबर,एटीएम कार्ड की जानकारी, पिन, यूपीआई आईडी जैसी संवेदनशील जानकारी भी जब्त की है। साइबर पुलिस द्वारा दर्ज डाटा और एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायतों के एनालिसिस से पता चला कि यह गैंग देश भर में 3206 अपराधों में शामिल था।

लोहरदगा में वज्रपात का कहर

दो महिलाओं की मौत, 8 लोग गंभीर रूप से झुलसे

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिले में शुक्रवार को मौसम के बदले मिजाज के बीच हुई तेज बारिश और वज्रपात ने भारी तबाही मचाई। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज जारी है। घटना के बाद से प्रभावित गांवों में मातम का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार, पहली घटना चरहू गांव की है, जहां स्वर्गीय अजीज खान की 48 वर्षीया पुत्री असीदा खातून खेत में बकरी चराने गई थीं। इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दूसरी घटना सलगी कोलपारा की है, जहां कर्मा उरांव की पत्नी घूरती उरांव खेत में धान की रोपनी कर रही थीं। इसी बीच कड़कड़ाती धूप के बाद अचानक बदले मौसम और तेज कड़क के साथ गिरी बिजली की सीधी चपेट में आने से वे गंभीर रूप से झुलस गईं और उन्होंने दम तोड़ दिया। शुक्रवार को दोपहर बाद अचानक शुरू हुई तेज बारिश के दौरान खेतों में धान की रोपनी करने, बीड़ा छिटने और काम खत्म कर घर लौटने के क्रम में कुल आठ लोग वज्रपात की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों में अलग-अलग गांवों के ग्रामीण शामिल हैं। इनमें मनहे गांव निवासी सुनील उरांव (पिता- स्व. सकला उरांव), उनके सगे भाई अनिल उरांव और सोमनाथ उरांव (पिता- अकला उरांव) शामल हैं। इसके अलावा, तिसिया गांव निवासी सोनमती देवी (पति- शोविचंद मुंडा), नीतू कुमारी (पिता- स्व. कर्मा मुंडा), महेंद्र मुंडा (पिता- सुखदेव मुंडा) और सरस्वती देवी (पति- महेंद्र मुंडा) भी वज्रपात से झुलसे हैं। ये सभी खेत में बीड़ा छिटने के बाद घर लौट रहे थे, तभी हादसे का शिकार हुए। सलगी कोलपारा निवासी कर्मा उरांव (पिता- घुड़ा उरांव) भी इस हादसे में झुलस गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि घायलों का हालचाल जानने और पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाने अस्पताल पहुंच रहे हैं।

खेत में काम करने और बकरी चराने के दौरान हुआ हादसा

बालूमाथ के पिंडारकोम गांव में वज्रपात से लड़की की मौत

लातेहार। लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के पिंडारकोम गांव में शुक्रवार को हल्की बारिश और गरज-चमक के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से एक लड़की की मौत हो गई। मृतका की पहचान पिंडारकोम गांव निवासी यशोद यादव की पुत्री सुकरी कुमारी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, सुकरी कुमारी घर की लिपाई-पुताई के लिए खेत से मिट्टी लाने जा रही थी। इसी दौरान अचानक तेज गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली की चपेट में आने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हालांकि, परिजन उसे तत्काल बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक डॉ दयानंद प्रसाद ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बालूमाथ पूर्वी जिला परिषद सदस्य प्रियंका कुमारी सहित कई स्थानीय लोग घटनास्थल पहुंचे। इधर, घटना के बाद थाना प्रभारी अमित कुमार के निर्देश पर पुलिस ने शव को लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मानसून जुलाई के पहले सप्ताह में झारखंड में फिर होगा सक्रिय

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून जुलाई के पहले सप्ताह में दोबारा सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से रांची समेत राज्य के कई जिलों में अच्छी बारिश हो सकती है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को कहा कि दो से तीन जुलाई के बीच मानसून के सक्रिय होने के संकेत हैं। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पूरे देश में अल नीनो के प्रभाव के कारण मानसून अपेक्षाकृत कमजोर रहने की संभावना है। हालांकि, झारखंड में जुलाई के पहले सप्ताह में मौसम की गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। मानसून की स्थिति और आगे के पूर्वानुमान को लेकर मौसम विभाग अगले सप्ताह विस्तृत जानकारी साझा करेगा।

अल नीनो के प्रभाव के कारण मानसून अपेक्षाकृत कमजोर रहने की आशंका

अभिषेक आनंद ने कहा कि झारखंड में सामान्यतः सबसे अधिक वर्षा जुलाई और अगस्त के दौरान होती है। राज्य की कृषि और जल संसाधन काफी हद तक इन दो महीनों की बारिश पर निर्भर करते हैं। ऐसे में यदि इस अवधि में सामान्य से कम वर्षा होती है, तो इसका असर खेती, जलस्तर और दैनिक जीवन पर पड़ सकता है।

इसलिए विभाग लगातार मौसम की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। शुक्रवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहने के कारण गर्मी और उमस ने लोगों को परेशान किया। दोपहर बाद शहर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई, जिससे तापमान में मामूली गिरावट आई और लोगों को गर्मी से राहत मिली।

शेष पेज 11 पर...

हाईकोर्ट ने बर्खास्त कर्मी की सेवा को बहाल करने का दिया आदेश

- कार्यालय से चायपत्ती चोरी के मामले में हुई थी कार्रवाई

रांची। कार्यालय से चायपत्ती और बिस्किट जैसी मामूली वस्तुएं ले जाने के आरोप में 17 वर्षों से कार्यरत एक चपरासी को नौकरी से बर्खास्त करने के आदेश को नाजायज बताते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को उसे सेवा में फिर से बहाल करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि आरोप की प्रकृति की तुलना में दी गई सजा अनुपातहीन है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कर्मचारी को 1 जुलाई 2026 तक सेवा में बहाल करने और 50 प्रतिशत बकाया वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया है। झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एसएम सोनक और शेष पेज 11 पर...

असिस्टेंट लॉ अफसर के पद पर प्रमोशन की अपील खारिज

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को रांची नगर निगम में असिस्टेंट लॉ अफसर पद पर पदोन्नति की मांग से जुड़ी एक महत्वपूर्ण अपील को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि केवल लीगल सेक्शन में लंबे समय तक कार्य करने से कोई कर्मचारी लीगल कैडर का सदस्य नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि लीगल कैडर में नियमों के अनुरूप नियुक्ति या समावेशन के बिना पदोन्नति का दावा स्वीकार्य नहीं है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने अरुण कुमार की ओर से दायर लेटर्स पेटेंट अपील (एलपीए) को खारिज करते हुए एकल पीठ के पूर्व आदेश को बरकरार रखा। खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि असिस्टेंट लॉ अफसर का पद लीगल असिस्टेंट का प्रोन्नति पद है। ऐसे में केवल वही कर्मचारी इस पद पर पदोन्नति के पात्र हो सकते हैं, जिनकी नियुक्ति या समावेशन विधिवत लीगल असिस्टेंट के रूप में हुआ हो।

रांची नगर निगम का मामला

हाईकोर्ट ने कहा, लीगल कैडर में नियमों के अनुरूप नियुक्ति या समावेशन के बिना पदोन्नति का दावा स्वीकार्य नहीं

शेष पेज 11 पर...

आज कल

राहत : खेत में मिला था संदिग्ध विस्फोटक

सेना की टीम ने विस्फोटक किया नष्ट

नवीन मेल संवाददाता

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र के सोनपोखरी गांव स्थित मुंडा टोला निवासी विजय मुंडा के खेत से मिले संदिग्ध विस्फोटक को शुक्रवार को भारतीय सेना की बम निष्क्रियकरण और निस्तारण (बीडीडीएस) टीम ने सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। पूरी कार्रवाई पुलिस और प्रशासन की निगरानी में की गई, जिससे क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार, गांव में मिला संदिग्ध विस्फोटक लगभग 56 सेंटीमीटर लंबा, 42.5 सेंटीमीटर व्यास का और करीब 20 से 25 किलोग्राम वजनी था। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे पहले ही सुरक्षित स्थान पर घेराबंदी कर रखा गया था, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।

शेष पेज 11 पर...

अभियान सुरक्षित ढंग से हुआ संपन्न

पूरी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों का विशेष रूप से पालन किया गया। पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन ने कहा कि कार्रवाई के दौरान किसी भी ग्रामीण की जान-माल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा और पूरे अभियान को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराया गया।

दिव्यांग अभ्यर्थी सदानंद कुमार की नियुक्ति की अनुशंसा 12 सप्ताह में करे जेपीएससी : हाईकोर्ट

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सातवीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा (2021) में दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित पदों को भरने में अनियमितता के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) को याचिकाकर्ता सदानंद कुमार की नियुक्ति के लिए 12 सप्ताह के भीतर आवश्यक अनुशंसा करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने सदानंद कुमार एवं अन्य दो अभ्यर्थियों की ओर से दायर रिट याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने अदालत को बताया कि सातवीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा (2021) में कुल 252 पदों में से सात पद दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए क्षैतिज रूप से आरक्षित थे। इसके बावजूद जेपीएससी ने केवल चार दिव्यांग अभ्यर्थियों को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया, जिनमें से तीन का चयन किया गया। शेष चार आरक्षित पदों को अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों से भर दिया गया, जबकि यह दिव्यांग आरक्षण संबंधी कानूनी प्रावधानों के विपरीत था।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को यह भी बताया गया कि राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसएबिलिटीज एक्ट, 2016 की धारा 33 एवं 36 के अनुसार यदि किसी दिव्यांग उप-श्रेणी में उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होते हैं

शेष पेज 11 पर...

दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित पदों को भरने में अनियमितता का मामला

त्वरित कार्रवाई | पुलिस और प्रशासनिक टीम ने मौके पर की छापेमारी

कोडरमा में धर्म परिवर्तन के खेल का भंडाफोड़

- प्रार्थना सभा से दर्जनों महिलाएं हिरासत में
- फरार होने में कामयाब रहा मुख्य आरोपी

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

कोडरमा। कोडरमा जिले के सतगावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत मौजा चांदडीह ग्राम लक्ष्मणडीह में शुक्रवार को कथित धर्म परिवर्तन कराए जाने का एक मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस और प्रशासनिक टीम ने मौके पर छापेमारी की। इस दौरान धर्म परिवर्तन के खेल में शामिल दर्जनों महिलाओं को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है, जबकि ग्रामीणों को गुमराह कर इस कार्य को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब रहा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार को लक्ष्मणडीह निवासी महेंद्र राजवंशी के घर में दर्जनों की संख्या में महिलाओं को जुटाकर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था। स्थानीय ग्रामीणों को जब इसकी भनक लगी और धर्म परिवर्तन का संदेह हुआ, तो उन्होंने तुरंत इसकी सूचना सतगावां थाना को दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए थाना प्रभारी बबलू कुमार सिंह और अंचलाधिकारी केशव प्रसाद चौधरी पुलिस बल और महिला पुलिस कर्मियों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखते ही वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके से दर्जनों महिलाओं को हिरासत में लिया और उन्हें पूछताछ के लिए सतगावां थाना लाया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, तलाशी और जांच के दौरान उपस्थित सभी महिलाओं के पास से ईसाई धर्म से जुड़ी बाइबिल किताब बरामद की गई है। थाने में पूछताछ के दौरान धर्म परिवर्तन टीम में शामिल एक महिला ने स्वीकार किया कि वे लोग पिछले 02 वर्षों से अधिक समय से इस संगठन से जुड़े हुए हैं।

महिला ने बताया कि उन्हें जहां भी बुलाया जाता है, वे वहां प्रार्थना के लिए जाते हैं और वे लोग क्रिश्चियन संगठन में जाकर नियमित रूप से प्रार्थना करते हैं। पुलिस की छापेमारी की भनक लगते ही धर्म परिवर्तन का मुख्य मास्टरमाइंड मौके से भाग निकला। बताया जा रहा है कि सतगावां थाना क्षेत्र के गांगडीह, वैधडीह और अन्य क्षेत्रों के दो लोग इन सभी को बहला फुसलाकर धर्म परिवर्तन करवाने का कार्य कर रहे थे।

चोरी छिपे चल रहा धर्म परिवर्तन का खेल

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सतगावां प्रखंड के कई सुदूरवर्ती और ग्रामीण इलाकों में कथित धर्म परिवर्तन का यह सिलसिला लंबे समय से चोरी छिपे चल रहा है जहां सीधे साधे ग्रामीणों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर निशाना बनाया जा रहा है। फिलहाल पुलिस हिरासत में ली गई महिलाओं से पूछताछ कर इस रैकेट के मुख्य सरगनाओं का पता लगाने में जुटी है।

रामगढ़ सदर अस्पताल के ओटी का एसी शॉर्ट सर्किट से हुआ ब्लास्ट

- मची अफरा-तफरी आग पर पाया गया काबू

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ सदर अस्पताल में शॉर्ट सर्किट की वजह से गुरुवार की देर रात आग लग गई। अगलगी की सूचना बाहर आते ही वहां मौजूद मरीजों और उनके परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने मरीजों को बचाने के लिए सदर अस्पताल परिसर से बाहर निकलने लगे।

मिली जानकारी के अनुसार, सदर अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में शॉर्ट सर्किट की वजह से एक एसी ब्लास्ट कर गया। ऑपरेशन थिएटर में आग और धुआं देखकर अस्पताल परिसर में मौजूद लोग घबरा उठे।

शेष पेज 11 पर...

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय का 46वां स्थापना दिवस

नौकरी पाने की सोच तक सीमित न रहें, बल्कि नौकरी देने वाले बनने का प्रयास करें : राज्यपाल

- बोले-कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि देश की समृद्धि का आधार है
- प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि और जल संसाधनों के बेहतर उपयोग की वकालत
- विवि में शिक्षकों की कमी को आईसीएआर रैंकिंग के लिए बड़ी चुनौती बताया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने छात्रों से आह्वान किया कि वे केवल नौकरी पाने की सोच तक सीमित न रहें, बल्कि ऐसे उद्यमी बनें जो दूसरों को रोजगार उपलब्ध कराएँ।

शुक्रवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के 46वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि देश की समृद्धि का आधार है। विकसित भारत का मार्ग कृषि क्षेत्र से होकर गुजरता है।

राज्यपाल ने कहा कि बीएयू के वैज्ञानिकों का योगदान शोध-पत्रों के प्रकाशन, वैज्ञानिक संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी अथवा विकसित तकनीकों की संख्या से नहीं, बल्कि किसानों की कृषि उत्पादन, आय, सुख-सुविधा एवं जीवन स्तर में हुई वृद्धि के आधार पर आँका जाएगा। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को लगातार यह मूल्यांकन करते रहना चाहिए कि उनके द्वारा विकसित तकनीकें किसानों के खेतों तक कितनी पहुँची हैं और उनका क्या प्रभाव पड़ा है।

भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची के निदेशक डॉ सुजय रक्षित ने रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय प्रकृति के अधिक निकट होने के कारण झारखंड में प्राकृतिक खेती का विस्तार अन्य राज्यों की तुलना में अधिक सहजता से किया जा सकता है। उन्होंने उपलब्ध जल संसाधनों के विवेकपूर्ण एवं सर्वोत्तम उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि राज्य में फसल सघनता बढ़ाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान में झारखंड की फसल सघनता लगभग 120 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत 140 प्रतिशत है।

समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय ने गत वर्ष विभिन्न प्रकार के अनाज, दलहन एवं तिलहन की पाँच हजार क्विंटल से अधिक गुणवत्तापूर्ण बीजों का उत्पादन किया। इसके अलावा फल, सब्जी, पुष्प, औषधीय और सुगंधित फसलों के लगभग आठ लाख गुणवत्तापूर्ण पौध तैयार किए गए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्वीकृत शिक्षकों की संख्या के केवल लगभग 15 प्रतिशत नियमित शिक्षकों के साथ कार्य कर रहा है, जो महाविद्यालयों के एक्रीडेशन तथा आईसीएआर रैंकिंग में सुधार के लिए एक बड़ी चुनौती है। धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण निदेशक डॉ बीके अग्रवाल ने किया, जबकि मंच संचालन शशि सिंह ने किया।

रिम्स निदेशक को प्रताड़ित कर इस्तीफा देने पर मजबूर किया गया : भाजपा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने आरोप लगाया है कि राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के निदेशक डॉ. राजकुमार स्वास्थ्य विभाग में कथित अवैध वसूली की व्यवस्था के सबसे बड़े अवरोध बन गए थे। इसी कारण उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और अंततः इस्तीफा देने के लिए विवश होना पड़ा। महतो ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाया कि दलित अधिकारियों का शोषण और उत्पीड़न करना कांग्रेस की पुरानी कार्यशैली रही है। उन्होंने कहा कि डॉ. राजकुमार की नियुक्ति के बाद से ही स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के इशारे पर उन्हें विभिन्न प्रकार की प्रशासनिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। यहां तक कि उन्हें पद से हटाने का आदेश भी जारी किया गया, लेकिन उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद वे अपने पद पर बने रहे। महतो का दावा है कि न्यायालय का यह निर्णय स्वास्थ्य मंत्री को स्वीकार नहीं था। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री ने विभाग को कथित रूप से अवैध उगाही का केंद्र बना दिया है। उनके अनुसार विभाग में मनचाहे अधिकारियों की नियुक्ति कर उनसे वसूली कराई जा रही है, जबकि ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और विशेष रूप से दलित अधिकारियों को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। महतो ने कहा कि डॉ. राजकुमार एक अनुभवी चिकित्सक एवं कुशल प्रशासक हैं। उन्होंने रिम्स की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल कीं, लेकिन स्वास्थ्य मंत्री द्वारा लगातार उनके कार्यों में हस्तक्षेप किया गया। उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया गया तथा बिना समुचित जानकारी दिए सीआईडी जांच का हवाला देकर मानसिक रूप से मानसिक दबाव में रखा गया। इससे उनके स्वाभिमान को गहरी ठेस पहुंची और अंततः उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि वर्तमान में झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था बद से बदतर स्थिति में पहुंच चुकी है। अस्पतालों में संसाधनों की कमी, अव्यवस्था और प्रशासनिक अराजकता चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस स्थिति के लिए स्वास्थ्य मंत्री नैतिक रूप से जिम्मेदार हैं। महतो ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को बचाने तथा प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से तत्काल अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की।

रिम्स निदेशक के इस्तीफे पर भाजपा के आरोप राजनीति से प्रेरित: लाल किशोर

- कांग्रेस पार्टी हमेशा से शोषितों, वंचितों और दलितों के अधिकारों की रक्षक रही है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार के इस्तीफे पर भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह से निराधार, भ्रामक और राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि रिम्स निदेशक के त्यागपत्र के स्वास्थ्य मंत्री को जिम्मेदार ठहराना कहीं से भी जायज नहीं है।उन्होंने कहा कि भाजपा के पास कोई रचनात्मक मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह हर प्रशासनिक और व्यक्तिगत फैसले पर अनर्गल राजनीति करने की कोशिश कर रही है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि रिम्स निदेशक का इस्तीफा उनका व्यक्तिगत निर्णय हो सकता है, लेकिन भाजपा इस पर गिद्ध राजनीति कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के नेतृत्व में राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को पारदर्शी और जन-हितैषी बनाया जा रहा है। विभाग में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और इसे अवैध वसूली या उत्पीड़न का नाम देना भाजपा की हताशा को दर्शाता है। कांग्रेस महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा द्वारा दलित उत्पीड़न के आरोप पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से शोषितों, वंचितों और दलितों के अधिकारों की रक्षक रही है। भाजपा अपनी जनविरोधी नीतियों और अंदरूनी कलह को छिपाने के लिए हर मामले में जातिगत रंग देने की कोशिश करती है। रिम्स जैसी प्रतिष्ठित संस्था में प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही तय करना सरकार का काम है, और इसे किसी जाति या वर्ग के उत्पीड़न से जोड़ना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने साफ तौर पर कहा कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी पूरी निष्ठा के साथ राज्य के सुदूर इलाकों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने में लगे हैं। भाजपा के प्रवक्ता केवल अखबारों में बने रहने के लिए बिना किसी साक्ष्य के अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। राज्य की जनता भाजपा के इन खोखले दावों और राजनीतिक स्टंट को अच्छी तरह समझती है और उनके बहकावे में आने वाली नहीं है।

लेह दौरे पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री संजय सेठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया तथा केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर लेह पहुंचे। कुशोक बकुला रिमपोछे हवाई अड्डे पर भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने दोनों केंद्रीय मंत्रियों का स्वागत किया।

अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान दोनों मंत्री विकसित भारत–वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत भारत के अंतिम नागरिक गांवों में शामिल फोबरांग का दौरा करेंगे। समुद्र तल से लगभग 14,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह सीमावर्ती गांव सामरिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री स्थानीय ग्रामीणों से संवाद करेंगे तथा उनकी समस्याओं एवं विकास संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी लेंगे। इसके साथ ही वे भारतीय सेना के जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन करेंगे और सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों एवं जनकल्याण योजनाओं की समीक्षा भी करेंगे। इस दौरे का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास, स्थानीय नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार तथा केंद्र सरकार की वाइब्रेंट विलेज पहल को गति देना है।

परिसीमन में आदिवासी आरक्षण से छेड़छाड़ न हो: एसीएस

रांची। आदिवासी छात्र संघ (एसीएस) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव के नेतृत्व में पूर्व वित्त मंत्री व लोहरदगा विधायक डॉ रामेश्वर उरांव से मुलाकात कर आगामी परिसीमन, सरना धर्म कोड और आदिवासी राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। सुशील उरांव ने कहा कि झारखंड राज्य आदिवासियों और मूलवासियों के लंबे संघर्ष का परिणाम है। ऐसे में सिर्फ वर्तमान जनसंख्या के आधार पर अनुसूचित जनजाति (एसटी) की आरक्षित सीटों में कटौती संविधान की पांचवीं अनुसूची की भावना के विपरीत होगी। ज्ञापन में वर्तमान 28 एसटी आरक्षित विधानसभा सीटों और लोकसभा की आरक्षित सीटों को यथावत रखने, अनुसूचित क्षेत्रों में 1971 की जनगणना आधारित संवैधानिक व्यवस्था को संरक्षण देने, आगामी जनगणना में पृथक सरना धर्म कोड लागू करने और सादा पट्टा के आधार पर गैर-मजरूआ व आदिवासी भूमि पर हुए अवैध कब्जों को हटाने की मांग की गई।

भाजपा झूठ, अफवाह और चरित्र हनन की राजनीति बंद करे : कांग्रेस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी द्वारा रिम्स के निदेशक डॉ राजकुमार के इस्तीफे को लेकर लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार, मनगढ़ंत और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित हैं।

भाजपा के पास जनता के मुद्दों पर बोलने के लिए कुछ नहीं बचा है, इसलिए वह हर प्रशासनिक विषय को राजनीतिक रंग देकर भ्रम फैलाने का असफल प्रयास कर रही है। प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा पहले यह स्पष्ट करें कि उनके गंभीर आरोपों का आधार क्या है? यदि उनके पास किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार, अवैध वसूली या उत्पीड़न के प्रमाण हैं तो उन्हें सार्वजनिक करें या सक्षम जांच एजेंसी को सौंपें। केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर झूठे आरोप लगाना भाजपा की पुरानी आदत बन चुकी है।

कांग्रेस ने कहा कि दलित हितों की बात करने वाली भाजपा को पहले अपने शासनकाल का इतिहास देखना चाहिए। दलित, आदिवासी, पिछड़े और कमजोर वर्गों के अधिकारों पर सबसे अधिक चोट भाजपा सरकारों के दौरान हुई है। आज राजनीतिक लाभ के लिए दलित अधिकारियों का नाम लेकर मगरमच्छ के आंसू बहाना भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर करता है।

कांग्रेस ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी लगातार राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण और आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। यदि किसी प्रशासनिक स्तर पर कोई विषय उत्पन्न होता है तो उसके समाधान के लिए संवैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रिया मौजूद है। भाजपा को बिना तथ्यों के सनसनी फैलाने से बचना चाहिए। कांग्रेस ने भाजपा को याद दिलाया कि जब वह सत्ता में थी तब झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली, डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की कमी, दवाइयों का अभाव तथा अस्पतालों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं थी। आज वही भाजपा नैतिकता का पाठ पढ़ाने का प्रयास कर रही है, जो हास्यास्पद है। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा जनता का ध्यान बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक, किसानों की समस्याओं और केंद्र सरकार की विफलताओं से हटाने के लिए इस तरह के निराधार आरोपों का सहारा ले रही है। झारखंड की जनता भाजपा की इस साजिश को अच्छी तरह समझती है।

छात्रों को राहत जैक ने बढ़ाई प्रमाणपत्र सुधार की समय सीमा, छात्रों से आवेदन से पहले अभिलेखों के जांच की सलाह

विद्यार्थी अब 30 सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन

- विद्यालय या कॉलेज के माध्यम से आवेदन जमा करना होगा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए मैट्रिक, इंटरमीडिएट और अन्य बोर्ड प्रमाणपत्रों में त्रुटि सुधार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 तक बढ़ा दी है। परिषद के इस फैसले से उन हजारों छात्रों को लाभ मिलेगा, जो निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन नहीं कर पाए थे। परिषद के अनुसार, छात्र अपने प्रमाणपत्रों में नाम, माता-पिता के नाम, जन्मतिथि, फोटो तथा अन्य स्वीकृत विवरणों में सुधार के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए संबंधित विद्यालय या कॉलेज के माध्यम से आवेदन जमा करना होगा। जैक ने स्पष्ट किया है कि आवेदन के साथ सभी आवश्यक प्रमाण-पत्र और दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। अधूरे आवेदन या गलत दस्तावेजों के साथ भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसलिए विद्यार्थी आवेदन करने से पहले सभी अभिलेखों की अच्छी तरह जांच कर लें।

बोर्ड का यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि प्रमाणपत्रों में छोटी-सी त्रुटि भी भविष्य में उच्च शिक्षा में नामांकन, प्रतियोगी परीक्षाओं, सरकारी एवं निजी नौकरियों, छात्रवृत्ति, पासपोर्ट और अन्य आधिकारिक प्रक्रियाओं के दौरान परेशानी का कारण बन सकती है।

जैक ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि जिनके प्रमाणपत्रों में किसी भी प्रकार की गलती है, वे 30 सितंबर 2026 की अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द आवेदन की प्रक्रिया पूरी करें। इससे भविष्य में किसी भी शैक्षणिक या प्रशासनिक कठिनाई से बचा जा सकेगा।

समय पर आवेदन कर इसका लाभ उठाएं

जैक अध्यक्ष नटवा हांसदा ने कहा कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए प्रमाणपत्रों में त्रुटि सुधार के लिए आवेदन की समय-सीमा 30 सितंबर 2026 तक बढ़ाई गई है। जिन छात्रों के प्रमाणपत्रों में किसी भी प्रकार की गलती है, वे सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर आवेदन कर इसका लाभ उठाएं।

दृष्टिपात

राज्य के 595 मंडलों में मनाया जाएगा हूल दिवस : आदित्य साहू

रांची। प्रदेश भाजपा 30 जून को हूल दिवस पर न केवल अमर शहीद स्थल भोगनाडीह में कार्यक्रम आयोजित करेगी बल्कि इस दिवस को राज्य के सभी 595 मंडलों में मनाने की तैयारी में जुटी हुई है। हूल दिवस को सभी मंडलों में मनाने की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने की है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि इस बार हूल दिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा झारखंड के सभी मंडलों में हूल क्रांति के अमर शहीद महानायक सिदो-कान्हो, चांद-भैरव, फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। वहीं भोगनाडीह में इस दिवस को भव्य और व्यापक रूप से मनाने के लिए 9 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। श्री साहू ने कहा कि आजादी की लड़ाई में झारखंड के जनजातीय समुदाय के महानायकों की महत्ती भूमिका रही है। 30 जून, 1855 के दिन झारखंड के जनजातीय समुदाय द्वारा क्रांति का बिगुल फूंका गया। हूल दिवस, जनजातीय समुदाय के कड़े संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। श्री साहू ने कहा कि विपक्षी पार्टियां जनजातीय समुदाय के नाम पर केवल राजनीतिक रोटी सेंकने का काम करती रही हैं। जबकि भारतीय जनता पार्टी ने सही मायनों में आदिवासी गौरव, उनके सम्मान, उनकी अस्मिता, उनके अधिकारों की रक्षा करने का काम किया है।

राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट को भंग किया जाए : कैलाश यादव

रांची। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के झारखंड प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस बयान में अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने ट्रस्ट को तत्काल भंग करने, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। कैलाश यादव ने आरोप लगाया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट में धन, सोने-चांदी की धातुओं तथा भूमि खरीद से जुड़े मामलों में कथित गड़बड़ियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इन मामलों को लेकर पिछले कुछ समय से जांच की मांग उठती रही है, लेकिन ट्रस्ट की ओर से इन आरोपों को लगातार खारिज किया जाता रहा। राजद प्रवक्ता ने कहा कि अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे में यदि किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता हुई है तो इसकी निष्पक्ष और व्यापक जांच कराई जानी चाहिए, ताकि तथ्य सामने आ सकें और दोषियों पर कार्रवाई हो सके। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी दलों द्वारा लगातार सवाल उठाने और साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने के बाद कुछ लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट को तत्काल भंग कर उसके सभी पदाधिकारियों एवं ट्रस्टियों की जांच कराई जाए तथा जिन लोगों पर आरोप हैं उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

हूल दिवस को भव्य तरीके से मनाएगी भाजपा

रांची। प्रदेश भाजपा ने 30 जून को अमर शहीद स्थल भोगनाडीह में आयोजित होने वाले 'हूल दिवस' के भव्य आयोजन की योजना बनाई है। इसके सफल आयोजन के लिए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू ने 9 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया है। इस आयोजन समिति में पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम, पूर्व सांसद सुनील सोरेन, अमर शहीद के वंशज मंडल मुर्मू, पूर्व प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी, वरिष्ठ नेता गणेश तिवारी, साहेबगंज जिला अध्यक्ष गौतम यादव, पाकुड़ जिला अध्यक्ष सरिता मुर्मू, महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री अनिता सोरेन एवं अनु. जनजाति मोर्चा की प्रदेश मंत्री अनिता मुर्मू को शामिल किया गया है। इस संबंध में प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने बताया कि झारखंड के लिए इस तिथि का ऐतिहासिक महत्व है। संताल परगना और झारखंड की भूमि क्रांतिकारियों की वीर गाथाओं से भरी पड़ी हैं। सन् 1855 में 30 जून के ही दिन झारखंड के जनजातीय समुदाय द्वारा हूल क्रांति के अमर शहीद महानायक सिदो-कान्हो के नेतृत्व में अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका गया था। चांद-भैरव, फूलो-झानो ने भी इस आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई।

छह लाख की बैंक गारंटी की शर्त हटी, सड़क हादसे में जब्त ट्रक छोड़ने का आदेश

रांची। न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा की अदालत ने सड़क दुर्घटना मामले में जब्त ट्रक को छोड़ने के लिए छह लाख रुपये की बैंक गारंटी जमा करने की शर्त को अवैध ठहराते हुए निचली अदालत के आदेश को निरस्त कर दिया। अदालत ने ट्रक मालिक के पक्ष में आपराधिक पुनरीक्षण याचिका स्वीकार करते हुए वाहन को शर्तों के साथ छोड़ने का आदेश दिया। मामला नामकुम थाना कांड संख्या-274/2023 से जुड़ा है। ट्रक को सड़क दुर्घटना के मामले में जब्त किया गया था। मामले में चालक के खिलाफ मुकदमा चलाया गया था। हालांकि, ट्रायल पूरा होने के बाद चालक को छह मई 2026 को बरी कर दिया गया। याचिकाकर्ता सतीश महतो ने अदालत को बताया कि वह जब्त ट्रक का वास्तविक मालिक है और वाहन से संबंधित सभी दस्तावेज उसके पास है। निचली अदालत ने 21 दिसंबर 2023 को वाहन छोड़ने का आदेश तो दिया था, लेकिन इसके लिए छह लाख रुपये की बैंक गारंटी जमा करने की शर्त लगा दी थी, जिसका पालन करना उसके लिए संभव नहीं था।

ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

रांची। रातू थाना क्षेत्र के रिंग रोड हाजी चौक के पास शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान महादेव नगर, सरना टोली कोकर निवासी 30 वर्षीय आलोक कुमार, पिता दीनानाथ प्रसाद के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आलोक बाइक से हाजी चौक होते हुए तिलता की ओर जा रहा था। इसी दौरान उसी दिशा में जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची रातू पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार ट्रक की तलाश कर रही है।

नाबालिग से यौन उत्पीड़न के आरोपी गजेंद्र राय को जमानत नहीं

रांची। पोक्सो की विशेष अदालत ने नाबालिग से यौन उत्पीड़न के आरोपी गजेंद्र राय की जमानत याचिका खारिज कर दी है। वह उक्त आरोप में 23 मई से न्यायिक हिरासत में है। घटना को लेकर पीड़िता ने जगन्नाथपुर थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी पर घर में घुसकर नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। अभियोजन ने अदालत को बताया कि पीड़िता ने बीएनएसएस की धारा 183 के तहत दर्ज अपने बयान में घटना का समर्थन किया है।

सुशील पाहन के आकस्मिक निधन पर शोक

रांची। मुंडा सभा ने सुशील कुमार पाहन के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। शुक्रवार को डिबडीह स्थित केंद्रीय कार्यालय में शोकसभा का आयोजन किया गया। सदस्यों ने दिवंगत पाहन को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मौके पर सुभाष कोनगाड़ी, बिलकन डांग, प्रभु सहाय सांगा, डॉ रोयल डांग, सोसन समद, पौलुस बुड़, तुरन लुगून सहित कई लोग उपस्थित थे।

शिया समुदाय ने निकाला जुलूस-ए-आशूर, इमाम हुसैन को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कर्बला चौक स्थित जाफरिया मस्जिद से हजारों शिया समुदाय ने कर्बला की याद में जुलूस-ए-आशूर निकाला। इस दौरान महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इससे पहले जाफरिया मस्जिद में नमाज ए जुमा अदा की गई। इसके बाद इमाम हुसैन की कुर्बानी की श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहा कि इमाम हुसैन की शहादत जुल्म के खिलाफ जीत का प्रतीक है।

किसी भी हाल में अन्याय और अत्याचार के सामने झुकना नहीं चाहिए। इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों ने अल्लाह पर भरोसा रखते हुए सत्य और न्याय की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी और हमेशा के लिए अमर हो गए। मौलाना रिजवी ने कहा कि इस्लाम में आतंकवाद की कोई जगह नहीं है। मोहर्रम अमन, भाईचारा, त्याग और वतन से मोहब्बत का पैगाम देता है। देश के प्रति वफादारी भी एक बड़ी इबादत है। हमें संकल्प लेना चाहिए कि देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए हमेशा रहेंगे और देश के दुश्मनों को कभी सफल नहीं होने देंगे।

मोहर्रम जुलूस आज, डीजे व आग की खेल पर रोक

रांची। 27 जून को मोहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा। धवताल अखाड़ा के सभी जुलूस अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए पहुंचेगी। इस दौरान सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के प्रवक्ता मो इस्लाम एवं महासचिव अकीलुर्रहमान ने कहा है कि 27 जून को रांची में निकाले जाने वाले मोहर्रम जुलूस की तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी जुलूस अपने-अपने क्षेत्रों से निकलकर अपने निर्धारित मार्ग तक पहुंचेगी और वापसी भी अपने निर्धारित मार्ग से ही की जाएगी। इस बार सेंट्रल कमेटी के लोगों ने मोहर्रम की जुलूस में आग के खेल पर प्रतिबंध लगाए है। इसके अलावा डीजे साउंड पर भी रोक लगाए गए है। इसके लिए सेंट्रल मुहर्रम कमेटी ने सभी अखाड़ेधारियों के लिए गाइडलाइन जारी की है। ताकि मोहर्रम का जुलूस प्रेम, शांति, भाईचारा और सौहार्द के साथ संपन्न हो सके। जिसमें नशा, आग और कांच के खेल पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाए गए है। जिला प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने की अपील है। जुलूस में झांकी एवं निशान (झंडे) की ऊंचाई 14 फीट से कम रखने की अपील की है। राष्ट्रीय ध्वज के अलावा किसी भी गैर मुल्क का झंडा जुलूस में लेकर चलना मना है।

दृष्टिपात

सदानंद महाराज के रांची आगमन की तैयारियों को लेकर बैठक कल

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम परिसर में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के वरिष्ठ पदाधिकारियों के सानिध्य में होगी, जिसमें ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी गुरु पूर्णिमा महोत्सव के भव्य एवं सफल आयोजन की तैयारियों पर विस्तृत विचार-विमर्श करना है। इसके साथ ही 19 जुलाई को पूज्य गुरुजी डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज के रांची आगमन के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी।बैठक में ट्रस्ट के आगामी धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों की भावी योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा होगी। साथ ही सेवा धाम द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में भी सुझाव लिए जाएंगे, ताकि समाज एवं मानव सेवा के कार्यों को नई गति प्रदान की जा सके। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं से समय पर उपस्थित होकर अपने बहुमूल्य सुझाव देने तथा आगामी आयोजनों को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया है। उक्त जानकारी ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने दी।

सुयश सागर महाराज पहुंचे रांची, भक्तों ने की आरती

रांची। ओडिशा से तिलैया विहार के क्रम में परमपूज्य 108 श्री सुयश सागर महाराज का आगमन झारखंड की राजधानी रांची में शुक्रवार को हुआ। प्रातः 06 बजे बिरसा चौक से हरमू रोड किशोरगंज के रास्ते भुइयांटोली से विहार होकर लगभग 8.30 बजे मुनिश्री अपर बाजार जैन मंदिर पहुंचे रास्ते में जगह जगह पर भक्तों ने उनका पाद प्रक्षालन और आरती कर अगुवानी की। वहीं मंदिर पहुंचने के बाद धर्म सभा हुई। धर्म सभा में मुनी श्री ने कहा कि अंतरंग का इनका उत्साह बता रहा है कि यहां के लोग निस्वार्थ साधु की सेवा वैयावृत्ति में निपुण है अग्रणी है। इनका पुण्य है कि साधु स्वयं ही चातुर्मास को आतुर रहते हैं निश्चित मानकर चलना पुण्य के नियोग से संसार में सामान्य सी वस्तु भी प्राप्त नहीं हो सकती। कहा कि जिस धर्म का प्राप्त होना, देव शास्त्र की भक्ति प्राप्त होना सहज है, लेकिन देव शास्त्र के साथ-साथ गुरु का समागम मिलना दुर्लभ है। गुरु के समागम के बिना देव शास्त्र की बातें समझ ही नहीं आती। इसलिए अरिहंत को सर्वप्रथम स्थान मिला है। सभा का संचालन मंत्री जितेंद्र छाबड़ा ने किया और बाहर से आए अतिथियों का स्वागत किया। सभा में पूर्व अध्यक्ष पूरणमल सेठी, छितरमल गंगवाल, नरेन्द्र पांड्या, उपाध्यक्ष संजय छाबड़ा, पदम गोधा, कैलाश बड़जात्या स्मिता पांड्या, वर्तमान कार्यकरिणी के सदस्यों और बाहर से आए खूंटी और झुमरीतिलैया के अतिथियों ने श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी राकेश काशलीवाल ने दी।

चोरी कांड का किया खुलासा

दो आरोपी गिरफ्तार, चोरी के जेवरात व नगदी बरामद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सुखदेवनगर थाना पुलिस ने घर में हुई चोरी के एक मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी गए जेवरात, नकदी, विदेशी मुद्रा और अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, कुम्हार टोली निवासी विजय प्रजापति ने 23 जून को थाना में आवेदन देकर बताया था कि 20 जून की रात अज्ञात चोर उनके घर में घुसकर गहने, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। इस संबंध में सुखदेवनगर थाना कांड संख्या 218/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक (नगर) के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर 25 जून की रात रोहित कुमार सिंह उर्फ गजनी को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर

रवि कुमार चौरसिया को भी गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपियों को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो स्मार्टफोन, 76 अमेरिकी डॉलर, 170 रुपये नकद, चांदी के सिक्के, पायल, बिछिया, लॉकेट, सिकड़ी, कमर खोसनी, रोल गोल्ड के आभूषण तथा 1.94 ग्राम सोने का टुकड़ा सहित चोरी का सामान बरामद किया है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी रोहित कुमार सिंह उर्फ गजनी के विरुद्ध पूर्व में भी सुखदेवनगर थाना में गंभीर आपराधिक मामला दर्ज है। मामले में आगे की जांच जारी है।

सीसीएल में नई श्रम संहिताओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ, 105 प्रतिभागी शामिल

- लागू नई श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी : डॉ ओंकार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के मानव संसाधन विकास विभाग (एचआरडी) द्वारा चार नव-प्रवर्तित श्रम संहिताओं एवं उनके अंतर्गत बनाए गए नियमों पर आधारित दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ शुक्रवार को एमटीसी, एचआरडी, सीसीएल में किया गया। यह कार्यक्रम 26 एवं 27 जून तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सीसीएल के सभी क्षेत्रीय महाप्रबंधक, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, खान प्रबंधक, क्षेत्रीय मानव संसाधन अधिकारी, परियोजना पदाधिकारी, ट्रेड यूनियन प्रतिनिधि (जेसीएससी, वेलफेयर बोर्ड एवं सेफ्टी बोर्ड), एससी-एसटी-बीसी काउंसिल, एनएमओएसएसए, सीएमओएआई तथा ठेकेदारों के प्रतिनिधियों सहित कुल 105 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उद्घाटन सत्र में सीसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी, मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार, महाप्रबंधक (एचआरडी) एम.एफ. हक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भारत सरकार के पूर्व मुख्य श्रम आयुक्त डॉ. ओंकार शर्मा ने अतिथि संकाय विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया। अपने संबोधन में मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार ने कहा कि भारत सरकार द्वारा लागू नई श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी और सकारात्मक सहयोग आवश्यक है। वहीं, निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी ने बदलते औद्योगिक परिवेश में निरंतर ज्ञानवर्धन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि नई चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने और श्रम संहिताओं के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित पक्षों का अद्यतन जानकारी से लैस रहना जरूरी है।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ ओंकार शर्मा ने नई श्रम संहिताओं के प्रमुख प्रावधानों, अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं तथा उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन पर विस्तृत जानकारी दी। उनका सत्र ज्ञानवर्धक, संवादात्मक और व्यवहारिक रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से अपने प्रश्न और सुझाव साझा किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम दिवस उपयोगी चर्चाओं और प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह पहल सीसीएल में श्रम कानूनों की बेहतर समझ विकसित करने, अनुपालन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा कार्यस्थलों पर बेहतर औद्योगिक संबंध स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

चंदन द्वादशी पर श्री श्याम मंदिर में लगा भोग

श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया खीर-चूरमा का प्रसाद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री श्याम मंडल, रांची की ओर से अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में शुक्रवार को चंदन द्वादशी पर श्रद्धा और भक्ति के साथ विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर संध्या 6:30 बजे से रात्रि 9 बजे तक खाटू नरेश श्री श्याम बाबा को खीर-चूरमा का विशेष भोग अर्पित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य यजमान खुशबू गोयल एवं संजय गोयल रहे। अनुष्ठान की शुरुआत श्री श्याम मंडल के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश बागला, मंत्री धीरज बंका तथा गोयल परिवार द्वारा गणेश पूजन के साथ हुई। इसके पश्चात मंदिर में विराजमान वीर बजरंगबली एवं शिव परिवार का विधिवत पूजन कर विभिन्न प्रकार के फल एवं मिष्ठान अर्पित किए गए। अंत में श्री श्याम प्रभु को खीर-चूरमा का विशेष भोग लगाया गया।

पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर "हारे के सहारे की जय" और "लखदातार की जय" के जयघोष से भक्तिमय वातावरण में गूंजता रहा। द्वादशी के अवसर पर भगवान के प्रिय भोग खीर-चूरमा का प्रसाद श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया, जिसे प्राप्त करने के लिए भक्त कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

श्री श्याम मंडल के स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल, चरण पादुका रखने तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था की। मंदिर परिसर में ही तैयार किए गए खीर-चूरमा के प्रसाद का वितरण 550 से अधिक श्रद्धालुओं के बीच किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विकास पाड़िया, प्रदीप अग्रवाल, अभिषेक डालमिया, अजय साबू, प्रमोद बगड़िया, महेश सारस्वत, अमित जलान, प्रियांश पोद्दार एवं ज्योति पोद्दार सहित श्री श्याम मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नशीली सुइयों के साझा इस्तेमाल से फैलता है एचआईवी और हेपेटाइटिस : राजेश सिन्हा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति सह कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर शुक्रवार को डालसा रांची ने रिनपास, सीआईपी, प्रोबेशन होम सहित सभी लिगल-ऐड-क्लिनिक में अंतराष्ट्रीय नशा निषेध और अवैध तस्करी विरोधी दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। रिनपास रांची और सीआईपी में आयोजित विधिक जागरूकता कार्यक्रम में डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा, डॉ रूपा घोष, डॉ सजल ए नाग, पीएलवी भारती देवी, शारदा देवी, चालक राजा वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि डालसा की ओर से 26 जून को विश्व स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने नशा से संबंधित कानूनों एवं नशीली दवाओं के दुष्प्रभाव के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा से स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। शारीरिक कमजोरी, मानसिक तनाव, अवसाद और कई बार नशीली सुइयों के साझा इस्तेमाल से एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी जानलेवा बीमारियां फैलती हैं।

कार्यक्रम में डॉ रूपा घोष ने नशा से बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवाओं में परिवारों का टूटना, घरेलू हिंसा में वृद्धि और अपराधों का ग्राफ बढ़ने में नशा एक महत्वपूर्ण कारण है। नशा से बचने के लिए नशीली दवाओं के घातक परिणामों के बारे में खुद भी जानें और अपने परिवार व दोस्तों को भी जागरूक करें। मानसिक तनाव, डिप्रेशन या अकेलेपन के कारण लोग अक्सर नशे का सहारा लेते हैं। इससे बचने के लिए योग, ध्यान या खेलकूद को जीवन में शामिल करें।

डॉ सजल-ए-नाग ने कहा कि कई बार युवा पीयर प्रेशर (दोस्तों के दबाव) में आकर नशा शुरू करते हैं। ऐसे दोस्तों से दूर रहें जो नशे को बढ़ावा देते हैं। उल्लेखनीय है कि कस्तुरबा गांधी अवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं की ओर से भी अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर नशा पर पेंटिंग बनाया गया और इसे प्रदर्शनी में लगाया गया। इस अवसर पर डालसा और सीआईपी के कई लोग उपस्थित थे।

एसबीयू में राज्य फिल्म फेस्टिवल का शुभारंभ

रांची। सरला बिरला यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को चित्रपट झारखंड के तत्वावधान में तीन दिवसीय झारखंड फिल्म फेस्टिवल 2026 का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि प्रो (डॉ) गोपाल पाठक एवं कुलपति प्रो (डॉ) जेगनाथन चोकलींगम ने दीप जला कर समारोह का उद्घाटन किया तथा फेस्टिवल स्मारिका 'चित्रपटल' का लोकार्पण किया। देशभर से प्राप्त 84 प्रविष्टियों में से 67 फिल्मों का चयन प्रदर्शन के लिए किया गया है। इस अवसर पर प्रो. गोपाल पाठक ने विश्वविद्यालय में फिल्म मेकिंग सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। कुलपति प्रो. चोकलींगम ने कहा कि विवि में आधुनिक मीडिया लैब विकसित की जा रही है। भविष्य में फिल्म मेकिंग व क्रिएटिव आर्ट्स से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू होंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

वार्ड 13 में दो विकास योजनाओं का हुआ शिलान्यास, नाली-स्लैब निर्माण कार्य शुरू

रांची। शहर के समग्र विकास और जनसुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में रांची नगर निगम ने वार्ड संख्या 13 में दो महत्वपूर्ण आधारभूत विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। इन योजनाओं का विधिवत शिलान्यास रांची के विधायक सीपी सिंह एवं महापौर रोशनी खलखो ने संयुक्त रूप से किया। शिलान्यास के तहत पहली योजना में वार्ड संख्या 13 के सुषमा आरती के घर के पीछे से सफायर अपार्टमेंट तक आरसीसी नाली

निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। वहीं दूसरी योजना के अंतर्गत श्री रामहरि गार्डन के समीप मकचुंद टोली में आरसीसी नाली एवं स्लैब निर्माण कार्य की आधारशिला रखी गई। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र में जलनिकासी व्यवस्था बेहतर होगी, जलजमाव की समस्या में कमी आएगी तथा स्थानीय नागरिकों को आवागमन और स्वच्छता संबंधी सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह, महापौर श्रीमती रोशनी खलखो, उप महापौर नीरज कुमार, वार्ड संख्या 13 के पार्षद पवन तिर्की, अविचल सिंह सहित अनेक स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सूचना प्रौद्योगिकी ने नवाचार को गति दी : डॉ राजकुमार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के मालवीय मिशल टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) की ओर से आयोजित- सूचना प्रौद्योगिकी में अंतर/बहु-विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को रांची विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ राजकुमार शर्मा ने 'वैश्विक संचार को बदलने में आईटी की भूमिका', विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया। डॉ शर्मा ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी ने वैश्विक संचार, कार्य-संस्कृति, जीवन-शैली और मानव गतिविधियों के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किया है। आज सूचना प्रौद्योगिकी ने भौगोलिक सीमाओं को लगभग अप्रासंगिक बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर व्यापार, शिक्षा, शोध और ज्ञान के आदान-प्रदान में सहभागी बन सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन में सूचना प्रौद्योगिकी की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है।

डाटा संग्रह और विश्लेषण

उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी ने डेटा संग्रह, डेटा विश्लेषण, विभिन्न प्रक्रियाओं के स्वचालन, वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार व खोज को नई गति प्रदान की है। आज वैज्ञानिक दुनिया के किसी भी कोने से आवश्यक जानकारी कुछ ही क्षणों में प्राप्त कर सकते हैं, जिससे अनुसंधान और आविष्कार की प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं

अधिक तेज और प्रभावी हो गई है।

भारतीय दर्शन का उल्लेख

डॉ शर्मा ने भारतीय दर्शन- वसुधैव कुटुम्बकम्, का उल्लेख करते हुए कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी का वास्तविक उद्देश्य सिर्फ तकनीकी विकास नहीं, बल्कि मानवता को जोड़ना, वैश्विक शांति, समावेशिता और साझा विकास को मजबूत करना है। उच्च शिक्षा से जुड़े सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि वे तकनीक का उपयोग मानव कल्याण और ज्ञान के लोकतंत्रीकरण के लिए करें।

भारतीय शिक्षकों की भूमिका

उन्होंने कहा कि इंग्लैंड, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और चीन जैसे देशों के विश्वविद्यालयों में लगभग 10 प्रतिशत शिक्षक भारतीय या भारतीय मूल के हैं। यह भारत की प्रतिभा, संप्रेषण क्षमता और तकनीकी दक्षता की वैश्विक पहचान का प्रमाण है और सूचना प्रौद्योगिकी के विस्तार से ही यह व्यापक अवसर संभव हो सका है। कार्यक्रम का संचालन पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ अनुभूति श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो सुदेश कुमार साहू व सह-निदेशक डॉ रोजलीना सिंह सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व कॉलेजों के शिक्षक-प्रतिभागियों की सहभागिता रही।

धर्म-कर्म

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर के वार्षिकोत्सव का हुआ शुभारंभ

आज निकाली जाएगी शोभायात्रा, भगवान करेंगे नगर भ्रमण

- बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्रीनिवास और श्रीदेवी-भूमिदेवी के दिव्य दर्शन किए

नवीन मेल संवाददाता

शोभायात्रा का समय बदला : मंदिर समिति ने बताया कि 27 जून को अपराह्न 3 बजे प्रस्तावित शोभायात्रा को प्रशासनिक कारणों से अनुमति नहीं मिलने के कारण अब यह शोभायात्रा शनिवार प्रातः 8 बजे श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर से निकलेगी और प्रातः 10:30 बजे श्रीनिवास टावर पहुंचकर संपन्न होगी। इसी प्रकार सुदर्शन होमम, जो पहले प्रातः 9 बजे निर्धारित था, अब सायं 4 बजे आयोजित किया जाएगा। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से संशोधित समय-सारिणी के अनुसार शोभायात्रा एवं श्री सुदर्शन होमम में शामिल होकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है। समिति ने स्पष्ट किया कि नवदशम वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव के अन्य सभी कार्यक्रम पूर्व निर्धारित समयानुसार ही आयोजित होंगे।

रांची। दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में नवदशम वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव समारोह शुक्रवार को दक्षिण भारतीय वैदिक परंपरा के अनुसार श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में आरंभ हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्रीनिवास एवं श्रीदेवी-भूमिदेवी के दिव्य दर्शन किए।

समारोह का शुभारंभ श्रीधाम वृंदावन से पधारे जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में प्रातः महाभिषेक से हुआ। इस दौरान भगवान श्रीश्रीनिवास, श्रीदेवी, भूमिदेवी तथा भगवान के आयुधवर चक्रराज सुदर्शन का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक कराया गया। महाभिषेक के मुख्य यजमान राम अवतार नारसरिया एवं उनकी धर्मपत्नी शारदा नारसरिया रहे।

सायं 4 बजे कलश स्थापना एवं महासंकल्प के साथ कल्याणोत्सव की मुख्य धार्मिक विधियां प्रारंभ हुईं। वर पक्ष की ओर से राम अवतार नारसरिया एवं शारदा नारसरिया तथा वधू पक्ष की ओर से रमेश धरनीधरका एवं शशि धरनीधरका तथा शशांक धरनीधरका एवं सौम्या धरनीधरका ने यजमान के रूप में अनुष्ठान संपन्न कराया।

कांचीपुरम से आए प्रधान आचार्य श्रीवत्स भट्टर, मालु भट्टर, विजय राघवन एवं अन्य वैदिक विद्वानों ने जगद्गुरु श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य जी महाराज के मार्गदर्शन में वैदिक मंत्रोच्चार, नादस्वर वादन, अक्षतारोपण, सूत्रबंधन तथा गंगाजल एवं आम्रपल्लव के साथ कलश स्थापना की। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति, वैदिक अनुष्ठान और आध्यात्मिक वातावरण का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने श्रद्धालुओं को देवलोक जैसी अनुभूति कराई।

ग्रीन मार्केटिंग सिर्फ छवि निर्माण नहीं, वास्तविक बदलाव का माध्यम : डॉ जोसफ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) और इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (आईईएम), कोलकाता की ओर से शुक्रवार को सतत विपणन मूल्य प्रदान करना (एसएमडीवी-2026), विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। इसमें देश-विदेश के शिक्षाविद, शोधकर्ता, उद्योग विशेषज्ञ, नीति-निर्माता व विद्यार्थी छात्र हाइब्रिड मोड में शामिल हुए। इसकी शुरुआत करते हुए एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की चुनौती है। उन्होंने कहा कि ग्रीन मार्केटिंग सिर्फ छवि निर्माण नहीं, बल्कि वास्तविक बदलाव का माध्यम है और शोध, नैतिकता व सामूहिक प्रतिबद्धता के जरिए ही सतत विकास के लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। डीन एकेडमिक्स डॉ अमर एरॉन तिग्गा ने सम्मेलन को तकनीक, नवाचार और सतत विकास के समन्वय का प्रभावी मंच बताया। आईईएम-यूईएम के ग्रुप सीओओ दीप्तिमान दासगुप्ता ने ऊर्जा दक्ष डेटा सेंटर और ग्रीन कंप्यूटिंग की आवश्यकता पर जोर दिया, जबकि आईईएम के प्राचार्य अनुपम भट्टाचार्य ने जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं को समय की मांग बताया।

बगदा घाटी में दर्दनाक सड़क हादसा

100 फीट गहरी खाई में गिरी बाइक पति-पत्नी की मौत, दो बच्चे घायल

नवीन मेल संवाददाता

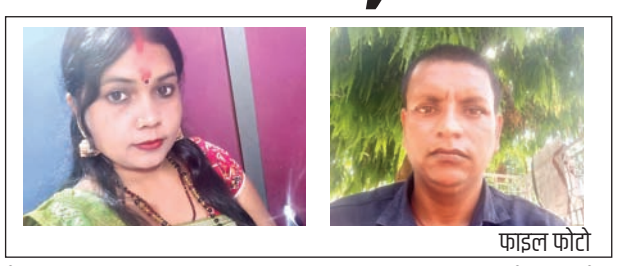

फाइल फोटो

ठाकुरगांव। थाना क्षेत्र के बगदा घाटी में शुक्रवार को सड़क हादसे में बाइक सवार दंपती की मौत हो गई, जबकि उनके दो बच्चे घायल हो गए। बुढ़मू थाना क्षेत्र के बाड़े गांव निवासी नारायण सिंह अपनी पत्नी प्रिया कुमारी और दो बच्चों के साथ पतरातू थाना क्षेत्र के साकुल गांव बीमार सास को देखने जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित होकर करीब 100 फीट गहरी खाई में गिर गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दंपती के शव खाई से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। जबकि घायल बच्चों 7 वर्षीया आराध्या कुमारी और 4 वर्षीय आयांश कुमार को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क का हाल ही में पुनर्निर्माण हुआ है, लेकिन घाटी की ओर सुरक्षा रेलिंग नहीं लगाई गई। उनका कहना है कि निर्माण के दौरान रेलिंग लगाने की मांग की गई थी, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों का मानना है कि यदि रेलिंग होती तो यह हादसा टल सकता था। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है हादसे में नारायण सिंह और उनकी पत्नी प्रिया कुमारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उनके दोनों बच्चे आराध्या कुमारी और आयांश कुमार को केवल हल्की चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के लिए दोनों को अस्पताल भेजा गया।

दृष्टिपात

खड़े ट्रक में बाइक की टक्कर, दो युवक गंभीर

रातू। थाना क्षेत्र के रातू-ठाकुरगांव सड़क पर शुक्रवार शाम करीब आठ बजे एक बाइक सवार ने खड़ी ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर रातू पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को एंबुलेंस से रिम्स भेजा। थाना प्रभारी आदिकांत महतो ने बताया कि ट्रक चालक वाहन खड़ा कर होटल में खाना खाने गया था, इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक ने खड़ी ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक के सिर में गंभीर चोट लगी है। बताया गया कि दोनों युवक हेलमेट नहीं पहने हुए थे। स्थानीय लोगों के अनुसार घायल युवक पालकोट के रहने वाले हैं।

माहौल बिगाड़ने वालों पर कार्रवाई : डीएसपी

पिस्कानगड़ी। नगड़ी प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में शुक्रवार को नगड़ी में फ्लैग मार्च निकाला गया। डीएसपी अजय आर्यन ने कहा कि माहौल बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च का नेतृत्व रांची पुलिस मुख्यालय-2 के पुलिस उपाधीक्षक अजय आर्यन ने किया। इसमें पुलिस इंस्पेक्टर आसित मोदी, नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक राय, दलादिली टीओपी प्रभारी सत्य प्रकाश उपाध्याय सहित पुलिस बल शामिल थे। मार्च थाना परिसर से शुरू होकर मुहर्रम के पारंपरिक मार्गों और संवेदनशील स्थानों से गुजरते हुए दलादिली टीओपी क्षेत्र तक गया। डीएसपी ने बताया कि प्रेमनगर में 28 जून और देवरी गांव में 30 जून को मुहर्रम जुलूस निकाला जाएगा। उन्होंने लोगों से पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। साथ ही कहा कि प्रशासन हर गतिविधि पर नजर रखेगा और अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेशों से बचने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की।

कर्रा में वज्रपात से महिला की मौत, गांव में पसरा मातम

कर्रा। कर्रा प्रखंड के मेहा पंचायत अंतर्गत मेहा गांव में शुक्रवार दोपहर वज्रपात की चपेट में आने से 28 वर्षीय महिला रानी महुकल की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रानी महुकल शुक्रवार को मछली पकड़ने गई थी। दोपहर करीब ढाई बजे मौसम खराब होने पर वह घर लौट रही थी। इसी दौरान मेहा बगीचा के समीप अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने महिला को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कर्रा पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, खेतों और पेड़ों के नीचे जाने से बचने तथा मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि सतर्कता बरतकर वज्रपात जैसी घटनाओं से होने वाली जनहानि को काफी हद तक रोका जा सकता है।

युवक ने फंदे से लटककर की आत्महत्या

मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के काटचाचो गांव में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। गांव निवासी 23 वर्षीय संदीप जॉर्ज कच्छप ने कथित रूप से फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, मंगलवार देर रात परिवार के सभी सदस्य भोजन करने के बाद अपने-अपने कमरों में सोने चले गए थे। रात करीब 12 बजे जब परिजन संदीप के कमरे में पहुंचे, तो उन्होंने उसे छत से बंधी रस्सी और गमछे के सहारे बने फंदे पर लटका हुआ पाया। घटना देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना मांडर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा सभी पहलुओं से घटना की पड़ताल की जा रही है।

किसान विरोधी नीतियों पर आंदोलन की रूपरेखा तय होगी : सुफल

राहे। अखिल भारतीय किसान सभा का राष्ट्रीय अधिवेशन 28 और 29 जून को मुंबई में आयोजित किया जाएगा। अधिवेशन में शामिल होने के लिए झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो और अध्यक्ष असिम सरकार मुंबई रवाना हुए। अधिवेशन में किसान विरोधी कानून, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, एमएसपी में कटौती, बीज और बिजली विधेयक, पेट्रोलियम-गैस की कीमतों में वृद्धि, जबरन भूमि अधिग्रहण और हाथियों के आतंक जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। साथ ही किसान आंदोलन के दौरान हुए समझौते के बावजूद एमएसपी की कानूनी गारंटी लागू नहीं होने और कृषि उपजों की कम कीमत पर खरीद के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी। देशभर के किसान नेता इसमें शामिल होंगे।

राज्य में महागठबंधन अटूट, 2029 तक करेंगे जनता की सेवा : सुप्रियो

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने शुक्रवार को बाबा बैद्यनाथ धाम में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्य के विभिन्न राजनीतिक और समसामयिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड में महागठबंधन पूरी तरह अटूट है और वर्ष 2029 तक जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार विकास और जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। राज्य में प्रस्तावित परिसीमन को लेकर उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया केंद्र सरकार के अधीन है, लेकिन राज्य सरकार इस पर पूरी निगरानी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि परिसीमन क्षेत्रीय आधार पर होना चाहिए, न कि जातीय आधार पर। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में उन्होंने कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल के अनुभवों से सबक लेते हुए झारखंड में पूरी सतर्कता बरती जा रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने कहा कि पार्टी पूरे अभियान पर पैनी नजर बनाए हुए है और किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसका मजबूती से सामना किया जाएगा। परिसीमन के मुद्दे पर उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक रणनीति के तहत आदिवासी, मूलवासी, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों को विभाजित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन झामुमो ऐसा नहीं होने देगा। इस अवसर पर देवघर जिला झामुमो के वरिष्ठ नेता सुरेश शाह सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

हिंडालको मुरी में फुटबॉल प्रतिभा चयन ट्रायल का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मुरी। हिंडालको इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के सीएसआर विभाग द्वारा शुक्रवार के दिन मुरी में फुटबॉल प्रतिभा चयन ट्रायल का सफल आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में लगभग 400 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कड़े मूल्यांकन के बाद 11 प्रतिभागियों का चयन किया गया है,जिन्हें दिल्ली स्थित सुदेवा फुटबॉल क्लब में अंतिम ट्रायल का अवसर मिलेगा।सुदेवा फुटबॉल क्लब देश के प्रतिष्ठित क्लबों में से एक है, जो युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अवसर प्रदान करता है।चयनित खिलाड़ियों को हिंडालको के एचआर हेड प्रमोद कुल्हर ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।ट्रायल का संचालन सुदेवा फुटबॉल क्लब के वरिष्ठ कोच के मार्गदर्शन में किया गया।इस अवसर पर हिंडालको के आईआर हेड कुमार अभिषेक, सीएसआर हेड अनिल सिंह तथा स्थानीय समुदाय के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।हिंडालको सीएसआर विभाग ने पुनः यह सिद्ध किया कि वह समाजिक दायित्वों के निर्वहन में सदैव अग्रणी रहता है।समय-समय पर स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह पहल स्थानीय युवाओं को देश स्तर पर खेलने का अवसर प्रदान करेगी और हिंडालको कि सामाजिक प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाएगी।

त्याग और बलिदान का प्रतीक है मोहर्रम : रामटहल चौधरी

अनगड़ा। सिकिदिरी के कुटे में शुक्रवार को मोहर्रम के अवसर पर मेला सह ताजिया मिलन समारोह व अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि मोहर्रम त्याग और बलिदान का प्रतीक है। मरकजी मोहर्रम कमेटी ओरमांझी पूर्वी क्षेत्र व कुटे आयोजन समिति की ओर से फुटबॉल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में 10 गांवों के मोहर्रम जुलूस अपने-अपने खलीफा के नेतृत्व में रंग-बिरंगी ताजिया और इस्लामी अलम के साथ पहुंचे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जिन्हें मुख्य अतिथि रामटहल चौधरी ने तलवार देकर सम्मानित किया।

सड़क हादसे में घायल सीसीएल कर्मचारी की मौत, क्षेत्र में शोक

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। चार माह पूर्व सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए सीसीएल एनके एरिया के पुरनाडीह परियोजना में कार्यरत ग्रेड-ए ईपी फिटर सीनियर मैकेनिक बाबूलाल महतो का गुरुवार सुबह निधन हो गया। वे खलारी के बमने पंचायत अंतर्गत डुंडू बस्ती निवासी थे। स्वजनों के अनुसार, 4 फरवरी को हुए सड़क हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट लगी थी। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां लंबे उपचार और आपरेशन के बाद 23 जून को घर लाया गया था। गुरूवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सीसीएल अस्पताल गांधीनगर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उनके निधन से सीसीएल कर्मियों एवं क्षेत्र में शोक की लहर है। वे अपने पीछे पत्नी लाखो देवी सहित चार पुत्र छोड़ गए हैं। डुंडू नदी तट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां बड़े पुत्र मनोज महतो ने मुखाग्नि दी। सहकर्मियों, अधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त कर स्वजनों के प्रति संवेदना प्रकट की।

सिल्ली में शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया मोहर्रम

नवीन मेल संवाददाता

सिल्ली। सिल्ली प्रखंड में शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय ने मोहर्रम का पर्व पूरे श्रद्धा, अनुशासन और आपसी सौहार्द के साथ मनाया। हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में विभिन्न मोहल्लों से ताजिया जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।
ताजिया जुलूस बड़ामुरी और छोटामुरी होते हुए जामा मस्जिद पहुंचा, जहां लोगों ने नम आंखों से इमाम हुसैन को श्रद्धांजलि अर्पित की। जुलूस के दौरान "या अली, या हुसैन" के नारों से वातावरण गूंज उठा। विभिन्न अखाड़ों के युवाओं ने पारंपरिक करतब प्रस्तुत किए, जिन्हें लोगों ने सराहा। मोहर्रम जुलूस के दौरान स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहे। पूरे मार्ग पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। वहीं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने भी शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाई।

मोहर्रम पर खलारी में निकला भव्य मातमी जुलूस

दिखाए लाठी-तलवार के हैरतअंगेज करतब

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। मोहर्रम के अवसर पर इंसाफ की जंग में शहीद हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की याद में शुक्रवार को खलारी में भव्य मातमी जुलूस निकाला गया। क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ों के लोग अपने-अपने निशानों के साथ बैंक चौक पहुंचे, जहां सेंट्रल मोहर्रम कमेटी की ओर से पारंपरिक शस्त्र एवं लाठी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन अंचल अधिकारी सह बीडीओ प्रणव अम्बष्ट, थाना प्रभारी राजकुमार वर्मा, जिला परिषद सदस्य सरस्वती देवी, मुखिया तेजी किस्पोट्टा तथा चिकित्सा पदाधिकारी डा इरशाद आदि अतिथियों ने फीता काटकर एवं लाठी भांजकर किया। इससे पहले अतिथियों का बैज लगाकर और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न अखाड़ों के खलीफाओं ने अपनी-अपनी टीमों के साथ तलवारबाजी और लाठी के पारंपरिक खेल का रोमांचक प्रदर्शन किया। खेल संचालक की शायरी, नारों, ताशा और लाउडस्पीकर की धुनों ने खिलाड़ियों में उत्साह का संचार किया। उपस्थित लोगों ने खिलाड़ियों की फुर्ती, अनुशासन और पारंपरिक युद्धकला की सराहना की। प्रतियोगिता का विशेष आकर्षण किशोरियों द्वारा खेल प्रदर्शन रहा। वहीं जेहलीटांड़ से आया एकमात्र ताजिया भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। ताजिया पर महिलाओं ने सिरनी फातिहा कराई और अमन-चैन की दुआ मांगी। प्रतियोगिता में हुटाप मोड़, छापरटोला, भूतनगर, मस्जिद मोहल्ला, जेहलीटांड़, जी टाइप और खलारी बाजारटांड़ आदि की टीमों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागी टीमों को सेंट्रल मोहर्रम कमेटी की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं बैंक चौक पर लगे मेले में पारंपरिक मिठाइयों और अन्य दुकानों पर दिनभर लोगों की भीड़ उमड़ी रही। कार्यक्रम का संचालन कमेटी के सचिव इम्तियाज अंसारी ने तथा खेल का संचालन परवेज आलम ने किया। इस अवसर पर डीएसपी खलारी रामनारायण चौधरी, मुखिया पारसनाथ उरांव, विधायक प्रतिनिधि मोनू रजक, राजनसिंह राजा, अब्दुल्ला अंसारी, अनिल पासवान, अशोक राम, राजेंद्र रजक, हाफिज अंसारी सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे।

ईएसआईसी अस्पताल में नशामुक्ति समाज निर्माण करने का लिया संकल्प

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर ईएसआईसी मॉडल हॉस्पिटल, रांची में शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आमजनों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किए जाने और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करने के उद्धेश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में झारखंड में नशे के खिलाफ व्यापक मुहिम चलाने का निर्णय लिया गया। नशामुक्त समाज के निर्माण और जनजागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर एफएमटी विभाग के डॉ अभिषेक कुमार ने कहा कि मादक द्रव्यों का सेवन व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और देश को भी प्रभावित करता है। इसके कारण स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक संबंधों पर प्रतिकूल असर पड़ता है। मौके पर साइकियाट्री विभाग की डॉ अभीप्सा ने कहा कि युवाओं में बढ़ता तनाव, जिज्ञासा और गलत संगति नशे की प्रवृत्ति को बढ़ावा देती है। उन्होंने लोगों से नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी में शामिल असामाजिक तत्वों की जानकारी पुलिस को देने की अपील की।

सुशील पाहन के अंतिम संस्कार में शामिल हुए अर्जुन मुंडा सहित कई नेता

नवीन मेल संवाददाता

खूंटी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के खूंटी जिला सचिव सुशील पाहन (70) का शुक्रवार को उनके पैतृक गांव डुफू (कर्रा प्रखंड) में सरना आदिवासी रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनका निधन गुरुवार रात को इलाज के दौरान हो गया था। अंतिम संस्कार में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक राम सूर्या मुंडा, विधायक सुदीप गुड़िया, झामुमो खूंटी जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने दिवंगत नेता को श्रद्धासुमन अर्पित कर अंतिम विदाई दी। सुशील पाहन के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र के लोगों ने इसे अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन संगठन और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सुशील पाहन का निधन अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने जीवनभर जनजातीय समाज के उत्थान, अधिकारों और सामाजिक एकता के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। मौके पर झामुमो केंद्रीय सदस्य मकसूद अंसारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष अमृत हेमरोम, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुशांति कोंगाड़ी, प्रदीप सिन्हा, प्रदीप केशरी, मोजीर अंसारी, रुबेन तोपनो, अमर मुंडा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

स्वाद की बात फूड फेस्टिवल 'दास्तान-ए-रामपुर' का आयोजन 6 जुलाई तक चलेगा

रेडिसन ब्लू रांची में आज से शुरू होगा नवाबी फूड फेस्टिवल

- पूरे फेस्टिवल के दौरान प्रतिदिन डिनर के साथ रविवार को विशेष ब्रंच का आयोजन किया जाएगा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी के खानपान प्रेमियों के लिए नवाबी स्वाद और संस्कृति का अनूठा संगम लेकर रेडिसन ब्लू होटल, रांची 27 जून से 6 जुलाई 2026 तक विशेष फूड फेस्टिवल 'दास्तान-ए-रामपुर' का आयोजन करने जा रहा है। होटल के वॉटरफ्रंट रेस्तरां में आयोजित होने वाला यह दस दिवसीय फेस्टिवल उत्तर प्रदेश के रामपुर की समृद्ध नवाबी पाक विरासत और सांस्कृतिक परंपराओं को समर्पित होगा। फेस्टिवल के दौरान मेहमानों को रामपुर के नवाबों की शाही रसोई से प्रेरित प्रामाणिक व्यंजनों का स्वाद चखने का अवसर मिलेगा। अनुभवी शेफ पारंपरिक मसालों और पुरानी रेसिपी के आधार पर तैयार किए गए विशेष व्यंजन परोसेंगे, जो नवाबी खानपान की समृद्ध परंपरा से परिचित कराएंगे। फूड फेस्टिवल में कच्चे गोश्त की टिक्की, कटहल की मुसल्लम, मुर्ग कुंदन कालिया, कोफ्ता शमसवेरा, बघारे बैंगन, दाल रामपुरी और पारंपरिक मिठाई ज़र्दा जैसे कई खास व्यंजन आकर्षण का केंद्र होंगे। शाकाहारी और मांसाहारी दोनों प्रकार के व्यंजनों का विशेष चयन मेहमानों के लिए उपलब्ध रहेगा। होटल प्रबंधन के अनुसार, यह आयोजन केवल भोजन तक सीमित नहीं होगा, बल्कि रामपुर की नवाबी संस्कृति, मेहमाननवाज़ी और पारंपरिक विरासत का भी अनुभव कराएगा। पूरे फेस्टिवल के दौरान प्रतिदिन डिनर के साथ रविवार को विशेष ब्रंच का आयोजन किया जाएगा। वहीं, मेहमानों के मनोरंजन के लिए लाइव पियानो प्रस्तुति भी होगी, जिससे शाही माहौल का अनुभव और भी यादगार बनेगा।
फेस्टिवल का आयोजन रैडिसन ब्लू होटल के वॉटरफ्रंट रेस्तरां में होगा। डिनर और रविवार विशेष ब्रंच का शुल्क 2,099 रुपये (कर अतिरिक्त) प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है। होटल प्रबंधन ने रांची और आसपास के लोगों से इस विशेष नवाबी फूड फेस्टिवल में शामिल होकर स्वाद, संस्कृति और आत्मीय मेहमाननवाज़ी के अनूठे अनुभव का हिस्सा बनने की अपील की है।

बरही में दिखा आस्था, शौर्य और सौहार्द का संगम

- देर शाम दशमी का जुलूस पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ निकाला गया

नवीन मेल संवाददाता

आजाद मोहल्ला की हुसैनी तलवार, दरगाह मोहल्ला की कर्बला मैदान की झांकी, आकर्षक ताजिया, भव्य गेट तथा तलवारबाजी का प्रदर्शन लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे

बरही। मुहर्रम के अवसर पर बरही शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में नवमी का जुलूस और झांकियां शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुईं । वही शुक्रवार को देर शाम दशमी का जुलूस भी पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ निकला। सड़कों पर धार्मिक आस्था, पारंपरिक शौर्य प्रदर्शन और सामाजिक सौहार्द का अद्भुत संगम देखने को मिला।

जुलूस के दौरान डीजे की ऊंची बेसों और उनकी गूंजती रिदम से पूरा बरही देर रात तक गुंजायमान रहा। मातमी धुनों और पारंपरिक नारों के बीच निकले जुलूसों में युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। आजाद मोहल्ला की हुसैनी तलवार, दरगाह मोहल्ला की कर्बला मैदान की झांकी, आकर्षक ताजिया, भव्य गेट तथा तलवारबाजी के प्रदर्शन लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। कई स्थानों पर युवाओं ने लंबे अभ्यास के बाद पारंपरिक करतब और शौर्य प्रदर्शन प्रस्तुत किए, जिन्हें देखने के लिए सड़कों के किनारे बड़ी संख्या में लोग जुटे रहे। बरही के कोनरा पंचायत के विभिन्न मुहल्लों, बरहीडीह मल्लाह टोली, बरही चौक, सहित रसोईया, धमना, लश्करी, गौरियाकरमा, गुड़ियो विजैया भंडारो, मलकोको और बरसोत समेत कई क्षेत्रों में भी मुहर्रम के जुलूस शांति और सौहार्द के साथ संपन्न हुए। आयोजन के दौरान सभी समुदायों के लोगों ने आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता का परिचय दिया।

प्रशासन का नियंत्रण कक्ष

मुहर्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। बरही चौक पर प्रशासनिक शिविर स्थापित कर दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम और सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। जुलूस मार्गों और संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी रखी गई तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए। एसडीओ, एसडीपीओ, बीडीओ, सीओ, इंस्पेक्टर सहित सभी प्रशासनिक पदाधिकारी मुस्तैद रहे । आयोजन को सफल और शांतिपूर्ण बनाने में समाजसेवियों, शांति समिति के सदस्यों, स्वयंसेवकों और स्थानीय नागरिकों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रशासन की सतर्कता और आमजनों के सहयोग से मुहर्रम के सभी कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण और व्यवस्थित माहौल में संपन्न हुए।

सिंदूर पंचायत भवन में नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। अंतर्राष्ट्रीय नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर शुक्रवार को पंचायत भवन, सिंदूर में नई दिशा-जिला नशा विमुक्ति केंद्र की ओर से जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामुदायिक सहभागिता बढ़ाना था। प्रबंधक-सह-प्रभारी ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के लिए गंभीर चुनौती है। काउंसलर रवि कुमार ने नशे की पहचान, दुष्प्रभाव और उपचार की जानकारी दी। प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर तनु प्रिया ने युवाओं और परिवारों से नशा मुक्ति अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। केंद्र की नर्स ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ। अंत में सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। सेमिनार में पंचायत प्रतिनिधि, ग्रामीण, युवा, महिलाएं और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जमीन विवाद में दंपती पर हमला

हजारीबाग। चौपारण थाना क्षेत्र के करमा पंचायत अंतर्गत अशनाचुवां गांव में हिस्से की जमीन को लेकर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया. पीड़िता शांति देवी, पति हुलास यादव ने चौपारण थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर 15 नामजद एवं तीन अज्ञात लोगों पर जानलेवा हमला, मारपीट, छेड़छाड़, घर में तोड़फोड़ और हत्या की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने मामले में तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है.थाना को दिए आवेदन में शांति देवी ने बताया कि वह ग्राम अशनाचुवां, पंचायत करमा की निवासी हैं और वर्तमान में करमा गांव में रहती हैं. उन्होंने बताया कि करमा मौजा के खाता संख्या-46, प्लॉट संख्या-91 में कुल 26 डिसमिल जमीन में उनका 8 डिसमिल हिस्सा है। आरोप है कि इसी हिस्से की जमीन को हड़पने की नीयत से उनके गोतिया अजय यादव, सिंटू यादव, गुड़िया देवी तथा तीन अज्ञात लोगों ने सुनियोजित साजिश के तहत घटना को अंजाम दिया।

सीडब्ल्यूए के 31वें स्थापना दिवस पर कोबरा बटालियन में विविध कार्यक्रम

बरही। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की परिवार कल्याण संस्था के 31वें स्थापना दिवस के अवसर पर बीते सोमवार को 203 कोबरा बटालियन परिसर में विभिन्न कल्याणकारी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके अगुवाई सीडब्ल्यूए के क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुपमा सिंह ने किया। श्रीमती सिंह ने सीडब्ल्यूए के गौरवशाली इतिहास और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था जवानों एवं उनके परिवारों के कल्याण, सशक्तिकरण तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने महिला सदस्यों को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया तथा सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया, जिसमें उनके स्वास्थ्य जांच किया गया। साथ हीं बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता व रंगारंग सांस्कृतिक का आयोजन किया गया । जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

बारलौंग में हुई सड़क दुर्घटना पर जिला प्रशासन गंभीर

दो सप्ताह के भीतर लॉन्ग टर्म मेजर्स के कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। गुरुवार को बारलौंग क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में 8 लोगों की हुई मृत्यु को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को उपायुक्त ऋतुराज एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एनएच 23 रामगढ़-बोकारो की तकनीकी टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुर्घटना के कारणों का बारीकी से आकलन किया गया तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई एवं इस संबंध में एनएचएआई को सख्त निर्देश दिए गए। इस दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा दुर्घटना संभावित स्थलों पर तत्काल प्रभाव से आवश्यक सुधारात्मक कार्य किए जाएं। निरीक्षण के दौरान एनएचएआई के तकनीकी टीम द्वारा घटनास्थल का विस्तृत अवलोकन किया गया एवं कई सुधारात्मक उपाय उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखें गए। इस संबंध में उपायुक्त द्वारा एनएचएआई को शॉर्ट टर्म मेजर्स के तहत किए जाने वाले सभी कार्यों को 24 घंटे के भीतर हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया गया।, आवश्यक चेतावनी एवं दिशा सूचक साइन बोर्ड लगाने तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से वाहन चालकों को समय रहते सड़क की स्थिति की जानकारी मिलेगी तथा दुर्घटनाओं की संभावना में कमी आएगी। वहीं लॉन्ग टर्म मेजर्स के अंतर्गत सड़क का आवश्यकतानुसार चौड़ीकरण, रिफ्लेक्टर की स्थापना, रोड गार्ड की ऊंचाई बढ़ाने सहित अन्य स्थायी सुरक्षा उपायों को दो सप्ताह के भीतर पूर्ण करने का निर्देश एनएचएआई को दिया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा के सभी पदाधिकारियों एवं पुलिस विभाग को भी दुर्घटना संभावित स्थलों पर नियमित गश्ती, यातायात नियमों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराने तथा आमजन को दुर्घटना संभावित क्षेत्र के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही उपायुक्त द्वारा जिला स्तरीय समिति बनाकर जिले के अन्य क्षेत्रों में स्थित सड़कों पर भी ब्लैक स्पॉट्स को चिन्हित करते हुए उनमे किए जाने वाले सुधारात्मक उपायों से संबंधित प्रतिवेदन तैयार कर 1 हफ्ते के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

रामगढ़ के 24 मेधावियों का भव्य अभिनंदन, अभिभावकों को भी मिला सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। शिक्षा केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। इसी सोच को साकार करते हुए खुशी क्लास एवं लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को राधा गोविंद इंटर कॉलेज के सभागार में 'मेधावी छात्र सम्मान समारोह–2026' का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में रामगढ़ जिले के जैक एवं सीबीएसई बोर्ड की 10वीं एवं 12वीं परीक्षा के टॉप-24 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विशेष बात यह रही कि विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों को भी सम्मानित कर उनके त्याग, संघर्ष और मार्गदर्शन को नमन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राधा गोविंद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी.एन. शाह, लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची की सह-निदेशक डॉ. हेमलता भारती, सीनेट सदस्य संजय प्रभाकर, लघु उद्योग भारती, झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष विजय मेवाड़, समाजसेवी गोविन्द मेवाड़, सांसद मीडिया प्रतिनिधि धनंजय पुटूस तथा कॉलेज की प्राचार्या शोमा पांडे द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। छात्राओं की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति ने समारोह को गरिमामय बना दिया। इस अवसर पर कुलाधिपति बी.एन. शाह ने कहा कि "प्रतिभा का सम्मान ही किसी समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में उत्कृष्टता की नई चेतना जगाते हैं और उन्हें बड़े लक्ष्य तय करने की प्रेरणा देते हैं।" लाइफ केयर हॉस्पिटल की सह-निदेशक डॉ. हेमलता भारती ने कहा कि "शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और नई पीढ़ी को आगे बढ़ने का विश्वास देता है।" सीनेट सदस्य संजय प्रभाकर ने विद्यार्थियों से निरंतर सीखते रहने का आह्वान करते हुए कहा कि "सफलता किसी संयोग का परिणाम नहीं होती।

स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिला तो 10 जुलाई से होगा चक्का जाम

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा । झारखंडी बेरोजगार संघर्ष मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को न्यू बैरक भुरकुंडा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संजीत राम और संचालन राजेंद्र करमाली ने किया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भुरकुंडा कोलियरी के संगम परियोजना में आउट सोर्सिंग का कार्य कर रही बीएलए माइनिंग कम्पनी में स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग को लेकर आगामी 10 जुलाई से अनिश्चितकालीन चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार से वंचित रखा जाएगा तो इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि स्थानीय बेरोजगारों को प्राथमिकता नहीं दी गई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

बैठक में मुख्य रूप से किशुन नायक, संजीत राम, सुरेश रजवार, मनोज करमाली, गुड्डू कुमार, विक्रम कुमार, प्रकाश दास, राजेंद्र करमाली, जितेंद्र प्रसाद वर्मा, अनूप गोप, सुरेश, सिकंदर करमाली, राज करमाली, कृष्णा राय, अघनु उरांव, सुरेश नायक, दिलीप राम, विकास नायक, अनिल रजवार, लाली करमाली, संतोष उरांव, विमल कुमार, कालू विश्वकर्मा, साहिल करमाली, सूरज नायक सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

आनंद साईं दरबार के स्थापना दिवस पर श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। राधा कृष्ण कॉलोनी स्थित आनंद साईं दरबार का 16वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार को भव्य भंडारे के साथ संपन्न हो गया। भंडारे मे जिला के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और साईं बाबा का आशीर्वाद लेने के उपरांत प्रसाद ग्रहण किया। आनंद साईं दरबार के 16वें स्थापना दिवस समारोह के तीसरे दिन भंडारे से पूर्व मंदिर परिसर में पूजन और आरती का आयोजन किया गया। जिसमें पुजारी राजेश कुमार पांडे की देखरेख में यजमान अनूप कुमार सिन्हा, रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू एवं अजीत जायसवाल ने विधि पूर्वक साई बाबा की पूजा अर्चना कर जिले के खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की। आनंद साईं दरबार के 16वें स्थापना दिवस के तीसरे दिन आयोजित भंडारे का थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे, अरूण कुमार सिन्हा, रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू एवं बलजी ने विधिवत रूप से नारियल फोड़कर और फीता काटकर उदघाटन किया।

मौके पर थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने कहा कि साईं बाबा भक्त वत्सल हैं जो श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं शीघ्र पूर्ण करते हैं। जबकि अरूण कुमार सिन्हा ने कहा कि यह साईं बाबा की कृपा है जिसके कारण यहां आनंद साईं दरबार के स्थापना दिवस समारोह में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं। रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू ने कहा कि साईं बाबा की कृपा सभी श्रद्धालुओं पर बनी रहे यही मेरी उनसे कामना है। भंडारे के उदघाटन के उपरांत जिला के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर पहुंचे और साईं बाबा का आशीर्वाद लिया।

रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग पर सड़क हादसे में आठ की मौत

- एक ही हादसे में बुझ गए दो घरों के चिराग, गांव में मातम

नवीन मेल संवाददाता

सीएम सोरेन ने जताया शोक

रांची। रामगढ़-बोकारो मार्ग पर लारी-बरलौंग के समीप देर रात हुए सड़क हादसे में सात लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस हादसे को अत्यंत दुखद बताते हुए दिवंगतों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में कहा कि लारी-बरलौंग के पास हुए सड़क हादसे में सात लोगों की मौत की सूचना बेहद पीड़ादायक है।

रामगढ़। रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग अंतर्गत लारी गांव के निकट गुरुवार की रात्रि 11.30 बजे हुए भीषण सड़क दुर्घटना में डाड़ी प्रखंड के हुआग पंचायत अंतर्गत कठरेवा टोला में मातम पसार दिया। ट्रक और सवारी वाहन की आमने-सामने की टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कठरेवा टोला के दो युवक मनीष कुमार (22) और हेमंत कुमार महतो (28) भी शामिल हैं। दोनों की मौत की खबर मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया। शुक्रवार सुबह से मृतकों के घरों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्वजनों के चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया और हर आंख नम दिखी।

मृतकों में मनीष कुमार पिता श्रीकांत महतो तथा हेमंत कुमार महतो पिता सोहन महतो पड़ोसी होने के साथ-साथ एक-दूसरे के मित्र थे। दोनों अपने-अपने परिवार का सहारा थे और उनकी कमाई से ही घर का खर्च चलता था। एक ही रात में दोनों परिवारों का सहारा छिन जाने से स्वजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गुरुवार रात करीब आठ बजे दोनों कठरेवा से सवारी वाहन लेकर रजरप्पा थाना क्षेत्र के मारंगमाचा गांव अपने छह साथियों को लेने निकले थे। सभी साथियों को लेकर वे वापस कठरेवा लौट रहे थे, जहां ताशा पार्टी का सामान वाहन में लोड कर गया के लिए रवाना होना तय था । उसी दौरान लारी के निकट विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सवारी वाहन को जोरदार टक्कर मार दी।

दुर्घटना इतना भीषण था कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और सभी सात लोग हेमंत महतो, मनीष कुमार, अनोद कुमार, शक्ति राम, अशोक राम, डेविड करमाली, पवन करमाली की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

दृष्टिपात

गुड़ियों गांव में मिला मानसिक रोगी युवक, पहचान कराने की अपील

बरही। प्रखंड के गुड़ियों गांव में गुरुवार देर रात एक अज्ञात युवक के पहुंचने से ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। युवक की उम्र लगभग 30 से 32 वर्ष बताई जा रही है। वह शर्ट और पैंट पहने हुए था तथा लोगों के पूछने पर कोई जवाब नहीं दे रहा था। पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि रोहित यादव ने बताया कि रात करीब 12 बजे घर के बाहर निकलने के दौरान उनकी नजर उक्त युवक पर पड़ी। कई बार आवाज देने और बातचीत करने का प्रयास किया गया, लेकिन युवक ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद आसपास के लोगों को बुलाकर उसकी पहचान जानने की कोशिश की गई, परंतु उससे कोई जानकारी नहीं मिल सकी। युवक काला टी शर्ट और हाफ पैंट पहने हुए है । ग्रामीणों के अनुसार युवक कुछ देर तक वहां रुका और बाद में गांव स्थित सरकारी विद्यालय की ओर चला गया। युवक की मानसिक स्थिति सामान्य नहीं प्रतीत हो रही थी, हालांकि उसकी वास्तविक पहचान और परिस्थितियों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। रोहित यादव ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति युवक को पहचानता हो या उसके परिजनों के बारे में जानकारी रखता हो तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन या जनप्रतिनिधियों को दें।

भुरकुंडा में मुहर्रम पर्व आपसी भाईचारगी और सौहार्द के साथ मनाया गया

भुरकुंडा। कोयलांचल भुरकुंडा में शुक्रवार को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। मुस्लिम समाज के लोगों ने पारंपरिक तरीके से ताजिया और मुहर्रम झंडा के साथ जुलूस निकालकर हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। जुलूस की शुरुआत बिरसा चौक से जनता टॉकीज, भुरकुंडा बाजार होते हुए थाना चौक के समीप स्थित मैदान पहुंचा। जहां विभिन्न अखाड़ों और ताजियों का मिलान कराया गया। मुहर्रम जुलूस के दौरान युवाओं ने पारंपरिक हथियारों और लाठी से हैरतअंगेज करतब दिखाए। जुलूस में शामिल लोग या अली, या हुसैन के नारों से माहौल को गूंजायमान कर रहे थे। पर्व को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भुरकुंडा थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार, अजित कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान तैनात थे।

सीसीएल के सीएसआर से निर्धन परिवारों के बीच सोलर लैंप का वितरण

भुरकुंडा। रीवर साइड बुधबाजार दोतल्ला पंचायत में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योजना के तहत अत्यंत निर्धन अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अल्पसंख्यक बीपीएल परिवारों के बीच सोलर लैंप का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पंचायत की मुखिया सत्यवंती देवी ने दस जरूरतमंद परिवारों को सोलर लैंप प्रदान किया। लाभुकों में श्यामा देवी, करमी देवी, इस्थेर लकड़ा, आरती देवी, जगमुनी देवी, संजू देवी, नीतू देवी, लंगरी देवी, मुद्री देवी तथा शकील अहमद शामिल हैं। इस अवसर पर मुखिया सत्यवंती देवी ने कहा कि सीसीएल द्वारा किया गया यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि बिजली कटौती के दौरान गरीब परिवारों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बारलौंग सड़क हादसे पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शोक

रामगढ़ । रामगढ़-बोकारो मार्ग स्थित एनएच-23 पर बारलौंग के निकट गुरुवार देररात हुए भीषण सड़क हादसे पर कांग्रेस के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना में जान गंवाने वाले आठ लोगों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि भगवान दिवंगतों के परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में कांग्रेस पार्टी मृतकों के परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने एनएचएआई और जिला प्रशासन से मांग की कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक और प्रभावी सुरक्षा उपाय तत्काल किए जाएं। केशव महतो कमलेश ने राज्य सरकार से दुर्घटना में मृत प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की।

सांसद सेवा कार्यालय में दिनभर जनता के बीच रहे सांसद मनीष जायसवाल

रामगढ़। जनसरोकारों को प्राथमिकता देते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल शुक्रवार को हजारीबाग शहर स्थित अपने सांसद सेवा कार्यालय में पूरे दिन जनता के बीच मौजूद रहे। सुबह से लेकर देर शाम तक उन्होंने लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे सैकड़ों लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान की दिशा में त्वरित पहल की। जनसुनवाई के दौरान सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेंशन, राजस्व सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं लोगों ने सांसद के समक्ष रखीं। कई मामलों का समाधान तत्काल कराया गया, जबकि अन्य मामलों में सांसद मनीष जायसवाल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से दूरभाष पर संपर्क कर आवश्यक निर्देश दिए तथा शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। सांसद सेवा कार्यालय में पूरे दिन लोगों का तांता लगा रहा। सांसद मनीष जायसवाल ने बिना किसी औपचारिकता के एक-एक फरियादी की बात गंभीरता से सुनी और हर समस्या के समाधान के लिए सकारात्मक पहल की। जनसुनवाई के दौरान आए लोगों ने भी अपनी बात सीधे सांसद तक पहुंचने और त्वरित पहल किए जाने पर संतोष व्यक्त किया। इस मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ मुझे अपना प्रतिनिधि चुना है, उस विश्वास पर खरा उतरना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लोकसभा क्षेत्र का कोई भी नागरिक अपनी समस्या को लेकर निराश न लौटे, यही मेरा प्रयास रहता है। जनसेवा केवल दायित्व नहीं, बल्कि मेरा संकल्प है। संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर हर समस्या के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ,

देवनदी में मिले महिला के शव से हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

तकनीकी जांच से महिला हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में मिली सफलता

नवीन मेल संवाददाता

- आरोपी गिरफ्तार, निशानदेही पर कार और मोबाइल भी बरामद हुए

सिमडेगा। कोलेबिरा थाना क्षेत्र के देवनदी से मिले महिला के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। महिला की हत्या कर शव को नदी में फेंका गया था। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।मामले में प्रेस वार्ता करते हुए सर्किल इंस्पेक्टर ने बताया कि कोलेबिरा थाना क्षेत्र अंतर्गत देवनदी पुल के पास एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ था। शव की स्थिति से प्रतीत हो रहा था कि अज्ञात अपराधियों ने महिला की बेरहमी से हत्या कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को नदी किनारे फेंक दिया था। पुलिस ने शव को विधिवत बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा तथा अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध कोलेबिरा थाना कांड संख्या 34/2026 के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिमडेगा के निर्देशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धर्मदेव पासवान के नेतृत्व में विशेष जांच टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने लगातार तकनीकी एवं मानवीय सूचना संकलन के आधार पर अज्ञात महिला की पहचान ललित देवी के रूप में की। अनुसंधान के क्रम में यह स्पष्ट हुआ कि महिला की हत्या कर शव को नदी में फेंका गया था।पुलिस ने मामले में संलिप्त आरोपी मोनु कुमार उर्फ मोनु साहु को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कार तथा मृतका का मोबाइल फोन नदी से बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजते हुए मामले की आगे की जांच जारी रहने की बात कही।

एनडीपीएस मामले का फरार अभियुक्त ओडिशा से गिरफ्तार

सिमडेगा। ठेठईटांगर थाना क्षेत्र में दर्ज एनडीपीएस (गांजा तस्करी) मामले में फरार चल रही अभियुक्त ज्योशना डोरा उर्फ सिमरन चौधरी को सिमडेगा पुलिस ने ओडिशा से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मामले की जानकारी सर्किल इंस्पेक्टर ईजी बागे ने प्रेस वार्ता में दी।उन्होंने बताया कि ठेठईटांगर थाना क्षेत्र में 3 जून को गांजा तस्करी से संबंधित मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस लगातार फरार आरोपियों की तलाश कर रही थी। तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने फरार अभियुक्त ज्योशना डोरा उर्फ सिमरन चौधरी को ओडिशा से गिरफ्तार किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे सिमडेगा लाकर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।सर्किल इंस्पेक्टर ने बताया कि इसी मामले में पूर्व में दीपक लकड़ा एवं विनय कुल्लू को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं मामले का एक अन्य आरोपी राजू राय अभी भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि एनडीपीएस मामलों में संलिप्त किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी फरार अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस ने खेल सामग्री देकर युवाओं को किया प्रेरित

बानो। गिर्दा ओपी क्षेत्र के बच्चों को खेलकूद के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ओपी प्रभारी अभय कुमार सिंह ने वॉलीबॉल प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन, टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता का भी विकास करता है। उन्होंने बच्चों से नशाखोरी, अपराध और सामाजिक कुरीतियों से दूर रहकर शिक्षा एवं खेल दोनों में आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयासरत है। बच्चों ने ओपी प्रभारी का आभार व्यक्त करते हुए खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया।

मालवाहक ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलटा, चालक घायल

कोलेबिरा। रांची-राउरकेला मुख्य सड़क पर फिकपानी के समीप शुक्रवार को एक मालवाहक ट्रेलर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर रांची से राउरकेला की ओर जा रहा था। फिकपानी के पास तीखे मोड़ पर चालक वाहन से संतुलन खो बैठा, जिससे ट्रेलर सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना जोरदार था कि वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चालक को मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए।

दृष्टिपात

आंधी-तूफान में सुकरा खलखो के घर पर गिरा विशाल नीम का पेड़

बोलबा। प्रखंड के अवगा बाजार टोली में शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे आए तेज आंधी-तूफान और बारिश के दौरान एक विशाल नीम का पेड़ सुकरा खलखो के खपड़ैल मकान पर गिर गया। घटना के समय क्षेत्र में तेज हवा के साथ बारिश और वज्रपात भी हो रहा था। पेड़ गिरने से मकान का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे गरीब किसान सुकरा खलखो को भारी नुकसान उठाना पड़ा। वहीं पेड़ की चपेट में आने से बिजली का एक खंभा और विद्युत तार भी टूटकर गिर गए, जिससे आसपास की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना के समय घर में मौजूद सभी लोग सुरक्षित रहे और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पीड़ित सुकरा खलखो ने बताया कि उनका घर रहने लायक नहीं बचा है। उन्होंने प्रशासन से क्षति का आकलन कर आर्थिक सहायता और आवासीय मदद उपलब्ध कराने की मांग की है।

केरसई बाजारटांड़ में 100 केवीए ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन, ग्रामीणों में खुशी

केरसई। प्रखंड के बाजारटांड़ में प्रधानमंत्री ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के तहत लगाए गए 100 केवीए ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया गया। उद्घाटन पंडित अजय कुमार झा ने नारियल फोड़कर एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया।इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास कुमार, भाजपा जिला महामंत्री रवि गुप्ता एवं गौतम कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि केंद्र सरकार गांव-गांव तक निर्बाध बिजली पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में इस ट्रांसफार्मर से साहू चौक में विद्युत सप्लाई होगीउन्होंने कहा कि नए ट्रांसफॉर्मर के चालू होने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिलेगी और लो-वोल्टेज जैसी समस्याओं से भी काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। ट्रांसफॉर्मर के उद्घाटन से स्थानीय ग्रामीणों में खुशी का माहौल है मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास कुमार रवि गुप्ता गौतम कुमार मुकेश प्रसाद शिवराम प्रसाद मुकेश प्रसाद सुशांत कुमार मौजूद थे।

सिम्हातु गांव में लगा नया ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों में खुशी की लहर

बानो। प्रखंड के सिम्हातु गांव में नया विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। भीषण गर्मी के दौरान ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से गांव की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई थी, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।ग्रामीणों ने इसकी सूचना जेएमएम उपाध्यक्ष सह प्रखंड विद्युत प्रतिनिधि मो. तनवीर हुसैन को दी। इसके बाद उन्होंने मामले से विधायक सुदीप गुड़िया को अवगत कराया। विधायक की पहल पर मात्र 15 दिनों के भीतर नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया, जिससे गांव में पुनः बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी।शुक्रवार को जेएमएम सोय पंचायत अध्यक्ष संदीप समद, उपाध्यक्ष सह सिम्हातु मुखिया लॉरेंस बागे, प्रखंड विद्युत प्रतिनिधि मो. तनवीर हुसैन एवं आलिप समद ने फीता काटकर नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया।ग्रामीण संजय बड़ाईक, रितेश बड़ाईक और राजू गोंझु ने विधायक सुदीप गुड़िया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में बिजली नहीं रहने से लोग रात में घर के बाहर सोने को मजबूर थे। ऐसे समय में सांप-बिच्छू निकलने का भी खतरा बना रहता था। उन्होंने समय पर नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने के लिए जनप्रतिनिधियों का धन्यवाद दिया।

एनएच-320जी पर मिट्टी-बालू से बढ़ी परेशानी, हादसे का खतरा

बानो। प्रखंड मुख्यालय से गुजरने वाले एनएच-320जी पर सड़क के दोनों किनारों पर जमा मिट्टी और बालू के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर दोपहिया वाहन चालक फिसलकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। दिनभर छोटे-बड़े वाहनों और हाइवा के आवागमन के दौरान सामने से आने वाले वाहनों को जगह देने में हादसे की आशंका बनी रहती है। वहीं, उड़ती धूल से दुकानदारों और राहगीरों को भी काफी दिक्कत हो रही है। स्थानीय दुकानदारों ने प्रखंड प्रशासन से सड़क किनारे जमा मिट्टी और बालू को शीघ्र हटाने की मांग की है, ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लग सके और लोगों को राहत मिल सके।

केरसई से रवाना हुआ बिरसा कृषि रथ, किसानों को योजनाओं की दी गई जानकारी

केरसई। प्रखंड के पंचायत भवन, केरसई से शुक्रवार को मुखिया की उपस्थिति में बिरसा कृषि रथ-2026 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान कृषि रथ ने केरसई, किनकेल एवं बासेन पंचायत के विभिन्न गांवों और बाजारों का भ्रमण कर किसानों को राज्य सरकार की कृषि एवं लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों तक सरकार की योजनाओं की सही एवं समय पर जानकारी पहुंचाना था, ताकि वे विभिन्न योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें। भ्रमण के दौरान किसानों के बीच योजनाओं से संबंधित पंपलेट वितरित किए गए तथा उन्हें प्रखंड कृषि कार्यालय से संपर्क कर योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया गया।इस अवसर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी, एटीएम, कृषक मित्र तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। अधिकारियों ने किसानों से सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर अपनी आय बढ़ाने का आह्वान किया।

आपदा प्रभावित वृद्ध को मिली राहत, खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई

बोलबा। समसेरा पंचायत के पांडे टोली निवासी आपदा प्रभावित वृद्ध कुँवरदार प्रधान को अंचल अधिकारी सुधांशु पाठक और समसेरा मुखिया सह भाजपा नेता सुरजन बड़ाईक की पहल पर खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। 21 जून को आए तेज आंधी-तूफान और बारिश में उनका एल्बेस्टर का छप्पर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। राहत के तहत उन्हें तत्काल खाद्य सामग्री दी गई। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि उनका मकान शीघ्र रहने योग्य बनाया जाएगा तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नया आवास उपलब्ध कराने की भी पहल की जाएगी। वहीं अन्य आपदा प्रभावित परिवारों को भी क्षतिपूर्ति दिलाने की प्रक्रिया जारी है।

विकास के लिए नप उपाध्यक्ष ने ईओ को सौंपा 10 सूत्री प्रस्ताव

नवीन मेल संवाददाता

- शहर के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार की मांग की गई

सिमडेगा। नगर परिषद के उपाध्यक्ष दीपक रिंकू ने शहर के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार को लेकर कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) अरविंद तिर्की को 10 सूत्री मांगपत्र सौंपा। उन्होंने जनहित से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने की मांग करते हुए कहा कि इन प्रस्तावों के क्रियान्वयन से सिमडेगा को आधुनिक और सुव्यवस्थित शहर के रूप में विकसित किया जा सकेगा।मांगपत्र में चिल्ड्रेन पार्क को वीर शहीद कुंवर सिंह के नाम पर अत्याधुनिक मॉल के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव दिया गया है। इसमें बेसमेंट में पार्किंग, व्यावसायिक परिसर, गेम जोन, फूड कोर्ट और मल्टीप्लेक्स बनाने का सुझाव दिया गया है। साथ ही अटल पार्क के सौंदर्यीकरण, मिनी वाटर पार्क, शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ओपन जिम, सभी 20 वार्डों में बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था, नगर भवन का जीर्णोद्धार, भगवान बिरसा मुंडा की बड़ी प्रतिमा की स्थापना तथा टैक्सी स्टैंड परिसर में आधुनिक वेंडिंग मार्केट बनाने की मांग की गई है।इसके अलावा अत्याधुनिक विवाह भवन, बस स्टैंड का आधुनिकीकरण, स्टडी सेंटर, मेडिटेशन सेंटर, करियर काउंसलिंग सेंटर, ई-लाइब्रेरी, आधुनिक जिम और भूमिहीनों के लिए फ्लैट निर्माण का भी प्रस्ताव दिया गया है। दीपक रिंकू ने कहा कि इन योजनाओं के लागू होने से शहर के विकास को नई गति मिलेगी और नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने ईओ से जनहित में इन प्रस्तावों पर शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया।

14वें स्थापना दिवस पर झूम उठा मॉडल समिति विद्यालय, मेधावी छात्र हुए सम्मानित

बानो। मॉडल समिति 10+2 विद्यालय, जमताई-पट्टातिरिल का 14वां स्थापना दिवस शुक्रवार को हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वर्गीय डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अतिथियों का स्वागत किया तथा झारखंडी नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामाजिक संदेश आधारित नाटकों की आकर्षक प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।इस अवसर पर वर्ष 2026 की मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इंटरमीडिएट में कीर्तिका कुमारी ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया, जबकि मैट्रिक में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि गिरदा ओपी के सह प्रभारी ने विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन और मेहनत का महत्व बताया। वहीं मुखिया नामजन जोजो ने शिक्षा को जीवन की सफलता का आधार बताया। प्राचार्य बलेश्वर नाग ने विद्यालय की 14 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यालय के लिए भूमि दान करने वाले स्वर्गीय रंगबहादुर साहू को श्रद्धांजलि भी दी गई।

आदिवासी-मूलवासी हितों की रक्षा के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान

नवीन मेल संवाददाता

बानो। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चाकी बानो प्रखंड कमेटी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन विस्तार, टाइगर जयराम महतो की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने पर चर्चा की गई।बैठक में खूंटी जिला अध्यक्ष कुमार ब्रज किशोर ने कहा कि जयराम महतो विधानसभा में स्थानीय, आदिवासी-मूलवासी, छात्र और आम जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाते हैं। उन्होंने अन्य विधायकों से भी जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।प्रखंड अध्यक्ष रविन्द्र सिंह ने कहा कि जेएलकेएम बानो क्षेत्र के आदिवासी-मूलवासी समाज के हितों की रक्षा के लिए हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार आदिवासी समाज के हितों की अनदेखी कर रही है और लोगों से अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष करने का आह्वान किया।बैठक में जिला महासचिव बजरंग कुमार, अजय कोनगाड़ी, विजय नायक, सुरेश तोपनो, अर्पित सांगा, विकास मचैया, देवनती कुमारी, विनोद नाग, पुनित प्रीतम सिंह, गोपाल सिंह, सीताराम भुईयां, दीपक लोहरा सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुहर्रम को लेकर एसपी ने किया नगर भ्रमण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। आगामी मुहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन को लेकर पुलिस अधीक्षक सिमडेगा ने नगर क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संवेदनशील स्थलों, प्रमुख चौक-चौराहों तथा मुहर्रम जुलूस के संभावित मार्गों का निरीक्षण किया।भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने मुहर्रम कमेटी के सदस्यों एवं स्थानीय गणमान्य लोगों के साथ बैठक कर पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कमेटी के सदस्यों से प्रशासन का सहयोग करने, निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने तथा आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की।एसपी ने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि मुहर्रम के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने, यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने को कहा।सिमडेगा पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि मुहर्रम पर्व को शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ मनाएं। किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें, सोशल मीडिया पर भ्रामक या अपुष्ट सूचना साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत निकटतम थाना या पुलिस नियंत्रण कक्ष को दें।

कोलेबिरा में भव्य मोहर्रम जुलूस,युवाओं ने दिखाए पारंपरिक शस्त्र-कला के करतब

कोलेबिरा। मोहर्रम के अवसर पर कोलेबिरा में शुक्रवार को भव्य जुलूस निकाला गया, जिसमें मुस्लिम समुदाय के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।यह जुलूस हज़रत इमाम हुसैन की शहादत की याद में हर वर्ष की तरह आयोजित किया गया।जुलूस की शुरुआत गौसिया मस्जिद परिसर से हुई।इसके बाद यह कोलेबिरा मुख्य चौक, रनबहादुर सिंह चौक, मार्केट कॉम्प्लेक्स और थाना मोड़ तक पहुंचा। वहां से पुनः जुलूस गौसिया मस्जिद परिसर लौटकर शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।जुलूस के दौरान मुस्लिम समुदाय के युवाओं ने पारंपरिक शस्त्र-कला एवं हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर लोगों की भीड़ उमड़ी रही।इस अवसर पर सदर मुमताज आलम, समीर मियां, बालिक हसन, शहजाद हसन, कासिफ हसन, हैदर अली, मोहम्मद जुगनू, इम्तियाज आलम, सलीम मियां, मेराज अहमद, गुलाम सरवर सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, अनुशासन और सौहार्द का माहौल बना रहा।मोहर्रम जुलूस के दौरान कोलेबिरा थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहा।पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे जुलूस के दौरान सतर्कता बरती।

आयोजन

मुहर्रम के मद्देनजर सिमडेगा पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

शांति और सुरक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ी निगरानी

- अफवाहों और भ्रामक पोस्ट साझा नहीं करने की अपील की गई

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिले में 28 जून को निकलने वाले मुहर्रम जुलूस को लेकर पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पर्व के दौरान शांति, सौहार्द और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को एसडीओ सुमंत तिर्की और एसडीपीओ धर्मदेव पासवान के नेतृत्व में शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिला नियंत्रण कक्ष से शुरू हुआ फ्लैग मार्च शहर के प्रमुख मार्गों और विभिन्न मोहल्लों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस बल ने संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि मुहर्रम जुलूस के दौरान प्रमुख चौक-चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।एसडीपीओ धर्मदेव पासवान ने कहा कि पर्व के दौरान पुलिस की आईटी सेल भी पूरी तरह सक्रिय रहेगी और सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी प्रकार की भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा नहीं करने की अपील की। यदि कहीं कोई संदिग्ध गतिविधि या कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्या दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित थाना या पुलिस को दें।फ्लैग मार्च का उद्देश्य आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम करना तथा शांतिपूर्ण माहौल में मुहर्रम पर्व संपन्न कराना है। मार्च शहर के विभिन्न इलाकों का भ्रमण करते हुए थाना परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ।

मोहर्रम पर मंत्री इरफान अंसारी ने अखाड़े में भांजी लाठी

नवीन मेल संवाददाता

जामताड़ा। मंत्री इरफान अंसारी ने मोहर्रम पर जामताड़ा जिले के विभिन्न क्षेत्रों का शुक्रवार को दौरा कर आयोजित अखाड़ा प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

इस दौरान मंत्री ने अखाड़े में मौजूद युवाओं के साथ लाठी भांजते हुए अपने हूनर का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही युवाओं के जोश, अनुशासन और पारंपरिक युद्धकला के प्रदर्शन की सराहना की। मंत्री ने कहा कि अखाड़ों में युवाओं की ओर से प्रदर्शित साहस और अनुशासन गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि जिस लगन और प्रतिबद्धता के साथ युवा लाठी-डंडा और पारंपरिक युद्धकला का प्रदर्शन करते हैं, उसी समर्पण के साथ उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए।

अंसारी ने कहा कि शारीरिक रूप से सशक्त होने के साथ-साथ मानसिक रूप से मजबूत और शिक्षित होना भी आवश्यक है। शिक्षा, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही युवाओं को समाज, राज्य और देश के विकास में सार्थक योगदान देने योग्य बनाती है।

पति ने की पत्नी की हत्या

नवीन मेल संवाददाता

गोड्डा। गोड्डा जिले के राजाभीठा थाना क्षेत्र के अमरपुर गांव में घरेलू विवाद के बाद एक पति के अपनी पत्नी की कथित रूप से गला दबाकर हत्या करने का मामला सामने आया है। घटना गुरुवार देर रात की बताई जा रही है।

मृतका की पहचान होपनमय चौड़े के रूप में की गई है, जबकि आरोपित पति मनु हांसदा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मनु हांसदा नशे का आदी बताया जा रहा है और अक्सर पत्नी के साथ मारपीट करता था। बताया जाता है कि घटना की रात आरोपित नशे की हालत में घर पहुंचा और पत्नी के साथ विवाद करने लगा। इसी दौरान उसने कथित रूप से धोती से गला दबाकर पत्नी की हत्या कर दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी।

सूचना मिलने पर गोड्डा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आकाश भारद्वाज और राजाभीठा थाना प्रभारी योगेश यादव दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना में प्रयुक्त धोती को भी बरामद कर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, मृतका अपने पीछे दो बच्चों को छोड़ गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। वहीं, आरोपित पति ने हत्या के आरोप से इनकार करते हुए दावा किया है कि उसकी पत्नी ने प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी की होगी। थाना प्रभारी योगेश यादव ने बताया कि मामले की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

टीम अर्पण का संकल्प

गर्मी में शहरवासियों को रक्त की कमी नहीं होने देंगे : अमरप्रीत काले

- 'अर्पण' का रक्तदान अभियान मानव सेवा की अनुकरणीय मिसाल : संजय चौधरी

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। गर्मी के मौसम में रक्तदाताओं की संख्या में कमी आने से ब्लड बैंकों में अक्सर रक्त का संकट उत्पन्न हो जाता है। इसी चुनौती से निपटने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अर्पण परिवार द्वारा 28 जून (रविवार) को प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक धतकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लड बैंक में 11वें महा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

शिविर की तैयारियों को लेकर धतकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लड बैंक में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में रक्तदाताओं के पंजीकरण, स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियों, प्रचार-प्रसार, व्यवस्थाओं तथा अधिकाधिक रक्तदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने इस सेवा अभियान को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक में अर्पण परिवार के संरक्षक अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। एक यूनिट रक्त कई लोगों को नया जीवन देने का माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि अर्पण परिवार का संकल्प है कि गर्मी के मौसम में शहरवासियों को रक्त की कमी का सामना नहीं करना पड़े। इसके लिए सभी सदस्य अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करेंगे।

उन्होंने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि 28 जून (रविवार) को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक जमशेदपुर ब्लड बैंक पहुंचकर स्वैच्छिक रक्तदान करें और मानवता की इस पुनीत सेवा में सहभागी बनें। आपका एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद के जीवन की सबसे बड़ी उम्मीद बन सकता है।

इस अवसर पर जमशेदपुर ब्लड बैंक के हेड संजय चौधरी ने कहा कि गर्मी के दिनों में रक्त की मांग लगातार बनी रहती है, जबकि रक्तदाताओं की संख्या अपेक्षाकृत कम हो जाती है। ऐसे समय में अर्पण परिवार जैसे संगठनों द्वारा आयोजित महा रक्तदान शिविर समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अर्पण परिवार के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि "अर्पण का रक्तदान अभियान मानव सेवा की अनुकरणीय मिसाल है।"

परसुडीह बाजार में छह दुकानों में चोरी

सुरक्षा पर दुकानदरों ने उठाया सवाल

नवीन मेल संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। परसुडीह बाजार में गुरुवार देर रात अज्ञात चोरों ने छह दुकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर अलग-अलग दुकानों के ताले तोड़कर नकदी, सब्जियां, लहसुन, टमाटर और आठ बत्तख तक चुरा ले गए। शुक्रवार सुबह जब दुकानदार अपनी-अपनी दुकानों पर पहुंचे तो टूटे ताले और बिखरा सामान देखकर घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पूरे बाजार में हड़कंप मच गया।

आलू-प्याज व्यवसायी अजय यादव ने बताया कि उनकी दुकान से नकदी रखने वाला गल्ला चोरी कर लिया गया। बाद में गल्ला बाजार से कुछ दूरी पर टूटी अवस्था में मिला, लेकिन उसमें रखे करीब दो हजार रुपये नकद और आवश्यक दस्तावेज गायब थे।

इसी बाजार में दुकानदार दुखी पोद्दार की दुकान से एक कैरेट टमाटर चोरी कर लिया गया। वहीं मधु पोद्दार की दुकान से लहसुन और खुदरा नकदी पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। इसके अलावा नीति मुर्गी दुकान से आठ बत्तख चोरी हो गईं। सुनील की पान दुकान का कैश काउंटर भी तोड़ा गया, लेकिन उसमें नकदी नहीं होने के कारण चोर खाली हाथ लौटे।

घटना के बाद दुकानदारों ने बाजार की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बाजार समिति नियमित रूप से शुल्क वसूलती है, लेकिन रात के समय सुरक्षा के लिए कोई चौकीदार तैनात नहीं किया जाता। उनका आरोप है कि सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण चोर लगातार बाजार को निशाना बना रहे हैं।

मामले की सूचना मिलने पर परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि चोरी की वारदात में शामिल आरोपितों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

शादी समारोह से लौट रहे ऑटो व बाइक की आमने-सामने टक्कर

गिरिडीह। गम्हारियाटांड इंडियन पेट्रोल पम्प के पास एक सड़क दुर्घटना हुई. शादी समारोह से लौट रहे यात्रियों से भरा एक ऑटो व बाइक की आमने-सामने टक्कर में आठ लोग घायल हो गए. जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार, खटपोंक के कुछ ग्रामीण बेलकुशी महादेव मंदिर में आयोजित शादी समारोह में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे. इसी दौरान खिजुरी की ओर जा रही एक बाइक ने सामने से आ रही ऑटो को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो पलट गया और ऑटो में सवार आठ लोग व बाइक सवार घायल हो गए।

युवती ने फंदे से लटककर की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भुइयांडीह कल्याण नगर स्थित एग्रीको कॉलोनी में शुक्रवार दोपहर एक 20 वर्षीय युवती ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। सूचना मिलते ही सीतारामडेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतका की पहचान भुइयांडीह कल्याण नगर निवासी संगीता कुमारी (20) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, घटना से पहले संगीता अपने प्रेमी से फोन पर बात करने की कोशिश कर रही थी। बताया जा रहा है कि उसने कई बार कॉल किया, लेकिन दूसरी ओर से बात नहीं की गई। इससे वह काफी परेशान और आहत हो गई। इसी बीच उसने अपने कमरे में फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली।

परिजनों को घटना की जानकारी मिलने के बाद संगीता को तत्काल एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सीतारामडेरा थाना प्रभारी आनंद मिश्रा ने बताया कि पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आत्महत्या के पीछे वास्तविक कारण क्या था। फिलहाल मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

प.सिंहभूम में 28 को राष्ट्रीय पोलियो अभियान में 2.41 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी खुराक

नवीन मेल संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। जिले में 28 जून को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पोलियो टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। अभियान की तैयारियों की समीक्षा को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ सभी प्रखंडों के प्रशासनिक एवं चिकित्सा पदाधिकारी शामिल हुए और अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखना केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रशासन, विभिन्न विभागों और आम नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जानकारी दी गई कि इस बार जिले के 0 से 05 वर्ष आयु वर्ग के 2,41,301 बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए पूरे जिले में 2,329 पोलियो बूथ बनाए गए हैं, जबकि अभियान की निगरानी के लिए 423 सुपरवाइजरों की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी और टीकाकरण दल तैनात रहेंगे। निर्देश दिया कि अभियान के पहले दिन अधिकतम बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर लक्ष्य हासिल करने का प्रयास किया जाए। उन्होंने आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहिया, एएनएम और अन्य फील्ड कर्मियों को घर-घर जाकर अभिभावकों को जागरूक करने और माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए।

दुबिल माइंस में ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन आंदोलन

नवीन मेल संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर स्थित स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (सेल) की चिड़िया-दुबिल माइंस में शुक्रवार को ग्राम सभा दुबिल के नेतृत्व में "हातु-आबुआ राज, ग्राम स्वराज अभियान" के तहत ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया। सुबह करीब आठ बजे से सैकड़ों ग्रामीणों ने खदान में उत्पादन कार्य और लौह अयस्क की ढुलाई पूरी तरह रोक दी। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया है कि मांगें पूरी होने तक उनका प्रदर्शन अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। ग्रामीणों का आरोप है कि दुबिल माइंस के विस्तार के दौरान सरना स्थल, कब्रिस्तान तथा रैयती जमीन पर अवैध रूप से पिलर गाड़ दिए गए हैं, जिससे उनकी धार्मिक आस्था और भूमि अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। उनका कहना है कि खदान से निकलने वाले लाल पानी और धूल के कारण खेती प्रभावित हो रही है, जलस्रोत प्रदूषित हो गए हैं तथा क्षेत्र में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार देने के बजाय बाहरी लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि प्रभावित गांवों में मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। ग्रामीणों ने मांग की है कि स्थानीय 200 युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाए, अधिग्रहित जमीन का उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए, सरना स्थल और कब्रिस्तान से लगाए गए पिलरों को तत्काल हटाया जाए तथा गांव में चापाकल और जलमीनार की व्यवस्था की जाए।

डेयरी कर्मचारी की मौत, पत्नी ने कंपनी प्रबंधन पर लगाया आरोप

जमशेदपुर। जमशेदपुर डेयरी में करीब 30 वर्षों से कार्यरत 59 वर्षीय कर्मचारी रविन्द्र नाथ ठाकुर की रांची स्थित रिम्स में इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. इस मामले में उनकी पत्नी तारा देवी ने आदित्यपुर थाना में लिखित शिकायत देकर कंपनी प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. उन्होंने कुछ सहकर्मियों पर भी संदेह जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। तारा देवी के अनुसार, 17 जून की सुबह रविन्द्र नाथ ठाकुर रोज की तरह ड्यूटी पर गए थे. दोपहर में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई,। इसके बाद परिजनों ने उन्हें पहले ईएसआई अस्पताल, आदित्यपुर और फिर टाटा मेन हॉस्पिटल, जमशेदपुर में भर्ती कराया। परिजनों का कहना है कि 19 जून को टीएमएच के डॉक्टरों ने बताया कि रविन्द्र नाथ ठाकुर के शरीर में जहर का असर पाया गया है।

प्रशासनिक दबाव

स्वास्थ्य मंत्री को 08 जून को लिखे गए पत्र की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है

अवैध भुगतानों को स्वीकृति नहीं देने पर रिम्स निदेशक को धमकाया गया : सरयू

पूर्वी सिंहभूम। विधायक सरयू राय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रिम्स के पूर्व निदेशक डॉ राजकुमार की ओर से स्वास्थ्य मंत्री को 08 जून को लिखे गए पत्र की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पत्र में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और रिम्स के प्रशासन से जुड़े कई गंभीर मुद्दे उठाए गए हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

शुक्रवार को जारी बयान में सरयू राय ने कहा कि डॉ राजकुमार से सीआईडी की ओर से लगातार आठ घंटे तक पूछताछ की गई, जिससे वे मानसिक रूप से आहत हुए और अंततः उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि इस्तीफे से पहले डॉ राजकुमार ने स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। पत्र में दावा किया गया है कि शासी परिषद को विश्वास में लिए बिना उनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई की गई और लगातार प्रशासनिक दबाव बनाया गया।

सरयू राय के अनुसार, पत्र में यह भी उल्लेख है कि रिम्स की शासी परिषद और निदेशक पर विभिन्न मामलों में दबाव डालने का प्रयास किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि न्यायालय के आदेशों के बावजूद कुछ मामलों में कार्रवाई करने के लिए दबाव बनाया गया और उन्हें झूठे मामलों में फंसाकर प्रताड़ित करने की कोशिश की गई। उनका कहना है कि यह पत्र रिम्स और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली में मौजूद गंभीर खामियों की ओर संकेत करता है।

उन्होंने कहा कि डॉ राजकुमार एक अनुभवी न्यूरोलॉजिस्ट हैं और पूर्व में भी कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। रिम्स में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई जटिल न्यूरो सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इसके बावजूद यदि उन्हें इस तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, तो यह चिंता का विषय है।

सरयू राय ने यह भी कहा कि रिम्स में जितने भी सक्षम और योग्य निदेशक आए, वे किसी न किसी कारण से अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। उनके अनुसार, स्वास्थ्य विभाग की अनावश्यक दखलंदाजी और प्रशासनिक दबाव संस्थान की कार्यसंस्कृति को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि डॉ राजकुमार ने अपने पत्र में 16 अप्रैल 2025 को आयोजित रिम्स शासी परिषद की 59वीं बैठक का भी उल्लेख किया है। पत्र के अनुसार, पिछली बैठक से जुड़े कुछ कथित अवैध भुगतानों को स्वीकृति नहीं देने पर उन पर दबाव बनाया गया और उन्हें धमकाया गया। सरयू राय ने कहा कि यदि ऐसी स्थिति बनी रही तो भविष्य में भी कोई योग्य चिकित्सक रिम्स के निदेशक पद पर रहकर संस्थान में सुधार नहीं कर पाएगा।

दृष्टिपात

कोल्हान विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए आये 15 हजार आवेदन

पश्चिमी सिंहभूम। कोल्हान विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र केलिए नामांकन प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। उच्च शिक्षा हासिल करने के इच्छुक विद्यार्थियों में विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में दाखिले को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। झारखंड सरकार के चांसलर पोर्टल के माध्यम से संचालित ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया में अब तक स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों के लिए लगभग 15 हजार छात्रों ने पंजीकरण कराया है।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार 26 जून तक स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कुल 14,948 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आवेदन की यह संख्या बताती है कि इंटरमीडिएट उत्तीर्ण विद्यार्थियों में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों को लेकर अच्छी रुचि है। दूसरी ओर, पीजी प्रथम सेमेस्टर में दाखिले के लिए अब तक 68 आवेदन ही प्राप्त हुए हैं।

ट्रक ने सड़क पार कर रहे व्यक्ति को रौंदा, मौत, ग्रामीणों ने चालक को दबोचा

हजारीबाग। चौपारण थाना क्षेत्र के जीटी रोड स्थित ग्रामीण बैंक के समीप शुक्रवार को सडक हादसा हुआ है. यहां तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की चौपारण पंचायत के बजरंग टोला निवासी रितलाल साहू के रूप मे हुई है और वह बाजार मे नींबू बेचते थे। हादसे के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई. ट्रक चालक व्यक्ति को रौंदने के बाद भागने की कोशिश की. लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और इसकी सूचना पुलिस को दे दी. आक्रोषित लोगों और परिजनों ने सड़क जाम की है।

तालाब में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, मौत के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम। परसुडीह थाना क्षेत्र के पाड़ा टोला स्थित एक तालाब में शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मृतक की पहचान के साथ-साथ उसकी मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शुक्रवार सुबह तालाब के मालिक की नजर तालाब में तैर रहे शव पर पड़ी। इसके बाद उन्होंने तत्काल ग्राम प्रधान सागेन हांसदा को इसकी सूचना दी। ग्राम प्रधान ने बिना देर किए परसुडीह थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अविनाश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। शव मिलने की सूचना फैलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

ब्रेन मलेरिया से छात्रा की मौत के बाद जांच अभियान शुरू, निजी क्लिनिक को नोटिस

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में ब्रेन मलेरिया से एक छात्रा की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मामले को गंभीर मानते हुए सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल ने स्वतः संज्ञान लिया और पूरे घटनाक्रम की जांच के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्र में मलेरिया नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सिविल सर्जन के आदेश पर गठित विशेष स्वास्थ्य टीम ने शुक्रवार को छात्रा के गांव और पीएम श्री कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, पोटका में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। शिविर के दौरान मलेरिया के लक्षण वाले 34 लोगों की जांच की गई, जिनमें एक व्यक्ति मलेरिया संक्रमित पाया गया। संक्रमित मरीज को तत्काल दवा उपलब्ध कराकर उपचार शुरू कर दिया गया। स्वास्थ्य टीम ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण भी किया। इस दौरान वार्डन रूमा हलधर के साथ बैठक कर छात्राओं के स्वास्थ्य, परिसर की साफ-सफाई और मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के उपायों की समीक्षा की गई।

टीएमएच पहुंचे सरयू राय और दुलाल विधायक से ली स्वास्थ्य की जानकारी

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू पिछले दो दिनों से टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) में चिकित्सकों की निगरानी में उपचाररत हैं। ब्लड प्रेशर कम होने की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां विशेषज्ञ डॉक्टर लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। शुक्रवार को उनका हालचाल जानने के लिए जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय और झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां टीएमएच पहुंचे। दोनों नेताओं ने अस्पताल के वार्ड में जाकर पूर्णिमा साहू से मुलाकात की, उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और चिकित्सकों से भी उपचार संबंधी जानकारी प्राप्त की। मुलाकात के दौरान सरयू राय और दुलाल भुईयां ने विधायक पूर्णिमा साहू को गुलदस्ता भेंट कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि उचित इलाज और चिकित्सकों की देखरेख में वह जल्द पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने जनप्रतिनिधि दायित्वों का निर्वहन करने लौटेंगी। इस दौरान अस्पताल में अन्य शुभचिंतकों और समर्थकों का भी आना-जाना लगा रहा।

बिजली की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के खुंटपानी प्रखंड अंतर्गत पोरलोयोंग गांव में शुक्रवार को बिजली करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान गोबिन्द मेलगंडी (59) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गोबिन्द मेलगंडी सुबह में अपने घर में मीटर का स्विच ऑन करने के लिए गए थे। इसी दौरान बिजली का तार टूटकर उनके छाती के ऊपर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बासाहातु पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल चाईबासा रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद खुंटपानी प्रखंड प्रमुख सिद्धार्थ होनहागा मौके पर पहुंचे और घायल गोबिन्द मेलगंडी को लेकर सदर अस्पताल चाईबासा पहुंचे। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच और इलाज के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

विचार प्रवाह ईश्वर के साथ समरस होना और उनमें पूर्ण विश्वास 'रखना, जहां भी वे आपको रखें और आपके साथ जो भी करें उसी में संतुष्ट रहना, सब कुछ नम्रता एवं भक्ति से स्वीकार करना, अत्यंत अद्भुत होता है। - **श्री श्री परमहंस योगानंद**

राष्ट्रीय नवीन मेल

राम पर सवाल उठाने वाले अब चंदा पर आक्रामक हैं

भारत का सनातनी समाज सकते में है जबसे यह आरोप उछला है कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर से चढ़ावा के पैसे और आभूषणों की चोरी हुई है। विशेष जांच दल गठित कर जांच शुरू हो गई है और लोगों को यूपी के आक्रामक मुख्यमंत्री पर भरोसा है कि निष्पक्ष जांच के बाद दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा पर अगले साल के चुनाव को ध्यान में रखकर कुछ नेताओं ने छाती पीटना शुरू कर दिया है जो इस मुद्दे को भुनाकर सत्ता पाने की जुगत में हैं। दूसरा पक्ष सवाल उठा रहा है कि जब वे राम को काल्पनिक बताकर राम मंदिर का विरोध करते थे और कुछ तो ताजा-ताजा रामभक्त बने भी पर आज तक अयोध्या के मंदिर गए नहीं, उन्हें इसकी चिंता क्यों है? मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की चोरी को लेकर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो जांच समिति गठित की है, वह अपने उद्देश्य में कितनी सफल हो पाएगी, यह तो उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। किंतु, एक बात तय है कि मंदिर में चढ़ाए गए धन, सोना-चांदी व जवाहरात आदि की लेशमात्र भी चोरी करना शास्त्रों में जघन्य अपराध बताया गया है। अयोध्या मंदिर के मामले में अचानक पूरी दुनिया से भक्तों की बाढ़ के प्रबंधन की चुनौती थी-चढ़ावे की राशि का ईमानदारी से आकलन करके उसे बैंक में जमा कराना था। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में मिले दान में कथित हेराफेरी की जांच के दौरान, जांच अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच करते हुए पाया कि 27 अप्रैल से 5 जून के बीच चोरी की 70 कोशिशें की गईं। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी में मनीष कुमार यादव नाम के एक व्यक्ति को कई बार चोरी की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है, लेकिन उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। विशेष जांच दल ने पाया कि दान की गिनती के दौरान उसे संभालने में बड़ी खामियां थीं। टीम ने 2022 से 25 के फाइनेंशियल ईयर की इंटरनल ऑडिट रिपोर्ट की भी जांच की, जिसमें कई प्रक्रियात्मक कमियां सामने आईं। इस तरह की काफी गड़बड़ी की शिकायतें छोटी जगहों से लेकर कई मंदिरों से आती रहीं हैं। रांची के कुछ मंदिरों के पुजारी ऐसी शिकायतें दबी जुबान से करते रहे हैं जबकि पहाड़ी मंदिर में अखबारों में भी आरोप प्रत्यारोप प्रकाशित हुए । इसे एक चेतावनी मानकर राष्ट्रीय स्तर पर एक नई व्यवस्था बनाने का समय आ गया है। किसी भी मंदिर के प्रांगण में जहां दानपात्र खोले जाते हैं, वहां क्लाउड बैकअप के वीडियो कैमरे लगवाना चाहिए और प्रशासनिक अधिकारियों को सतर्कता बरतने के लिए बैठाना चाहिए। जिससे पूरी व्यवस्था पारदर्शी हो, वैष्णो देवी सहित दक्षिण भारत के अनेक मंदिरों में ऐसी व्यवस्था है, जिससे बैंक में राशि जमा करा दी का सकती है और आभूषणों का आकलन कर सील कर देना चाहिए जैसे गोल्ड लोन लेने पर किया जाता है। कुछ शिकायतें ट्रस्ट को दान देकर टैक्स बचाने की देश के कुछ मंदिरों की उड़ीं थीं। इस तरह की शिकायतें यदि आतीं हैं तो उनकी ईमानदारी से जांच करानी चाहिए ताकि धर्म और भगवान पर लोगों का भरोसा बना रहे। त्रिवेंद्रम के विश्व प्रसिद्ध व दुनिया के सबसे ज्यादा संपन्न पद्मनाभस्वामी मंदिर का उदाहरण पूरे भारत के लिए अनुकरणीय है। इस मंदिर का स्वामित्व वहां के राज परिवार के पास है। मंदिर के लॉकरों में लाखों करोड़ रुपए का सोना, चांदी और जवाहरात जमा हैं। उल्लेखनीय बात यह है कि सदियों से राज परिवार ने अपनी निजी संपत्ति होते हुए भी मंदिर के चढ़ावे में से एक अंश भर भी लेना स्वीकार नहीं किया। हर दिन प्रातः भगवान के प्रथम दर्शन का अधिकार राज परिवार को प्राप्त है। परिवार जब हर रोज दर्शन करके मंदिर से बाहर निकलता है, तो मंदिर के द्वार पर बैठकर अपने पैर के तलवों पर चिपक गई मंदिर की धूल को अपने हाथों से झाड़ कर वहीं गिरा देता है। तात्पर्य यह है कि भगवान के मंदिर से धूल का कण भी ले जाना उनकी दृष्टि में जघन्य अपराध है। सरकार को धार्मिक स्थलों का प्रबंधन ऐसे ही लोगों को सौंपना चाहिए, जो दान की संपत्ति की चोरी को विषपान जैसा समझें। यहां उल्लेखनीय है कि अनेक उदाहरण हैं जब मंदिरों में चोरी या हेराफेरी करने वाले सुखी होने के बजाय दुःखी ही हुए। श्रीमराम जन्मभूमि के संवेदनशील मुद्दे पर यदि कुव्यवस्था के चलते चोरी हुई तो एसबीआई जिसे इसका जिम्मा दिया गया था दोषी क्यों नहीं? जो भी दोषी हों उदाहरण बनने लायक दंड दिया जाना चाहिए। एक एंगल और भी है कि कहीं इसमें शातिराना तरीके की राजनीति तो नहीं ताकि वर्तमान सरकार को घेरा जा सके? जो भी हो व्यापक और निष्पक्ष जांच से सामने आए और दुबारा ऐसी घटना न घटे इसके लिए सरकार और समाज को प्रयास करना चाहिए न कि राजनीतिक खेल खेलना चाहिए। कुछ आपराधिक छवि के लोग मंदिरों या धार्मिक स्थलों पर कब्जा कर भक्ति का प्रदर्शन करते हैं पर उनका ध्यान चढ़ावे की राशि या आभूषणों पर रहता है जिसका उपाय ट्रस्ट बनाकर संचालन या राष्ट्रीयकरण है। मंदिरों या किसी भी धार्मिक स्थलों पर प्रशासन की भी दखल आवश्यक है।

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

आज की बात

केदारनाथ दास

'प्रतिस्पर्धा में नहीं, पूरकता में है प्रकृति का मौन अनुबंध'

किसी भी प्लैटफॉर्म पर नजर टिकाते चलें, आज हमारा समाज जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र और विचारधाराओं की खाइयों में बंटा हुआ नजर आ ही जाता है। ऐसा तब है जबकि प्रकृति की मौलिकता, अपने सहज व्यवहार में हमें एक अलग ही दर्शन के साथ साक्षात्कार कराती चलती है। इसे प्रकृति के एक मौन अनुबंध के तौर पर देखा जा सकता है जबकि तमाम जीव जन्तुओं और पेड़ पौधों के बीच का सह-संबंध, स्वार्थ से कहीं अधिक पारस्परिक आवश्यकता और विश्वास पर आधारित एक विस्तृत विविधता का आभास कराता रहता है। मजे की बात यह कि इस विविधता में जीवन के तमाम विधाओं में एक तिलिस्म की अनुभूति भी होने लगती है और इसके मर्म को समझने के लिए किसी कल्पना की भी जरूरत नहीं है। आपकी खुद की नजरों के सामने भी कई बार ऐसा दृश्य गुजरा होगा जब एक पक्षी किसी बकरी की पीठ पर सवार होकर उसके शरीर पर बैठे कीटों में से अपना भोजन तलाशती रहती है। अगर ऐसे किसी दृश्य को आप नजरअंदाज नहीं कर रहे होते हैं, तो साथ में आपको यह जानकर सुखद अहसास होता चला जाता है कि पीठ पर सवार पक्षी के इस प्रयास में घास चरती बकरी के लिए उन कीटों से राहत की एक थाती भी समाई हुई होती है। संदेश यह कि घास चरती बकरी के लिए पक्षी का अस्तित्व किसी प्रतिस्पर्धा का विषय नहीं बल्कि पूरक होती है। इस दृश्य को नजरंदाज करने से पहले विडंबना यह कि जिसे हम "मूक प्राणी" कहते हैं, जिसकी साधना की हम अवहेलना करते हैं और जिससे कुछ सीखने के प्रति असंवेदनशीलता का प्रदर्शन करते रहते हैं, वह तो सहयोग और सह-संबंध की भाषा को हमसे कहीं बेहतर समझता है। ऐसा तब है जबकि मनुष्य के द्वारा विज्ञान में अच्छी खासी प्रगति के दावों के साथ तकनीक व कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निरंतर प्रगति का अद्भुत दावा भी किया जाता है। ऐसे में, एक अदने से बकरी की पीठ पर सवार पक्षी की उपस्थिति एक छोटी सी घटना लग सकती है परन्तु प्रकृति की छटा देखिए कि न बकरी की पीठ अनुपयोगी है और न पक्षी की काया विवशता का प्रतीक है। यह तो एक ऐसा संयोग है जो हमसे एक बड़ा सा सवाल करती चली जाती है कि तमाम तरह की मानव निर्मित उपलब्धियों का दावा अपने आप में एक छद्म अवधारणा से अधिक कुछ भी नहीं है और तमाम दावों के विपरित सह-अस्तित्व व सहजीवन की सरल कला से तथाकथित विज्ञान अभी भी कोसों दूर बना हुआ है।

उल्लेखनीय यह भी है कि बकरी की सवारी करते किसी पक्षी का कोई चित्र केवल एक पशु और एक पक्षी का कोई भौतिक दृश्य भर नहीं है बल्कि यह तो प्रकृति के उस मौन संवाद का प्रतीक है, जिसे आधुनिक मनुष्य अक्सर न सुन पाता है और न समझ पाता है। कमाल यह कि हरी घास के विस्तृत मैदान में एक काली सी बकरी और उसके ऊपर बैठा पक्षी हमें सह-अस्तित्व, विश्वास और पारस्परिक सहयोग का ऐसा पाठ पढ़ाता है, जो किसी भी विज्ञान, एआई या पुस्तक में नहीं मिलता। ऐसा तब है जबकि विकास और संवेदनशीलता का यह संदर्भ हमारे ग्रामीण जीवन के लिए बहुत सामान्य सा विषय है। फिर भी, चिंता यह कि हाल के वर्षों में इसमें हस्तक्षेप की घटनाएं बहुत सामान्य हो गई हैं। विडंबना यह भी कि हमारे विज्ञान ने काफी प्रगति कर ली है और इस प्रसंग से खेतों में चरती गायें, बकरियां, उनके साथ उड़ते-बैठते पक्षी, पेड़ों पर घोंसले और आसपास जीवंत जैव विविधता का सवाल आज रासायनिक खेती, घटते चरागाह, कटते वृक्ष और तेजी से बदलते जीवनशैली के कारण एक अप्राकृतिक संतुलन की चुनौती पेश कर दी है। कल्पना कीजिए, यदि पक्षियों की संख्या कम हो रही है तो इससे केवल एक प्रजाति नहीं घटती बल्कि एक पूरा पारिस्थितिक तंत्र कमजोर पड़ने लगता है। यह तस्वीर हमें याद दिलाती है कि प्रकृति की हर इकाई का अपना महत्व है और किसी एक कड़ी के टूटने से आखिरकार पूरा ताना-बाना ही प्रभावित होने लगता है। बहरहाल, तमाम तरह के तमाशों के बीच इसमें मनुष्यता के लिए एक संदेश छिपा हुआ है। इस संदेश को समझने की जरूरत है क्योंकि बकरी की पीठ पर बैठे किसी पक्षी का सबसे भावुक पक्ष विश्वास होता है। यहां बकरी को कोई आपत्ति नहीं है और पक्षी की उपस्थिति के बावजूद वह निश्चिंत होकर घांस चर रही है। दूसरी ओर, पक्षी भी बिना भय के मजे से उसकी सवारी का आनंद उठा रही है। सह-अस्तित्व के इस खेल में न अधिकार का संघर्ष है, न वर्चस्व की कोई लड़ाई है और न कोई प्रतिस्पर्धा ही है।

विज्ञान लाख प्रगति कर ले और एआई से सबकुछ मुठ्ठी में आ गया हो परन्तु तब भी साथ रहने की कला, एक-दूसरे की उपयोगिता को स्वीकार करने की विनम्रता और बिना शोर मचाए संबंधों को निभाने की संवेदना, एक संदेश बनकर सामने आ ही जाती है। लब्बोलुआब यह कि इसकी जरूरत आज मानव समाज को सबसे अधिक है। जी हाँ, जीवन की सबसे सुंदर साझेदारियाँ तो वहां से निकलकर बाहर आती हैं, जहाँ कोई किसी पर बोझ नहीं बल्कि एक-दूसरे का सहारा बनता नजर आने लगता है। ऐसे में जब दुनिया तेजी से बदल रही है तब बकरी की पीठ पर लदा पक्षी ठहरकर हमें यह सोचने को मजबूर नहीं करता कि सभ्यता का अर्थ सिर्फ भौतिक प्रगति नहीं बल्कि प्रकृति से सीखकर अधिक मानवीय बनने की प्रेरणा से जुड़ा हुआ विषय होता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

> **घास चरती बकरी के लिए पक्षी का अस्तित्व किसी प्रतिस्पर्धा का विषय नहीं बल्कि पूरकता है। इस दृश्य को नजरंदाज करने से पहले विडंबना यह कि जिसे हम "मूक प्राणी" कहते हैं, जिसकी साधना की हम अवहेलना करते हैं और जिससे कुछ सीखने के प्रति असंवेदनशीलता का प्रदर्शन करते रहते हैं, वह तो सहयोग और सह-संबंध की भाषा को हमसे कहीं बेहतर समझता है**

भारतीय महर्षि सुश्रुत को वैश्विक सम्मान

देश की बात

महेंद्र तिवारी

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे व्यक्तित्व होते हैं जिनका योगदान समय, भूगोल और संस्कृति की सीमाओं को पार कर संपूर्ण मानवता की धरोहर बन जाता है। भारतीय चिकित्सा परंपरा के महान आचार्य महर्षि सुश्रुत ऐसे ही व्यक्तित्वों में शामिल हैं। चिकित्सा विज्ञान, विशेष रूप से शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में उनका योगदान इतना व्यापक और दूरदर्शी माना जाता है कि उन्हें विश्वभर में शल्य चिकित्सा का जनक कहा जाता है। लगभग 2600 वर्ष पूर्व उन्होंने जिस वैज्ञानिक दृष्टि, व्यावहारिक ज्ञान और चिकित्सा कौशल का परिचय दिया था, वह आज भी चिकित्सा इतिहास के विद्वानों और आधुनिक चिकित्सकों को प्रभावित करता है। इसी ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार करते हुए जून 2026 में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग स्थित रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स में उनकी कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह केवल एक प्रतिमा की स्थापना नहीं थी, बल्कि विश्व चिकित्सा इतिहास में भारत के योगदान की एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मान्यता थी। एडिनबर्ग का यह प्रतिष्ठित संस्थान विश्व के सबसे पुराने और सम्मानित शल्य चिकित्सा संस्थानों में से एक माना जाता है। चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और शल्य विज्ञान के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे संस्थान के परिसर में महर्षि सुश्रुत की प्रतिमा की स्थापना इस तथ्य का प्रमाण है कि आधुनिक चिकित्सा जगत अब विज्ञान और चिकित्सा के इतिहास को अधिक व्यापक दृष्टिकोण से देख रहा है तथा उन प्राचीन सभ्यताओं के योगदान को भी उचित सम्मान दे रहा है जिन्होंने मानव ज्ञान की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतिमा की स्थापना में भारतीय मूल के प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक प्रोफेसर चंद्र चेरुवु और उनके परिवार की विशेष भूमिका रही, जिनके प्रयासों से यह ऐतिहासिक सम्मान संभव हो सका। महर्षि सुश्रुत का जीवन भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिक ऊंचाइयों का प्रतिनिधित्व करता है। माना जाता है कि वे लगभग 600 ईसा पूर्व के आसपास हुए थे। उस समय संसार के अनेक क्षेत्रों में चिकित्सा विज्ञान अभी प्रारंभिक अवस्था में था, जबकि भारत में शरीर रचना विज्ञान, रोग निदान, औषध विज्ञान और शल्य चिकित्सा जैसे विषयों पर व्यवस्थित अध्ययन किया जा रहा था। महर्षि सुश्रुत ने अपने अनुभव, अनुसंधान और अवलोकनों के आधार पर चिकित्सा ज्ञान को एक संगठित स्वरूप प्रदान किया। उनकी प्रसिद्ध कृति सुश्रुतसंहिता आज भी चिकित्सा इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथों में गिनी जाती है। यह केवल एक चिकित्सा ग्रंथ नहीं, बल्कि प्राचीन भारत की वैज्ञानिक चेतना, अनुसंधान पद्धति और व्यावहारिक चिकित्सा ज्ञान का विस्तृत दस्तावेज है। सुश्रुतसंहिता में शल्य चिकित्सा के सिद्धांतों और प्रक्रियाओं का अत्यंत व्यवस्थित वर्णन मिलता है। इसमें विभिन्न रोगों के उपचार, घावों की देखभाल, हड्डियों के उपचार, शरीर की संरचना, शल्य उपकरणों तथा चिकित्सा नैतिकता के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई है। यह ग्रंथ इस बात का प्रमाण है कि उस समय चिकित्सा विज्ञान केवल अनुभव या परंपरा पर आधारित नहीं था, बल्कि उसमें वैज्ञानिक अवलोकन, वर्गीकरण और परीक्षण की स्पष्ट पद्धति मौजूद थी। ज्ञान को व्यवस्थित रूप से संकलित करना किसी भी विकसित वैज्ञानिक परंपरा की पहचान होती है और महर्षि सुश्रुत का कार्य इस कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरता है। महर्षि सुश्रुत की सबसे प्रसिद्ध उपलब्धियों में पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा का विकास शामिल है। विशेष रूप से नाक के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया का उनका वर्णन चिकित्सा इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। प्राचीन काल में विभिन्न अपराधों के दंडस्वरूप कभी-कभी नाक काट दी जाती थी। ऐसी स्थिति में चेहरे की संरचना को पुनः सामान्य रूप में लाना अत्यंत कठिन कार्य था। महर्षि सुश्रुत ने त्वचा प्रत्यारोपण और पुनर्निर्माण की जो तकनीक विकसित की, उसे आधुनिक प्लास्टिक सर्जरी की प्रारंभिक आधारशिला माना जाता है। यही कारण है कि उन्हें पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा का अग्रदूत भी कहा जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

इंसान होने की सजा

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

वह जो कमरे के कोने में रखी मेज पर चाय की प्याली से उठती हुई भाप है न, वह असल में भाप नहीं है। वह मेरे भीतर बची हुई आखिरी गर्माहट का वेंटिलेटर है। लोग कहते हैं कि मैं बदल गया हूँ, थोड़ा बहुत खराब हो गया हूं। पर सच मानिए, इस चमचमाती, सलीके से इस्त्री की हुई दुनिया में थोड़ा बहुत ख़राब तो होना भी चाहिए। अगर आप बिल्कुल ठीक हैं, तो यकीन मानिए आप किसी कारखाने में बने प्लास्टिक के पुतले हैं, जिसमें दिल की जगह बस एक खाली खोखलापन धड़कता है। मैं एक दफ्तर में काम करता हूं। दफ्तर क्या है, एक आलीशान कब्रगाह है जहां हर सुबह जिंदा लोग अपनी लाशें लेकर हाजिरी लगाने आते हैं। मेरे बॉस, तिवारी जी, एक ऐसे जीव हैं जिनकी मुस्कान देखकर लगता है जैसे किसी गिद्ध ने अभी-अभी एक ताज़ा शिकार देखा हो। उनकी आंखों में फाइलों के पन्ने तैरते हैं और जुबान पर सिर्फ एक ही तकियाकलाम रहता है, "मैनेज करो।" मैंने भी मैनेज करना सीख लिया था। इतना मैनेज किया कि अपनी रीढ़ की हड्डी को रबर का बना दिया। जब वे डांटते, मैं मुस्कुराता। जब वे चाय मंगाते, मैं बिस्कुट का पैकेट भी अपनी जेब से खोल देता। मैं इस सड़ी हुई व्यवस्था का सबसे बेहतरीन, सबसे 'सच्चा' और सबसे 'सफल' पुर्जा बन चुका था। घर पर बूढ़ी माँ खांसती रहती, तो मैं कहता, "माँ, थोड़ा मैनेज करो, इस महीने टारगेट पूरा नहीं हुआ तो इंसेंटिव नहीं मिलेगा।" पत्नी की आंखों में जब मायूसी का कुहरा जमता, तो मैं उसे ईएमआई के नए वाशिंग मशीन का सपना चखा देता। मैं बिल्कुल ठीक था। मशीन की तरह परफेक्ट। फिर एक दिन वह हुआ, जिसने मेरी 'परफेक्ट' जिंदगी में पहला छेद किया। दफ्तर की इमारत के ठीक बाहर, उस चिलचिलाती धूप में जहां तारकोल पिघल रहा था, एक पिल्ला कंक्रीट के मलबे के नीचे दबा हुआ था। उसकी टांग टूट चुकी थी। वह रो नहीं रहा था, बस उसकी आंखें किसी मूक गवाह की तरह इंसानी बस्तियों को देख रही थीं। लंच ब्रेक में सब तमाशा देख रहे थे। कोई वीडियो बना रहा था, कोई कह रहा था, "नगर निगम वाले कितने लापरवाह हैं।"

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म

हमारी मुक्ति के लिए ईश्वर से अधिक उत्सुक और कोई नहीं है

श्री श्री परमहंस योगानंद

मैं परिस्थितियों को दोष नहीं देता और न ही किसी अन्य व्यक्ति को सुधारने का प्रयास करता है। सर्वप्रथम मैं अपने भीतर में जाता हूँ। मैं अपनी आत्मा के किले की सफाई करने का प्रयास करता है ताकि किसी भी ऐसी वस्तु को हटा सकूं जो आत्मा की सर्वशक्तिमान, सर्वबुद्धिमान अभिव्यक्ति में बाधा डालती हो। जीने का सफल मार्ग यही है। संकट और रोग के पास हमारे लिए शिक्षा है। हमारे कष्टदायक अनुभव हमारा विनाश करने के लिए नहीं होते। बल्कि हमारे पाप कर्मों का मैल धोकर, हमें शीघ्रता से वापस परमधाम ले जाने के लिए हैं। हमारी मुक्ति के लिए ईश्वर से अधिक उत्सुक और कोई नहीं है। हमारे और ईश्वर के बीच माया का धुंधला पर्दा आ गया है, और 'उन्हें' खेद है कि हमने 'उन्हें' अपनी दृष्टि से ओझल कर दिया है। गिरते हुए बमों से, भयानक रोगों में, और जीने की ग़लत आदतों के कारण होती मृत्यु से, अपने बच्चों को दुःखी देखकर वे प्रसन्न नहीं हैं। उन्हें इसका अफ़सोस है, क्योंकि वे हमें प्रेम करते हैं तथा हमारी वापसी चाहते हैं। आपको रात्रि में ध्यान करने और उनके साथ एकात्म होने का प्रयास अवश्य करना चाहिए! वे आपके बारे में बहुत सोचते हैं। आप परित्यक्त नहीं हैं। यह तो आप ही हैं जिसने अपने आत्मन (आत्मा) का परित्याग किया हुआ है। जब आप जीवन के अनुभवों का प्रयोग अपने शिक्षक के रूप में करते हैं और उनसे इस संसार के सच्चे स्वरूप एवं उसमें अपनी भूमिका के बारे में सीखते हैं, तो वे अनुभव शाश्वत परिपूर्णता एवं प्रसन्नता के मूल्यवान् मार्गदर्शक बन जाते हैं।

-पुस्तक जहां है प्रकाश से साभार

फेसबुक वॉल से

एक्स से

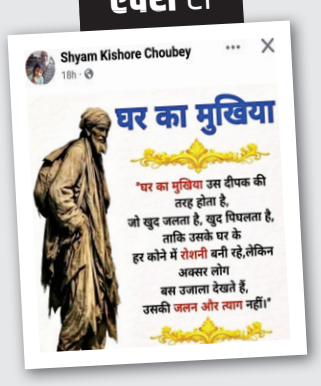

वीआईपी संस्कृति में प्रशासनिक संवेदनहीनता और लोककल्याण

अलग बात

अशोक 'प्रबुद्ध'

समसामयिक भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने में समय-समय पर राजशक्ति की जो विकृतियां और विद्रूपताएं उभरकर सामने आती हैं, वे केवल प्रशासनिक विफलता का परिचायक नहीं हैं, अपितु वे हमारे युग बोध की नैतिकपतनशीलता की द्योतक भी हैं। विगत दिनों जयपुर में मुख्यमंत्री के सुरक्षा काफिले के मार्ग को निर्बाध करने के उपक्रम में पुलिस-प्रशासन द्वारा जिस अमानवीय संवेदनहीनता का परिचय देते हुए एक श्रमजीवी महिला के जीविकोपार्जन के साधन ठेले को बलपूर्वक पलटा गया और जिसके परिणामस्वरूप वह खौलते जल से गंभीर रूप से झुलस गई, वह घटना आधुनिक व्यवस्था के क्रूर एवं अमानवीय चेहरे को उजागर करती है।यह कोई एकाकी या अप्रत्याशित घटना नहीं है, अपितु यह उस वीआईपी संस्कृति (अति विशिष्ट व्यक्ति संस्कृति) की स्वाभाविक परिणति है, जिसने लोकतांत्रिक स्वांग के पीछे एक नवीन, निरंकुश सामंतवाद को प्रश्रय दे रखा है। जब राज्य की सुरक्षा और व्यवस्था के नाम पर एक निर्धन नागरिक के जीवन, सम्मान और मौलिक अधिकारों की बलि चढ़ा दी जाती है, तब लोकतंत्र का लोकाभिमुख स्वरूप ध्वस्त होकर केवल शासकाभिमुख रह जाता है। इस प्रकार की घटनाएं आज के भारत में एक निरंतर चलने वाली व्यवस्था बन चुकी हैं, जहांएम्बुलेंस में जीवन-मृत्यु से संघर्ष करते रोगियों को राजनेताओं के काफिले के लिए रोक दिया जाता है, और जनसाधारण को सड़कों पर घंटों बंधक बना लिया जाता है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में जिस राजधर्म की परिकल्पना की गई है, उसमें राजा अथवा शासक विधाता या स्वामी नहीं, अपितु प्रजा का सर्वोच्च सेवक और रक्षक होता था। सनातन भारतीय परंपरा में राज्य का अस्तित्व केवल व्यवस्था बनाए रखने के लिए नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के योगक्षेम (सुरक्षा और संवर्धन) के लिए स्वीकार किया गया है।

महर्षि वेदव्यास ने महाभारत के शांतिपर्व में राजधर्म का प्रतिपादन करते हुए स्पष्ट लिखा है-

प्रजासुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हिते हितम।
नात्मप्रियं हितं राज्ञः प्रजानां तु प्रियं हितम।।

अर्थात- प्रजा के सुख में ही राजा का सुख निहित है और प्रजा के हित में ही उसका हित है। राजा के लिए अपना प्रिय कुछ भी हितकर नहीं होता, बल्कि प्रजा का जो प्रिय है, वही राजा के लिए भी हितकर होता है।

जयपुर की घटना या समसामयिक भारत में वीआईपी मूवमेंट के कारण जनसाधारण को होने वाली असुविधाएं इस शाश्वत सिद्धांत के ठीक विपरीत हैं। जब शासक वर्ग स्वयं को प्रजा के सुख से ऊपर समझने लगता है और अपनी यात्रा को जनसाधारण के जीवन से अधिक मूल्यवान मानने लगता है, तब वह राजधर्म च्युत हो जाता है।महाभारत के शांतिपर्व में ही भीष्म पितामह युधिष्ठिर को उपदेश देते हुए कहते हैं कि राजा का मुख्य कर्तव्य दुर्बलों की रक्षा करना है, क्योंकि दुर्बल की आह और अश्रु संपूर्ण साम्राज्य का समूल विनाश कर देते हैं-

कृपणानां अनाथानां वृद्धानां च तपस्विनाम।
यदश्रु पतते राज्ञः स वै दण्डो विनिर्मितः।।

अर्थात- अनाथों, वृद्धों, दीन-दुखियों और असहायों के जो आंसू राजा की अकर्मण्यता या क्रूरता के कारण भूमि पर गिरते हैं, वे आंसू ही राजा का विनाश करने वाले काल-दण्ड बन जाते हैं। आचार्य चाणक्य ने अपने कालजयी ग्रंथ अर्थशास्त्र में राज्य के प्रशासनिक ढांचे को संवेदनशीलता और न्यायप्रियता की कसौटी पर कसा है। चाणक्य के अनुसार जो राज्य अपनी प्रजा के भरण-पोषण और उनके व्यापारिक व आर्थिक अधिकारों की रक्षा नहीं कर सकता, वह राज्य टिक नहीं सकता। कौटिल्य ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि सड़कों, मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी नागरिक को बिना किसी ठोस कारण के प्रताड़ित नहीं किया जा सकता। अर्थशास्त्र के चतुर्थ अधिकरण- कंटकशोधन में राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले अत्याचारों और उत्पीडन के विरुद्ध कठोर दंड का विधान है। चाणक्य ने लिखा है कि यदि कोई राजकीय अधिकारी अपने पद के मद में चूर होकर किसी निर्दोष नागरिक की संपत्ति को नष्ट करता है या उसे शारीरिक क्षति पहुंचाता है, तो उसे साधारण अपराधी से भी दुगुना दंड मिलना चाहिए। जयपुर की घटना में जहाँ एक महिला की आजीविका को नष्ट कर उसके शरीर को क्षति पहुंचाई गई, यदि उसे कौटिलीय न्यायशास्त्र की दृष्टि से देखा जाए, तो दोषी पुलिसकर्मी और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी गंभीरतम राजकीय दंड के अधिकारी सिद्ध होते हैं। जयपुर की यह वीभत्स घटना देश में व्याप्त प्रशासनिक निरंकुशता के व्यापक परिदृश्य का एक लघु अंश मात्र है। यदि हम वर्तमान समय के अन्य समसामयिक मुद्दों की ओर दृष्टिपात करें, तो लोककल्याणकारी राज्य की अवधारणा खंडित होती दिखाई देती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आज का दोहा

लंगर खुलते ही हुआ, अनियंत्रित सा पोत।
जिस पर चढ़ महफूज थे, डूबा वही सु-पोत।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/00155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

अयोध्या राम मंदिर कथित दान में हेराफेरी की जांच

एसआईटी रिपोर्ट में खुलासा, दो महीने में 70 बार हुई चोरी

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में मिले दान में कथित हेराफेरी की जांच के दौरान, जांच अधिकारियों ने सीसीटीबी फुटेज की जांच करते हुए पाया कि 27 अप्रैल से 5 जून के बीच चोरी की 70 कोशिशें की गईं। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी में मनीष कुमार यादव नाम के एक व्यक्ति को कई बार चोरी की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है, लेकिन उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। सूत्रों के मुताबिक, मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेटिंग टीम (एसआईटी) ने यह भी पाया कि दान की गिनती के दौरान उसे संभालने में बड़ी खामियां थीं। टीम ने 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के फाइनेंशियल ईयर की इंटरनल ऑडिट रिपोर्ट की भी जांच की, जिसमें कई प्रक्रियात्मक कमियां सामने आईं। अब तक आठ आरोपियों को गिरफ़्तार किया जा चुका है, जिनमें चंपत राय के करीबी सहयोगी रमाशंकर यादव उर्फ़ टिन्नू यादव भी शामिल हैं। अन्य आरोपियों में अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडे, लव कुश मिश्रा, रमा शंकर मिश्रा और सुभाष श्रीवास्तव शामिल हैं। सूत्रों ने बताया है कि एसआईटी की सिफारिश के आधार पर और लोगों की गिरफ़्तारी हो सकती है।

राम मंदिर चढ़ावा मामले के बीच चंपत राय और अनिल मिश्रा ने दिया इस्तीफा

एजेंसी। अयोध्या

राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज होने के बाद पूरे प्रकरण ने तूल पकड़ लिया है। इस बीच सूत्रों के हवाले से खबर है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा सौंप दिया है। सूत्रों का दावा है कि चंदे और चढ़ावे में कथित अनियमितताओं के आरोपों के बाद दोनों पदाधिकारियों पर नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने का दबाव बढ़ रहा था। इसी के चलते उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया। इस मामले पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि आरोप सामने आते ही सरकार ने तत्काल एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए थे।बता दें कि गुरुवार देर रात मंदिर के कर्मचारियों, नकदी गिनने वाले स्टाफ और कुछ पूर्व बैंक अधिकारियों समेत आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। आरोप है कि इन सभी ने आपसी मिलीभगत से मंदिर की दान राशि का गबन किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रामाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।आरोपियों के खिलाफ धारा 305, 306, 316(5), 317(4), 317(5), 61, 3(5) बीएनएस व 13(1)(ए) पीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी के प्रमुख सदस्य लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत ने गत मंगलवार को टीम के अन्य दो सदस्यों के साथ शासन को प्रारंभिक प्रतिवेदन सौंपा था, जिसमें कठोर संस्तुतियां हैं।हालांकि, एफआईआर दर्ज होने के बावजूद कई लोगों ने सवाल उठाए कि कार्रवाई केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक ही सीमित क्यों रही और वरिष्ठ पदाधिकारियों की जवाबदेही तय क्यों नहीं की गई। इसके बाद ट्रस्ट के दो वरिष्ठ सदस्यों के इस्तीफे को इस मामले का बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक घटनाक्रम माना जा रहा है। गौरतलब है कि 14 जून को श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर उत्तर प्रदेश सरकार ने दान राशि में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। अब जांच आगे बढ़ने के साथ इस मामले में और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

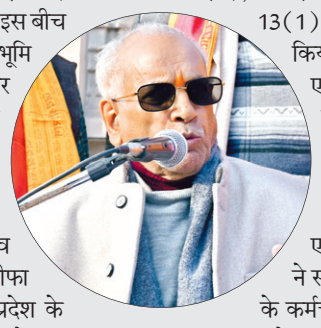

सनातन से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, होगी सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अयोध्या राम मंदिर से जुड़े दान में कथित हेराफेरी के मामले में आठ लोगों की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने सनातन मूल्यों और लोगों की आस्था का फायदा उठाने की कोशिश करने वालों के प्रति 'ज़ीरो-टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) की रिपोर्ट आने के तुरंत बाद कार्रवाई शुरू कर दी गई थी। उन्होंने दोहराया कि सरकार ने लोगों को भरोसा दिलाया था कि अयोध्या से जुड़े मामलों में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कहा था, 'अयोध्या की चिंता न करें।' जैसे ही SIT की रिपोर्ट आई, तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी गई। आस्था के मामलों के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मैं उन लोगों से भी अपील करना चाहता हूं जो आज इस मुद्दे को उठा रहे हैं – ये वही लोग हैं जिन्होंने कभी भगवान राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। योगी ने कहा कि 19 जून को अयोध्या के दौरे के दौरान ही राज्य सरकार ने अपना रुख साफ़ कर दिया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि लोगों के भरोसे का गलत इस्तेमाल करने या करोड़ों लोगों के लिए गहरी धार्मिक अहमियत रखने वाली जगह को बदनाम करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ऐसी सजा दिलाई जाए कि राम के साथ गद्दारी करने की कोई हिम्मत नहीं कर पाए

गुरुग्राम। राम मंदिर चढ़ावा विवाद मामले में एसआईटी जांच के बाद एफआईआर को लेकर विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महासचिव डॉ. सुरेंद्र जैन की प्रतिक्रिया सामने आई है। आईएएनएस से बातचीत करते हुए डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे में गबन करने वाले लोगों को पकड़ा जा चुका है। एसआईटी की जांच का पक्ष पूरा हो गया है। इस मामले में एफआईआर की गई है और पुलिस ने कार्रवाई भी शुरू कर दी है। जिस तरह से जघन्य पाप उन्होंने किया है, जीवन भर जेल से बाहर नहीं निकल पाएंगे। इनको वैसी सजा दिलाई जाएगी कि राम के साथ गद्दारी करने की कोई हिम्मत नहीं कर पाएगा।उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की ओर से इस मामले को राजनीतिक तौर पर उठाया जा रहा है। इससे पहले भी उनकी ओर से रामलला के प्रति आस्थाएं समाप्त करने के लिए बहुत कोशिश की गई है। उनकी ओर से नए-नए नाम जोड़े जा रहे हैं। क्या एसआईटी उनके कहने से नाम जोड़ेगी? क्या उनको एसआईटी पर विश्वास नहीं है, देश के संविधान पर विश्वास नहीं है? एसआईटी की पूरी रिपोर्ट सामने आने देना चाहिए। अगर किसी को शक है तो कोर्ट का दरवाजा खुला है। डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि अगर किसी के पास कोई सबूत है तो उनको पुलिस थाने में जमा करना चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद : चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद विपक्षी नेताओं ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद विपक्ष ने केंद्र और ट्रस्ट पर तीखे सवाल उठाए हैं। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा, "चंपत राय के इस्तीफे से क्या हासिल होगा? एक एसआईटी बनाई गई थी और उसने अपनी रिपोर्ट भी सौंप दी। उन्होंने कुछ छोटे-मोटे लोगों को गिरफ्तार किया लेकिन पूरे ट्रस्ट को ही भंग कर देना चाहिए।" उन्होंने कहा, "सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने सबसे पहले ये मुद्दा उठाया तब जाकर ये मामला उजागर हुआ।"वहीं, कांग्रेस के राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे से यह मामला खत्म नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, "अगर सैकड़ों या हजारों करोड़ रुपए की लूट हुई है, तो क्या पूरा पैसा सिर्फ चंपत राय के पास गया? यह बहुत बड़ा मामला है और इसकी पूरी जांच होनी चाहिए।"राजद के प्रवक्ता शक्ति यादव ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही कह चुके हैं कि चंपत राय और अनिल मिश्रा का ट्रस्ट से इस्तीफा देना बेहद गंभीर मामला है। अभी तो केवल एफआईआर दर्ज हुई है और कुछ लोग इस मामले की 'मुख्य मछली' को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर आचार्य प्रमोद कृष्णम बोले, 'एक-दो इस्तीफों से बात खत्म नहीं होती, तह तक जाना जरूरी'

गाजियाबाद। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय व अनिल मिश्रा के इस्तीफे को लेकर उठे विवाद पर आध्यात्मिक नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे केवल आर्थिक अनियमितता नहीं बल्कि 'आस्था की लूट' बताया और मामले की गहराई से निष्पक्ष जांच की मांग की। गाजियाबाद में आईएएनएस से बातचीत करते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि यह कोई सामान्य चोरी का मामला नहीं है बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा, "यह किसी दुकान या फैक्ट्री की चोरी नहीं है, यह आस्था की लूट है। इसमें एक-दो इस्तीफों से बात खत्म नहीं होती, इसकी तह तक जाना जरूरी है।" उन्होंने दावा किया कि यह मामला केवल कुछ करोड़ रुपये का नहीं बल्कि हजारों करोड़ रुपये के स्तर तक का हो सकता है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जो भी दोषी हो, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता का भरोसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर है, इसलिए उम्मीद है कि जांच पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ेगी। निष्पक्षता के लिए वरिष्ठ लोगों का इस्तीफा देना जरूरी था। नैतिक दायित्वों का निर्वहन करना बड़ा आवश्यक है।

'राम मंदिर के मौजूदा ट्रस्ट को तुरंत भंग करें', कांग्रेस ने की संतों-धर्माचार्यों को कमान सौंपने की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य राजीव शुक्ला ने शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर एनडीए पर निशाना साधते हुए राम मंदिर ट्रस्ट को भंग करने और मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। राजीव शुक्ला ने पत्रकारों से बात करते हुए राम मंदिर ट्रस्ट के कामकाज और दान प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए आभूषणों, गहनों और नकद दान का समुचित रिकॉर्ड नहीं रखा गया। साथ ही मौजूदा ट्रस्ट को भंग कर धर्माचार्यों, शंकराचार्यों और साधु-संतों की भागीदारी वाला नया ट्रस्ट गठित करने की मांग भी की। राजीव शुक्ला ने कहा, "मंदिर के लिए दिए गए दान का व्यवस्थित लेखा-जोखा नहीं रखा गया। नकद दान में भी कथित अनियमितताएं हुई है। यदि किसी ने 13 लाख रुपये का दान दिया, तो रिकॉर्ड में केवल 10 लाख रुपये दिखाए गए और शेष राशि का कोई हिसाब नहीं मिला।" उन्होंने दावा किया कि कई श्रद्धालुओं ने शिकायत की है कि उन्हें अपने दान की कोई रसीद तक नहीं मिली और भगवान राम का हीरे का हार भी कथित तौर पर गायब है।

1947 में मुस्लिम लीग के आगे समर्पण से शुरू होता है 'कांग्रेस के सरेंडर का कैलेंडर' : सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर शुक्रवार को जोरदार हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का 'सरेंडर का कैलेंडर' 1947 में भारत को दो टुकड़ों में बांटकर मुस्लिम लीग के आगे समर्पण से शुरू होता है।नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि 1947 में भारत के दो टुकड़े करके मुस्लिम लीग के आगे समर्पण से शुरू होकर, 1948 में पाकिस्तान को पीओके सौंपना, 1962 में चीन को अक्साई चिन सौंपना, लगभग असम को सौंप ही दिया था, मानसरोवर क्षेत्र को सौंपना और फिर कच्चातिवु द्वीप को सौंपना- यह कांग्रेस के सरेंडर की एक दुखद श्रृंखला है, जिसे भारत को हमेशा याद रखना चाहिए। भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस के सरेंडर के कैलेंडर का एक और ऐतिहासिक काला अध्याय है। आज ही के दिन 26 जून 1974 को तमिलनाडु के पास स्थित कच्चातिवु द्वीप को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने भारत से अलग करके श्रीलंका को सौंप दिया था। इसके कारण तमिलनाडु के मछुआरों को आज भी अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वहां एक ईसाई तीर्थस्थल सेंट एंटोनी चर्च है, जहां यदि मछुआरे अपनी नाव पर भारत का ध्वज लगाकर जाते हैं, तो उन्हें अनुमति नहीं मिलती। यह कांग्रेस की शर्मनाक विदेश नीति का स्मरण है। यह कांग्रेस की शर्मनाक विदेश नीति का दिन है। हम कह सकते हैं कि कांग्रेस का सरेंडर का कैलेंडर 1947 के विभाजन से शुरू होता है, फिर 1948 में पीओके, 1962 में अक्साई चिन, मानसरोवर और कच्चातिवु तक जारी रहा।

कोलकाता को दोबारा से बड़ा आर्थिक और शहरी हब बनाना जरूरी: संजीव

एजेंसी। कोलकाता

पूर्वी भारत में तेजी से विकास करने वाले शहरों का नेटवर्क बनाने और 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए कोलकाता को एक बड़े शहरी और आर्थिक केंद्र के तौर पर फिर से विकसित करना आवश्यक है। यह बयान शुक्रवार को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति (ईएसी) के सदस्य संजीव सान्याल ने दिया। कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए सान्याल ने कहा कि 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने के लिए पूर्वी भारत और बंगाल का विकसित होना जरूरी है, और इसमें कोलकाता इस क्षेत्र का सबसे बड़ा शहरी केंद्र बना रहेगा। उन्होंने पूर्वी भारत में तेजी से बढ़ रहे शहरी केंद्रों का नेटवर्क बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पटना, गुवाहाटी, रांची और भुवनेश्वर जैसे शहरों को भी ग्रोथ सेंटर के तौर पर उभरने की जरूरत है, लेकिन कोलकाता इस इलाके का सबसे बड़ा हब बना हुआ है और पूर्वी भारत में तेजी से आर्थिक विकास के लिए इसका फिर से आगे बढ़ना बहुत जरूरी है।

यूसीसी पर मौलाना शहाबुद्दीन का विरोध, बोले-मुसलमानों को किया जा रहा टारगेट

बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने यूसीसी का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि खासतौर पर मुसलमानों को टारगेट करके यूसीसी लाया जा रहा है। उन्होंने इस्लामिक कानून और एनसीईआरटी में आपातकाल चैप्टर पर की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी और सीएम योगी आदित्यनाथ के मुहर्रम सुरक्षा संबंधी बयान पर टिप्पणी की। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि यूसीसी भाजपा के एजेंडे में शामिल है और वह चुनावी वादों में इस बात की जिक्र करती रही है। इसीलिए भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी कानून लाने का प्रयास जारी है। उत्तराखंड, गुजरात और असम के बाद अब पश्चिम बंगाल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू किया जाएगा। लेकिन यह संविधान के खिलाफ है। संविधान के मुताबिक, जिस राज्य में यूसीसी लागू किया जाएगा, वहां की जनता से राय मांगी जाएगी। सभी समुदाय के लोगों की सहमति के बाद यूसीसी लागू किया जाएगा। जिन राज्यों में यूसीसी लागू है वहां एकतरफा है। मौलाना ने कहा कि उत्तराखंड में यूसीसी लागू होते समय जस्टिस रंजना देसाई की कमेटी ने मुसलमान समुदाय से बात नहीं की।

मुहर्रम के दौरान कराची में बिजली व गैस की कटौती ने बढ़ाई परेशानी

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कराची में गैस और बिजली कटौती की वजह से त्योहार के मौके पर भी लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान की स्थानीय मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, लोगों को आशूरा के लिए 'सेहरी' और इफ्तार का खाना बनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कराची की बिजली आपूर्ति कंपनी के-इलेक्ट्रिक ने दावा किया है कि उसने मुहर्रम 11 तक कई इलाकों को तय लोडशेडिंग से छूट दी है। हालांकि, पाकिस्तान के अखबार डॉन के अनुसार,

दुकानों के बाहर लगी लाइन

कई इलाकों में लोगों को धार्मिक आयोजनों के दौरान बिजली के लिए दूसरे तरीकों का इस्तेमाल करना पड़ा। सद्दार, बर्न्स रोड, ल्यारी, क्लिफ्टन, डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी, फेडरल बी एरिया, उत्तरी कराची, लियाकतबाद, मालिर, कोरंगी, शाह फैसल कॉलोनी, ओरंगी टाउन, केमारी और बलदिया टाउन सहित शहर के बड़े हिस्सों में बुधवार देर रात से लंबे समय तक बिजली कटौती की समस्या देखने को मिली। हालांकि के-इलेक्ट्रिक ने दावा किया कि बिजली की सप्लाई शेड्यूल के हिसाब से बिना रुके हो रही है।

तारातला हादसे पर मुख्यमंत्री ने कहा- वास्तुकार और डिजाइनर होंगे ब्लैकलिस्ट

एजेंसी। कोलकाता

कोलकाता के तारातला में निर्माणाधीन गोदाम की छत ढहने की घटना के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि परियोजना की निगरानी के लिए जिम्मेदार वास्तुकार और डिजाइनर को तत्काल प्रभाव से ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सिर्फ शुरुआत है और भविष्य में निगरानी में लापरवाही बरतने वाले किसी भी वास्तुकार, योजनाकार या डिजाइनर के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी। कोलकाता के मैदान स्थित लोक निर्माण विभाग के शिविर में मुख्यमंत्री ने कहा कि शनिवार को सरकारी कार्यालय खुलते ही कोलकाता नगर निगम की आयुक्त एवं प्रशासक स्मिता पांडे ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू करेंगी। उन्होंने कहा कि वास्तुकार, योजनाकार, डिजाइनर और उनसे जुड़ी संस्थाएं स्वीकृत परियोजनाओं की निगरानी करने के लिए जिम्मेदार होती हैं। उन्होंने लिखित आश्वासन दिया था कि निर्माण कार्य की देखरेख करेंगे, लेकिन तारातला मामले में ऐसा नहीं किया गया। इसलिए उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कोलकाता में निर्माण कार्यों से जुड़े पूरे "अवैध गठजोड़" को खत्म करेगी। उन्होंने कहा, "कोलकाता के हर अवैध गठजोड़ को तोड़ा जाएगा।

ताजिया जुलूस के दौरान बड़ा हादसा, करंट से तीन की मौत; 12 से ज्यादा लोग झुलसे

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के पिपलौदा क्षेत्र के ग्राम हतनारा में मोहर्रम जुलूस के दौरान गुरुवार रात बड़ा हादसा हो गया। ताजिया 11 केवी हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से उसमें करंट फैल गया, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 12 से अधिक लोग झुलस गए। हादसे के बाद जुलूस में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। ग्रामीणों और निजी वाहनों की मदद से घायलों को तत्काल रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार घटना रात करीब 11:15 बजे की है। पंचमुखी महादेव मंदिर और मस्जिद के बीच मुख्य मार्ग से ताजिया निकाला जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ताजिया करीब 10 से 12 फीट ऊंचा था, लेकिन लोगों द्वारा उठाने के बाद इसकी ऊंचाई करीब 16 से 17 फीट तक पहुंच गई। इसी दौरान ताजिया ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गया और जोरदार आवाज के साथ करंट फैल गया। इस हादसे में ग्राम हतनारा निवासी अरबाज खान, रशीद खान और सड्डू खान की मौत हो गई। वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।

वैष्णो देवी यात्रा को सुरक्षा होगी और मजबूत डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने दिए निर्देश

कटरा। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और उधमपुर-रियासी रेंज के डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने शुक्रवार को तीर्थयात्रियों की संख्या में संभावित बढ़ोतरी को देखते हुए कटरा और भवन के रास्ते में सुरक्षा और ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लेने और उन्हें मजबूत करने के लिए एक उच्चस्तरीय संयुक्त सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, ताकि श्री माता वैष्णो देवी यात्रा सुचारू, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। बैठक में एसएसपी रियासी, एसपी कटरा, एसडीपीओ कटरा, डिप्टी सीएपी भवन, सेना, सीआरपीएफ, इंटेलिजेंस ब्यूरो, सीआईडी, रेलवे, ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान एसएसपी रियासी ने कटरा शहर, यात्रा मार्ग और पवित्र मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था पर एक व्यापक सुरक्षा ग्रिड और विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। रास्ते में तैनाती, सीसीटीवी निगरानी तंत्र, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय सहित सभी मौजूदा सुरक्षा उपायों की गहन समीक्षा की गई। कटरा शहर, यात्रा मार्ग और पवित्र मंदिर के आसपास के सभी पहाड़ी इलाकों, ऊंची चोटियों और संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया।

आज कल

उपराष्ट्रपति ने दिया 'नशा मुक्त भारत' का संदेश

एजेंसी। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन समेत कई नेताओं ने 'नशा मुक्त भारत' का संदेश दिया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस पर, आइए हम 'नशा मुक्त भारत' बनाने के अपने सामूहिक संकल्प को दोहराएं। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "मैं उन विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों और संगठनों की सराहना करता हूं जो इस अभियान को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। उनके प्रयास एक मज़बूत, स्वस्थ और नशा-मुक्त भारत बनाने की दिशा में सार्थक योगदान दे रहे हैं। आइए, हम सब मिलकर जागरूकता फैलाएं, नशा छोड़ने की प्रक्रिया से गुजर रहे लोगों का समर्थन करें और अपने युवाओं को नशे के बजाय उम्मीद, सेहत और जीवन के मकसद को चुनने के लिए प्रेरित करें।"केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ़ अंतरराष्ट्रीय दिवस पर आइए हम एक स्वस्थ, मज़बूत और नशा-मुक्त भारत बनाने के अपने संकल्प को दोहराएं। जागरूकता, स्वस्थ जीवन-शैली और सही विकल्पों को बढ़ावा देकर, हम अपने युवाओं को उनकी पूरी क्षमता पहचानने और देश की प्रगति में योगदान देने के लिए सशक्त बना सकते हैं।"उन्होंने आगे लिखा कि आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे भविष्य की दिशा में काम करें जहां हर व्यक्ति उम्मीद, सम्मान और अवसरों के साथ आगे बढ़ सके। राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस पर, आइए हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशा-मुक्त समाज बनाने के अपने संकल्प को दोहराएं।

ड्रग्स तस्करों पर सख्ती, नशे के शिकार लोगों के लिए सहानुभूति : अमित शाह

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में नारकोटिक्स कंट्रोल (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने देश को नशे के खतरे से बचाने के लिए तैयार किए गए 'विजन डॉक्यूमेंट ऑन नारकोटिक्स कंट्रोल' का भी शुभारंभ किया। संबोधन में अमित शाह ने कहा कि देश आज नशे के खिलाफ लड़ाई के बेहद निर्णायक मोड़ पर खड़ा है और आने वाले तीन साल बेहद अहम होंगे। अमित शाह ने कहा कि 26 जून भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन है। एक ओर देश नशे के खिलाफ प्रभावी रोडमैप तैयार कर रहा है, वहीं आज महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती भी है। 'बंकिम बाबू' ने गुलामी के दौर में देश के आत्मविश्वास को जगाने का काम किया और 'वंदे मातरम' जैसी अमर रचना दी।उन्होंने कहा, "'वंदे मातरम्' केवल एक नारा या गीत नहीं है। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रभक्ति और देश के पुनर्निर्माण का मंत्र है। आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का सबसे बड़ा उद्घोष भी 'वंदे मातरम' ही था। इतिहास गवाह है कि देश के अनेक स्वतंत्रता सेनानी फांसी के फंदे पर चढ़ते समय भी अपने अंतिम शब्द के रूप में 'वंदे मातरम' का ही उच्चारण करते थे।

इमा कराटे खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, 5 स्वर्ण सहित 8 पदक जीते

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, डोरंडा की मेजबानी में आयोजित सीआईएससीई जोनल कराटे प्रतियोगिता में इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाँच स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य सहित कुल आठ पदक अपने नाम किए। अकादमी के खिलाड़ियों ने विभिन्न विद्यालयों का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल की ओर से खेलते हुए मारिया लवलीन खेस, बृष्टि मोनिका केरकेट्टा, शाइनी शिमोना टोप्पो ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि सुनिधि एक्का ने रजत पदक पर कब्जा जमाया। बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, नामकुम की खिलाड़ी मिस्टी कुमारी ने भी अपनी स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। बिशप स्कूल, बहू बाजार की ओर से खेल रहे प्रीत सोनी ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया, जबकि हुज़ैफ़ा ने कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं बिशप वेस्टकॉट बॉयज स्कूल, नामकुम के आदित राज ने रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सफलता हासिल करने वाले सभी खिलाड़ियों को इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तकनीकी निदेशक रेंशी सुनील किस्पोट्टा और अध्यक्ष सेंसई अनिल किस्पोट्टा ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रेंशी सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि खिलाड़ी पिछले दो माह से लगातार प्रशिक्षण केंद्र में कठिन अभ्यास कर रहे थे। उनकी मेहनत का ही परिणाम है कि सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए। वहीं अध्यक्ष अनिल किस्पोट्टा ने कहा कि खिलाड़ियों को आगामी क्षेत्रीय कराटे प्रतियोगिता के लिए और बेहतर तैयारी कराई जाएगी, ताकि बिहार की राजधानी पटना में होने वाली प्रतियोगिता में भी वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अधिक से अधिक पदक जीत सकें।

ओलंपिक दिवस पर पर्यावरण संरक्षण अभियान लाइट हाउस रिसॉर्ट परिसर में लगाए गए फलदार पौधे

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। ओलंपिक दिवस के अवसर पर धनबाद जिला ओलंपिक संघ की ओर से चलाए जा रहे साप्ताहिक वृक्षारोपण अभियान के चौथे दिन शुक्रवार को बलियापुर हीरक रोड स्थित कोलाकुसमा के लाइट हाउस विश्रामगृह परिसर में दर्जन भर फलदार पौधे लगाए गए। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक पौधरोपण को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर जिला ओलंपिक संघ के महासचिव रंजीत केशरी, वरीय उपाध्यक्ष ज़ुबैर आलम और रेज़ा इश्त्याक, कोषाध्यक्ष पवन कुमार बरनवाल, संयुक्त सचिव प्रियरंजन कुमार तथा धनबाद जिला योगासन खेल संघ के अध्यक्ष कैप्टन प्रदीप मोहन सहाय ने परिसर के विभिन्न स्थानों पर पौधे रोपे।

सभी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल देते हुए लोगों से अधिकाधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। संघ की ओर से बताया गया कि पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण अभियान के तहत शनिवार को पांचवें दिन राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर तथा आमाघाटा स्थित मोंटफोर्ट अकादमी परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के माध्यम से विद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं को भी पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

जैवलिन थ्रो छोड़ रग्बी में चमकीं अमनदीप कौर, बनीं बेस्ट प्लेयर

लक्ष्य भारत के लिए गोल्ड जीतकर लाना

जैवलिन से रग्बी तक का सफर : *पंजाब की 24 वर्षीय अमनदीप कौर ने जैवलिन थ्रो छोड़कर रग्बी में पहचान बनाई और रग्बी प्रीमियर लीग 2026 में 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन' का पुरस्कार जीता।*

एजेंसी । हैदराबाद

पंजाब की 24 वर्षीय अमनदीप कौर कभी जैवलिन थ्रो में करियर बनाने के लिए मेहनत करती थीं, लेकिन इस खिलाड़ी ने हाल ही में आयोजित रग्बी प्रीमियर लीग 2026 में 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन' का खिताब जीत लिया है। हालांकि, ऐसा करना आसान नहीं था। अप्रैल में इस लीग के पहले सीजन की नीलामी के दिन अमनदीप को सुबह 9 बजे से रात 8 बजे जब किसी टीम ने नहीं चुना, तो वह काफी निराश हो गईं। लेकिन तभी रात करीब 8 बजे उनकी एक दोस्त ने इंस्टाग्राम पर देखकर खुशखबरी दी कि उन्हें 'चेन्नई बुल्स' ने खरीद लिया है। 1.6 लाख रुपए की बोली के साथ वह नीलामी में संयुक्त रूप से तीसरी सबसे महंगी खिलाड़ी बनीं। उनका यह चयन सही साबित हुआ, क्योंकि उनके शानदार खेल की बदौलत चेन्नई बुल्स लीग चरण में शीर्ष पर रही और टूर्नामेंट की उपविजेता बनी।

अमनदीप का रग्बी तक पहुंचने का सफर भी आसान नहीं था। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब की श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी से फिजिकल एजुकेशन में ग्रेजुएशन करने वाली अमनदीप शुरुआत में एक जैवलिन थ्रोअर थीं। लेकिन आर्थिक चुनौतियों और अपने कोच के सेंटर बदल जाने के कारण उन्हें ट्रेनिंग में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसी दौरान न्यूजीलैंड की स्टार प्लेयर पोर्टिया वुडमैन की ताकत और खेल में दिखने वाली आक्रामकता ने उन्हें रग्बी की ओर खींचा। अमनदीप ने रग्बी के मैदान को अपना गुस्सा और ऊर्जा निकालने का जरिया माना। हालांकि, परिवार को समझाना मुश्किल था। उनके भाई, जो खुद एक पहलवान हैं, चाहते थे कि अमनदीप किसी टीम गेम की बजाय व्यक्तिगत खेल पर ध्यान दें। रग्बी खेलते हुए अमनदीप को काफी चोटें आईं। कभी सिर में टांके लगे तो कभी हाथ में फ्रैक्चर हुआ। उन्होंने अपनी चोटें और सर्जरी की बात परिवार से छिपाई, क्योंकि उन्हें डर था कि घरवाले खेलने से रोक देंगे। लेकिन अब परिवार का नजरिया पूरी तरह से बदल चुका है। अमनदीप के हौसले भी बुलंद हैं और उनका अगला लक्ष्य अब आगामी एशियन गेम्स में भारत को मेडल जिताना है।

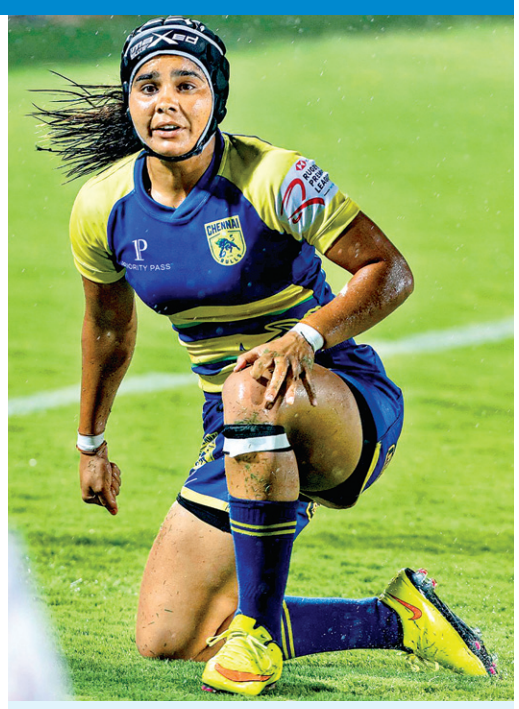

जिनके वीडियो देखकर खेल सीखा, उन्हीं की कप्तानी में खेलीं

2025 में अमनदीप को पहली बार भारतीय टीम के नेशनल कैंप में बुलाया गया। जब चीन और श्रीलंका दौरे के लिए अंतिम 14 खिलाड़ियों का चयन होना था, तो मीटिंग में सबसे पहला नाम अमनदीप का ही पुकारा गया। चीन में एशियन रग्बी सेवन सीरीज में उन्होंने पहली बार भारत की जर्सी पहनी। इस दौरान उन्हें अपनी आदर्श और भारतीय कप्तान शिखा यादव के साथ खेलने का मौका भी मिला, जिनके वीडियो देखकर वह खेल सीखा करती थीं।

फीफा विश्व कप

पैराग्वे से गोलरहित ड्रॉ खेलकर ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम 32 में बनाई जगह

एजेंसी । सैन फ्रांसिस्को

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को पैराग्वे के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेलकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस परिणाम के साथ ऑस्ट्रेलिया ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहा, जबकि पैराग्वे को अब अगले दौर में पहुंचने के लिए अन्य मुकाबलों के नतीजों का इंतजार करना होगा। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक खेल दिखाया। कोच टोनी पोपोविच ने शुरुआती एकादश में छह बदलाव किए और नेस्टोरी इरानकुंडा तथा क्रिस्टियन वोल्पाटो को मौका दिया। मैच के शुरुआती मिनटों में जैक्सन इरविन के पास गोल करने का अच्छा अवसर था, लेकिन पैराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने शानदार बचाव किया। इसके बाद भी जॉर्डन बॉस और वोल्पाटो ने कई हमले किए, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में पैराग्वे ने वापसी की कोशिश की। कोच गुस्तावो अल्फारो ने मौरिसियो को मैदान पर उतारा, जबकि जूलियो एनसिसो ने लगातार ऑस्ट्रेलियाई रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। हालांकि 82वें मिनट में एनसिसो का शॉट गोलपोस्ट के बाहर चला गया। मैच के अंतिम मिनटों में दोनों टीमों ने जीत के लिए प्रयास किए।

मिशन 2028 के लिए अशोक डिंडा बने बंगाल टीम के मुख्य तेज गेंदबाजी कोच

नवीन मेल संवाददाता

कोलकाता। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने मिशन 2028 के तहत पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज और पश्चिम बंगाल सरकार में कृषि विपणन तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं वस्त्र विभाग के राज्य मंत्री अशोक डिंडा को बंगाल टीम का मुख्य तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। इस संबंध में जानकारी स्वयं अशोक डिंडा ने अपने सामाजिक माध्यमों पर साझा की। उन्होंने इस नई जिम्मेदारी के लिए क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा तेज गेंदबाजों को तैयार करने और बंगाल क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल की ओर से शुरू किए गए मिशन 2028 का उद्देश्य राज्य में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार करना है। अशोक डिंडा की नियुक्ति को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। क्रिकेट जगत में लंबे अनुभव के आधार पर उनसे बंगाल के तेज गेंदबाजों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत ने 7 गोल्ड के साथ जीते 24 मेडल

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत ने आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 24 मेडल अपने नाम किए। जर्मनी के सुहल में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारत ने 7 गोल्ड, 8 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए। भारत के अभियान की शुरुआत जबरदस्त रही। सेजल कांबले ने 10 मीटर एयर पिस्टल विमेंस जूनियर इवेंट में व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीता, जबकि हिमांशी ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। इसके बाद सेजल कांबले, वंशिका चौधरी और नव्या बिश्नोई की तिकड़ी ने इसी इवेंट के टीम मुकाबले में गोल्ड मेडल जीतकर चैंपियनशिप में भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। समीर ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष जूनियर इवेंट में गोल्ड मेडल जीता, जबकि रोहित कन्यान 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन पुरुष जूनियर प्रतियोगिता में विजेता बने। प्राची गायकवाड़ ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन महिला जूनियर इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। इनके अलावा, भारत ने लगातार अच्छा टीम प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन पुरुष जूनियर टीम और 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष जूनियर टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए।

अन्वी राठौड़ ने 10 मीटर एयर राइफल महिला जूनियर इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल पर निशाना साधा, जिसके बाद प्रीतम केंद्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल पुरुष जूनियर इवेंट में गोल्ड मेडल हासिल किया। भारत ने 25 मीटर पिस्टल महिला जूनियर टीम और 25 मीटर पिस्टल पुरुष जूनियर टीम इवेंट में भी ब्रॉन्ज मेडल जीते और स्टैंडिंग में अपनी टॉप पोजिशन को और मजबूत किया। 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर कैटेगरी में, शिवा नरवाल ने सिल्वर और युग प्रताप सिंह राठौड़ ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर शानदार डबल-पोडियम फिनिश हासिल की। इसके बाद नरवाल ने संदीप बिश्नोई और चिराग शर्मा के साथ मिलकर टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, जिसके बाद वंशिका चौधरी के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में एक और सिल्वर मेडल हासिल किया।

भारत बनाम आयरलैंड

शिवम दुबे जन्मदिन पर टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले चौथे भारतीय बने

बेलफास्ट । शिवम दुबे जन्मदिन पर टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में विकेट हासिल करने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं। शुक्रवार को अपना 33वां जन्मदिन मना रहे शिवम दुबे ने आयरलैंड के विरुद्ध टी20 सीरीज के पहले मैच में बेंजामिन कैलिट्ज को आउट करने के साथ यह कारनामा किया। मुकाबले के आठवें ओवर में भारत के नव नियुक्त कप्तान श्रेयस अय्यर ने दुबे को गेंद सौंपी और अपनी पहली ही गेंद पर दुबे ने कैलिट्ज को प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच आउट कराया। दुबे से पहले भारतीय खिलाड़ियों की इस सूची में युवराज सिंह, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ऐसा कर चुके हैं। सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में जारी इस मुकाबले में श्रेयस अय्यर ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में टॉस जीता।

व्यापार/लाइफ व साइंस

एआई, क्वांटम, परमाणु और अंतरिक्ष तकनीक भारत को बनाएंगी वैश्विक महाशक्ति : डॉ जितेंद्र सिंह

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत तेजी से अत्याधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), परमाणु, अंतरिक्ष और क्वांटम तकनीक आने वाले समय की आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा तय करेंगी। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में शुरू किए गए राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) ने केवल तीन वर्षों में अपने तय लक्ष्यों में से आधे से अधिक हासिल कर लिए हैं। क्वांटम आधारित सुरक्षित संचार (क्वांटम सिक्योर कम्युनिकेशन) के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसका उपयोग रक्षा, रणनीतिक संचार, साइबर सुरक्षा और संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा में किया जा सकता है। उन्होंने कहा, "भारत आज उस मुकाम पर पहुंच चुका है, जहां वह कई महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। साथ ही ऐसी क्षमताएं विकसित कर रहा है, जो आने वाले समय में आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा तय करेंगी। डॉ. सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष, परमाणु और क्वांटम तकनीक भविष्य की विश्व व्यवस्था को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी। ये तकनीकें केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि रणनीतिक ताकत और भू-राजनीतिक स्थिति को भी प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि जो देश इन तकनीकों में पीछे रह जाएंगे, वे विकास और सुरक्षा दोनों मामलों में पिछड़ने का जोखिम उठाएंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर बोलते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि एआई अब हर क्षेत्र के लिए एक जरूरी उपकरण बनता जा रहा है।

आने वाले समय में इसका प्रभाव शासन, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान और सार्वजनिक सेवाओं पर और अधिक बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे, कंप्यूटिंग क्षमता, डेटा संसाधनों और भरोसेमंद ऊर्जा प्रणालियों में निवेश करके इस पूरे तकनीकी इकोसिस्टम को लगातार मजबूत कर रहा है। डॉ. सिंह ने कहा कि आधुनिक दुनिया में तकनीकी प्रगति ही विकास की सबसे बड़ी ताकत बन चुकी है और कोई भी देश नवाचार तथा अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाए बिना लंबे समय तक विकास नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक मूल्यों, समावेशी विकास और सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखते हुए इस तकनीकी परिवर्तन को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्नत कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मजबूत और भरोसेमंद ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता होगी।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज जबरदस्त गिरावट का रुख बना रहा। भाव में आई कमजोरी के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 2,750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 2,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,290 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट आई है। चांदी भी आज के कारोबार में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक लुढ़क गई।

सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,41,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता रहा। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,29,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिका। चांदी के भाव में भी गिरावट होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिकी। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,41,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,29,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,41,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,29,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत ने आइसलैंड में लगाई आम की प्रदर्शनी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत ने आइसलैंड में अपने प्रीमियम आमों के निर्यात को बढ़ाने के लिए पहली बार भारतीय आमों की विभिन्न किस्मों की प्रदर्शनी आयोजित है जिसमें दोनों देशों के बीच कृषि व्यापार को मजबूत करने के मौकों पर जोर दिया गया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि ये कार्यक्रम आइसलैंड की राजधानी रेक्याविक स्थित भारतीय दूतावास ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से 24 जून को रेक्याविक तथा 25 जून को उत्तरी आइसलैंड के अक्यूरेरी में पहली बार भारतीय आम के प्रोत्साहन का कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें दशहरी, चौसा, लंगड़ा और केसर किस्म के भारतीय आमों की समृद्ध विविधता और उनके निर्यात की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया।

केंद्र की 'ईजी कनेक्ट' सेवा शुरू, छोटे शहरों से अंतरराष्ट्रीय सफर को मिली नई रफ्तार

एजेंसी । नई दिल्ली

नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने शुक्रवार को वाराणसी से भारत की पहली 'ईज़ी कनेक्ट' उड़ान की शुरुआत की। इसके साथ ही सरकार के नए हब-एंड-स्पोक विमानन मॉडल को लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य टियर-2 और टियर-3 शहरों के यात्रियों को बिना परेशानी के अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराना है। सरकार का मानना है कि यह पहल भारत को वैश्विक विमानन केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। साथ ही, छोटे शहरों से विदेश जाने वाले यात्रियों के लिए यात्रा पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और सुविधाजनक हो जाएगी। इस सेवा की शुरुआत वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से की गई। यह सरकार के उस प्रयास का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसके तहत टियर-2 और टियर-3 शहरों में रहने वाले लोगों के लिए हवाई यात्रा को अधिक सुलभ बनाया जा रहा है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 1 अरब डॉलर बढ़कर 672.5 अरब डॉलर पहुंचा, गोल्ड रिजर्व में जोरदार बढ़ोतरी

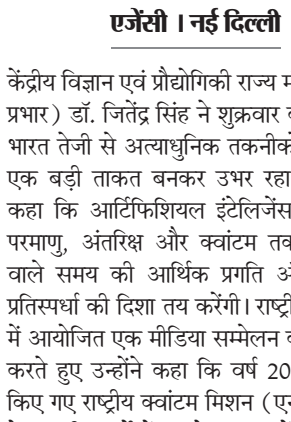

एजेंसी । मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 19 जून को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 672.587 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जिससे पिछले सप्ताह दर्ज की गई गिरावट की भरपाई हो गई है। समीक्षा अवधि के दौरान भारत के स्वर्ण भंडार (गोल्ड रिजर्व) का मूल्य 4.11 अरब डॉलर बढ़कर 107.930 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) होल्डिंग 5.2 करोड़ डॉलर घटकर 18.647 अरब डॉलर रह गई।

इससे पहले रिपोर्टिंग सप्ताह में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज की गई थी। हालिया उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दुनिया के सबसे बड़े भंडारों में शामिल है। हालांकि, यह अभी भी 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में दर्ज किए गए 728.494 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर से नीचे है।

अकीदत, अमन और भाईचारे के माहौल में मना मुहर्रम

अखाड़ों के हैरतअंगेज करतबों ने मोहा मन

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। प्रखंड मुख्यालय सहित पूरे क्षेत्र में शुक्रवार को मुहर्रम का पर्व पूरी अकीदत, शांति और आपसी भाईचारे के माहौल में मनाया गया। इमाम हुसैन की शहादत की याद में बारियातू, साल्वे, इटके, रहमत नगर, रत्नादाग, बठेठ, नावाडीह, फुलसू समेत विभिन्न गांवों से अखाड़ों द्वारा भव्य जुलूस निकाला गया। बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने जुलूस में शामिल होकर इमाम हुसैन को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। मुहर्रम का जुलूस धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांप्रदायिक सौहार्द, गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक एकता का प्रतीक बना। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन, शांति और भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। बारियातू बस स्टैंड, साल्वे, रत्नादाग, इटके, फुलसू, रहमत नगर और बरछियां चौक सहित विभिन्न स्थानों पर अखाड़ों के कलाकारों ने लाठी, भाला, तलवारबाजी समेत पारंपरिक युद्ध कौशल के शानदार करतब प्रस्तुत किए। कलाकारों के हैरतअंगेज प्रदर्शन पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। इटके मुहर्रम कमेटी की ओर से कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का बैच लगाकर एवं पारंपरिक पगड़ी पहनाकर स्वागत व सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अंचलाधिकारी कोकिला कुमारी, जिला परिषद सदस्य रमेश राम, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र गंझू, पूर्व जिला परिषद प्रत्याशी बिरेंद्र पासवान, टोंटी पंचायत समिति सदस्य सह जेएमएम नेता मोहम्मद होजैफा, प्रमुख उर्मिला देवी, उपप्रमुख निशा शाहदेव, प्रखंड उपाध्यक्ष लाल आशीष नाथ शाहदेव, टोंटी मुखिया शांति देवी, मुखिया संघ अध्यक्ष राजीव भगत सहित कई जनप्रतिनिधि एवं मुहर्रम कमेटियों के पदाधिकारी उपस्थित थे। अतिथियों ने शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन के लिए सभी कमेटियों को बधाई दी।

मुहर्रम को लेकर सड़क पर उतरे डीसी-एसपी, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

लातेहार। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से लातेहार जिला प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में है। शुक्रवार को जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। जिले के विभिन्न इलाकों में पुलिस वाहनों के सायरन गूंजते रहे, जबकि प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र भ्रमण कर विधि-व्यवस्था का जायजा लेते रहे। उपायुक्त संदीप कुमार एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने जिला मुख्यालय, रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए पर्व के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। इससे पूर्व गुरुवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों एवं संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च निकालकर लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से मुहर्रम मनाने की अपील की गई थी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिलेभर में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है तथा विभिन्न स्थानों पर दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर भी प्रशासन की विशेष नजर है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भ्रामक अथवा आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के अनुसार, शहरी क्षेत्र में 27 जून को मुहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा, जबकि रेलवे स्टेशन एवं कई ग्रामीण क्षेत्रों में 26 जून को मुहर्रम की दसवीं के अवसर पर ताजिया जुलूस निकाले गई हैं।

मुहर्रम पर विजेताओं को मेडल व ट्रॉफी से किया गया सम्मानित

हैदरनगर। मुहर्रम पर्व की दसवीं तिथि पर शुक्रवार को ग्राम पंचायत चौकड़ी के भीखा बिगहा गांव में विभिन्न पारंपरिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मेडल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

संवाददाता के रूप में बनाइए शानदार करियर

1994 से डाल्टनगंज और 1999 से रांची से लगातार प्रकाशित दैनिक राष्ट्रीय नवीन मेल को दोनों संस्करणों के लिए मुख्यालय जिला और प्रखंड स्तर पर समाचारों की समझ रखने वाले जुझारू पत्रकारों और ट्रेनी युवा पत्रकारों की आवश्यकता है। पूर्ण विवरण, आधार कार्ड, अनुभव और फोटो के साथ इमेल करें। संपूर्ण पत्राचार पूर्णतः गोपनीय रहेगा। समय पर उचित सम्मानजनक पारिश्रमिक और विज्ञापनों के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

प्रधान संपादक
hr.rnmail@gmail.com

दहेज का बकाया 70 हजार नहीं मिलने पर

कसमार में नवविवाहित को पेट्रोल डालकर जलाया

नवीन मेल संवाददाता

कसमार (पलामू)। पलामू जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के कसमार में दहेज का बकाया 70 हजार रुपये नहीं मिलने पर एक नवविवाहित को पेट्रोल डालकर जला दिया गया। कई दिनों तक रांची रिम्स में इलाज चलने के बाद उसकी मौत हो गई। शव के साथ परिजन शुक्रवार को तरहसी थाना पहुंचे और पति पवन कुमार और ससुर महेंद्र राम के खिलाफ मामला दर्ज कराया। थाना प्रभारी आनंद राम ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आवेदन मिला है। केस दर्ज किया गया है। इधर, मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दोपहर में शव का पोस्टमार्टम किया गया। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार चतरा जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव के रहने वाले बबलू राम ने अपनी 20 वर्षीया पुत्री नेहा कुमारी की शादी 25 नवंबर 2025 को पदमा सूर्य मंदिर में कसमार के पवन कुमार पिता महेंद्र राम से की थी। शादी के समय डेढ़ लाख रुपये दहेज देने की बात कही गई थी। 80 हजार दिए गए थे। 70 हजार बकाया था। शादी के बाद नेहा को दहेज के बकाया रुपए के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। नेहा की मां, पिता, मौसी सहित अन्य परिजनों का आरोप है कि 10 जून को पति एवं ससुर ने मिलकर पेट्रोल डालकर उसके शरीर में आग लगा दी। सूचना मिलने पर पिता बबलू नेहा का इलाज पहले मेदिनी नगर के निजी अस्पताल में कराया। स्थिति गंभीर होने पर रांची ले गए। वहां भी निजी अस्पताल में पहले इलाज किया गया। बाद में रांची रिम्स में भर्ती किया गया। 25 जून को इलाज के क्रम में रिम्स के डॉक्टर ने जवाब दे दिया और रोगी को घर ले जाने की सलाह दी। परिजन नेहा को वापस ला रहे थे कि 26 जून की सुबह 2 बजे रास्ते में उसकी मौत हो गई। परिजन डेड बॉडी लेकर सीधे तरहसी थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया।

पुलिस चेकपोस्ट उखाड़ने का मामला

जेएलकेएम नेताओं समेत 34 लोग नामजद, 125 अज्ञात पर प्राथमिकी

- विरोध प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग करीब छह घंटे तक बाधित रहा, जमकर हंगामा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के पोखराहा में फोरलेन सड़क किनारे स्थापित पुलिस चेकपोस्ट को उखाड़ने और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में पुलिस ने जेएलकेएम नेता आयशा सिंह, अनिकेत मेहता, अभिषेक पासवान समेत 34 लोगों को नामजद करते हुए 125 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) राजेश यादव और सदर थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने शुक्रवार को मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कार्रवाई जारी है।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को डालटनगंज-पांकी मुख्य मार्ग स्थित पोखराहा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाइवा की चपेट में आने से पांकी प्रखंड के करार गांव निवासी ग्रामीण चिकित्सक मजीद अंसारी की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना था कि पिछले 15 दिनों के दौरान इसी स्थान पर लगातार सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए।

विरोध प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग करीब छह घंटे तक बाधित रहा। इस बीच प्रदर्शनकारियों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस के अनुसार, इसी दौरान सड़क किनारे स्थापित पुलिस चेकपोस्ट को भी नुकसान पहुंचाया गया और उसे उखाड़ दिया गया। साथ ही सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का भी प्रयास किया गया। घटना की सूचना मिलने पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय पांडे और एसडीपीओ राजेश यादव मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों से लंबी वार्ता कर उन्हें शांत कराया, जिसके बाद जाम समाप्त हुआ और यातायात बहाल कराया गया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों की मांग थी कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग और पांकी रोड के क्रॉसिंग पर प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था की जाए। उनका कहना था कि इस स्थान पर लगातार हो रहे सड़क हादसों के कारण लोगों में भय का माहौल है और स्थायी समाधान के लिए प्रशासन को तत्काल ठोस कदम उठाने चाहिए।

पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था भंग करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोपों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नेटरहाट बस स्टैंड में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे पर चलेगा बुलडोजर

- वन विभाग ने 28 दुकानों को दिया नोटिस, एसडीओ-डीएसपी की सख्त चेतावनी
- सरकारी भवन में रह रहे लोगों को भी खाली करने का अल्टीमेटम,
- एसडीओ बोले- "खुद खाली करें जमीन, वरना कानूनी कार्रवाई तय"

नवीन मेल संवाददाता

नेटरहाट (लातेहार)। पर्यटन नगरी नेटरहाट में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन ने बड़ा एक्शन शुरू कर दिया है। नेतरहाट बाजार परिसर में सालों से काबिज 28 दुकानों और सरकारी भवन में रह रहे लोगों को जल्द जगह खाली करने का सख्त निर्देश जारी किया गया है। तय समय में खाली न करने पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है।

वन विभाग ने बस स्टैंड क्षेत्र में सरकारी जमीन पर बने 28 दुकानों को चिन्हित कर खाली करने का नोटिस थमा दिया है। नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि तय समय-सीमा के अंदर दुकानदार खुद कब्जा हटा लें।

सरकारी भवन भी खाली कराने का आदेश

सिर्फ दुकानें ही नहीं, सरकारी भवन में अवैध रूप से रह रहे लोगों को भी तुरंत भवन खाली करने का सख्त निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने साफ किया है कि सरकारी संपत्ति का निजी उपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की पूरी तैयारी कर ली है। नोटिस अवधि खत्म होते ही बुलडोजर की कार्रवाई शुरू हो सकती है। अधिकारियों ने बताया कि नेटरहाट को अतिक्रमण मुक्त बनाना प्राथमिकता है ताकि पर्यटन विकास के काम में तेजी लाई जा सके।

एसडीओ ने कहा 'कानून अपना काम करेगा'

एसडीओ सुलेमान मुंडरी ने सख्त लहजे में कहा सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले खुद खाली कर दें। अगर तय समय में जमीन खाली नहीं हुई तो कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण हटाने के लिए जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलेगा।

डीएसपी का बयान : 'नियम सबके लिए बराबर'

डीएसपी पूजा कुमारी ने कहा, सरकारी जमीन पर अवैध क जा कानूनन अपराध है। किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं है। प्रशासन का सहयोग करें और शांतिपूर्वक जगह खाली करें। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

दो साल में ही धराशायी हुई वन विभाग की चारदीवारी

निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

नवीन मेल संवाददाता

मनिका। सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं, और अब वन विभाग की एक चारदीवारी के ध्वस्त होने से ऐसे सवाल एक बार फिर चर्चा में हैं जानकारी के अनुसार, वन विभाग द्वारा करीब दो वर्ष पूर्व निर्मित कराई गई चारदीवारी अचानक गिरकर ध्वस्त हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं।बताया जाता है कि उक्त चारदीवारी का निर्माण तत्कालीन रेंजर ठाकुर पासवान की देखरेख में कराया गया था। निर्माण के समय इसे विभाग की महत्वपूर्ण परिसंपत्ति बताते हुए गुणवत्ता पूर्ण कार्य का दावा किया गया था, लेकिन महज दो वर्ष के भीतर ही दीवार का गिर जाना उन दावों की पोल खोलता नजर आ रहा है।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप और गुणवत्तापूर्ण सामग्री से कराया गया होता तो दीवार इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त नहीं होती। लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य मेंअनियमितता और लापरवाही बरती गई, जिसके कारण सरकारी धन से बना ढांचा टिक नहीं सका।चारदीवारी के ध्वस्त होने से न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, बल्कि विभागीय कार्यों और सुरक्षा व्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर निर्माण कार्य की निगरानी किस प्रकार की गई थी और गुणवत्ता की जांच किस स्तर पर हुई थी। खड़े चारदीवारी में भी दरारें पड़ गई है । ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने, निर्माण कार्य की गुणवत्ता की तकनीकी जांच करवाने तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं संवेदकों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, वन विभाग की ओर से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। लोगों को अब जांच और जवाबदेही का इंतजार है।

पेज एक के शेष

गिरफ्तार 6 लोगों...

इस मामले में वेस्ट डिवीजन के साइबर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था। टेक्निकल जांच के दौरान आरोपियों की तलाश में झारखंड, बिहार और दिल्ली में छापेमारी की गई। जांच के दौरान, अलग-अलग बैंकों, आरटीओ और महानगर गैस के नाम पर बनाई गई 999 नकली एपीके फाइलें मिलीं। शुरुआती जांच में पता चला है कि इन अपराधों में धोखाधड़ी की रकम 43 करोड़ 25 लाख रुपए से ज्यादा है। इस केस की आगे की जांच मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच कर रही है और संबंधित राज्यों की पुलिस को भी जानकारी दे दी गई है। यह कार्रवाई मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती, ज्वॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस क्राइम अनिल होन कुंभारे, एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस क्राइम कृष्णकांत उपाध्याय, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस बजरंग बनसोडे, असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस इरफान शेख, सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर सुवर्णा शिंदे द्वारा गई है।

मानसून जुलाई के...

राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक 27.8 मिलीमीटर बारिश पाकुड़ जिले के पाकुड़िया में दर्ज की गई। वहीं, अधिकतम तापमान मेदिनीनगर (डालटनगंज) में 40.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान लातेहार में 23.3 डिग्री सेल्सियस रहा। शुक्रवार को रांची का अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 38.2 डिग्री और न्यूनतम 27.6 डिग्री, मेदिनीनगर (डालटनगंज) में अधिकतम 40.8 डिग्री और न्यूनतम 27.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 38.1 डिग्री और न्यूनतम 27.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, चाईबासा में अधिकतम तापमान 37.8 डिग्री और न्यूनतम 26.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि खूंटी में अधिकतम 34.7 डिग्री और न्यूनतम 24.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों से मौसम के ताजा पूर्वानुमान और विभाग द्वारा जारी अलर्ट पर नजर बनाए रखने की अपील की है। विभाग का कहना है कि जुलाई के पहले सप्ताह में मानसून की सक्रियता बढ़ने के साथ राज्य के कई हिस्सों में अच्छी बारिश होने की संभावना है, जिससे भीषण गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है।

हाईकोर्ट ने बर्खास्त...

न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने बोकारो जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) में वर्ष 2008 से संविदा चपरासी के रूप में कार्यरत रणजीत कुमार हिमांशु की अपील स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि कर्मचारी को जारी कारण बताओ नोटिस में यह तक स्पष्ट नहीं किया गया था कि उसपर किस वस्तु को ले जाने का आरोप है। बाद की सुनवाई में यह तथ्य सामने आया कि मामला चायपत्ती और बिस्किट की चोरी से जुड़ा था। खंडपीठ ने कहा कि किसी भी अनुशासनात्मक कार्रवाई का आधार स्पष्ट और ठोस होना चाहिए। अस्पष्ट कारण बताओ नोटिस को वैध नोटिस नहीं माना जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि बिना समुचित कारणों के सेवा समाप्त करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अनुशासनात्मक दंड आरोप की गंभीरता के अनुरूप होना चाहिए। इस मामले में 17 वर्षों की सेवा समाप्त करना अनुपातिकता के सिद्धांत के विपरीत है। हाईकोर्ट ने यह भी पाया कि कर्मचारी के जवाब, उसकी लंबी सेवा अवधि, सेवा रिकॉर्ड और पारिवारिक परिस्थितियों पर सक्षम अधिकारियों ने कोई समुचित विचार नहीं किया। अदालत ने बोकारो के उपायुक्त और उप विकास आयुक्त को आदेश के अनुपालन की व्यक्तिगत जिम्मेदारी सौंपते हुए निर्धारित समय के भीतर कर्मचारी की बहाली सुनिश्चित करने और अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

असिस्टेंट लॉ अफसर...

अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता मूल रूप से सामान्य प्रशासनिक कैडर में नियुक्त थे, इसलिए उन्हें सीधे असिस्टेंट लॉ ऑफिसर के पद पर पदोन्नत करना सेवा नियमों के विपरीत होगा। अदालत ने यह भी कहा कि यदि अपीलकर्ता को लीगल असिस्टेंट मान लिया जाता है, तो उन अभ्यर्थियों के अधिकार प्रभावित होंगे, जिनके लिए सेवा नियमों में लीगल असिस्टेंट का पद प्रत्यक्ष भर्ती के माध्यम से भरे जाने का प्रावधान है। सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि वह वर्षों से नगर निगम के लीगल सेक्शन में कार्यरत हैं। नगर निगम ने भी विभिन्न पत्रों में उन्हें लीगल असिस्टेंट बताते हुए उनकी पदोन्नति का प्रस्ताव सरकार को भेजा था। इसलिए उन्हें लीगल असिस्टेंट मानते हुए असिस्टेंट लॉ अफसर के पद पर पदोन्नति दी जानी चाहिए। वहीं, रांची नगर निगम की ओर से अधिवक्ता वंदना सिंह ने अदालत में पक्ष रखते हुए कहा कि अपीलकर्ता की मूल नियुक्ति सामान्य प्रशासनिक कैडर में हुई थी और उन्होंने लीगल कैडर में नियमानुसार प्रवेश प्राप्त नहीं किया है। ऐसे में उन्हें प्रोन्नति का लाभ नहीं दिया जा सकता। मामले के अनुसार, अरुण कुमार की नियुक्ति वर्ष 1996 में अनुकंपा के आधार पर क्लास-III कर्मचारी के रूप में हुई थी। बाद में उन्हें नगर निगम के लीगल सेक्शन में सहायक के रूप में पदस्थापित किया गया। वर्ष 2017 में संशोधित सेवा नियम लागू होने के बाद पहली बार अलग लीगल कैडर का गठन किया गया, जिसमें लीगल असिस्टेंट को प्रवेश स्तर का पद, असिस्टेंट लॉ अफसर को प्रथम प्रोन्नति पद तथा लॉ अफसर को द्वितीय प्रोन्नति पद के रूप में निर्धारित किया गया। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि सेवा नियमों के निर्धारित प्रावधानों से हटकर किसी कर्मचारी को केवल कार्य के आधार पर लीगल कैडर का सदस्य नहीं माना जा सकता। इसलिए अपीलकर्ता की पदोन्नति संबंधी मांग स्वीकार करने का कोई कानूनी आधार नहीं बनता है।

सेना की टीम...

पुलिस अधीक्षक पश्चिमी सिंहभूम अमित रेनू के निर्देश पर शुक्रवार को अपर पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनोहरपुर डेबिट धोरे, मनोहरपुर थाना प्रभारी धनंजय बैठा, अंचलाधिकारी, स्थानीय मुखिया और ग्राम प्रधान की मौजूदगी में भारतीय सेना की बीडीडीएस टीम ने निर्धारित सुरक्षित स्थान पर विस्फोटक का सफलतापूर्वक नष्ट किया।

दिव्यांग अभ्यर्थी सदानंद...

तो पहले अन्य दिव्यांग उप-श्रेणियों के बीच पदों का इंटरचेंज किया जाना अनिवार्य है। यदि इसके बाद भी पद रिक्त रह जाते हैं, तो उन्हें अगले भर्ती चक्र के लिए कैरी फॉरवर्ड किया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह तथ्य भी रखा गया कि याचिकाकर्ता सदानंद कुमार को परीक्षा में 580 अंक प्राप्त हुए थे, जो चयनित एक अन्य दिव्यांग अभ्यर्थी के समान थे। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सदानंद कुमार ने चयन के लिए आवश्यक न्यूनतम मानक प्राप्त किया था और उन्हें केवल तकनीकी आधार पर नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि जेपीएससी ने स्वयं स्वीकार किया है कि दिव्यांग वर्ग के चार आरक्षित पद रिक्त रह गए थे। ऐसे में आयोग को दिव्यांग उप-श्रेणियों के बीच इंटरचेंज के वैधानिक प्रावधान का लाभ देते हुए याचिकाकर्ता के मामले पर विचार करना चाहिए था। इन तथ्यों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर हाईकोर्ट ने जेपीएससी को निर्देश दिया कि वह 12 सप्ताह के भीतर सदानंद कुमार की नियुक्ति के लिए आवश्यक अनुशंसा करे। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस सीमा तक रिट याचिका आंशिक रूप से स्वीकार की जाती है।

रामगढ़ सदर अस्पताल...

आनन-फानन में अस्पताल के कर्मचारियों ने अग्निशमन दल को फोन किया और आग पर काबू पाने की कोशिश की। सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन थिएटर में गर्मी की वजह से लगातार एसी चल रहा था। इसी दौरान एसी हिट होने की वजह से उसके अंदर शॉर्ट सर्किट हुआ। अच्छी बात यह रही कि आग बाहर नहीं फैली और उसपर समय रहते काबू पर पा लिया गया। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल में चार और ऑपरेशन थिएटर हैं, जिसमें मरीजों का ऑपरेशन हो रहा है। फिलहाल, जिस ऑपरेशन थिएटर में अगलगी की घटना हुई थी, उसे नन फंग्शनल रखा गया है। उस कमरे की वायरिंग और अन्य तकनीकी चीजों की जांच करने के बाद उसे शुरू किया जाएगा। हालांकि, इस घटना से सदर अस्पताल में चिकित्सीय सेवा प्रभावित नहीं हुई है।

हैदरनगर में 22 घंटे से बिजली गुल लोग परेशान, मिस्त्री का फोन बंद

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। बेलगाम हैदरनगर के चौकड़ी विद्युत सब स्टेशन से जुड़े हैदरनगर क्षेत्र में पिछले 22 घंटे से बिजली आपूर्ति ठप है। गुरुवार की सुबह 4 बजे से मध्यरात के बाद 2 बजे तक मात्र एक घंटे भी बिजली नहीं मिली है। सांसद प्रतिनिधि डॉ. अजय जयसवाल, युवा समाजसेवी हिमांशु तिवारी, उज्ज्वल पांडेय, जफर हुसैन, रौनक सिंह आदि पूरी रात बिजली नहीं मिलने पर तंग आकर शुक्रवार की अहले सुबह 3 बजे के बाद सब स्टेशन पहुंचे। किसी भी मिस्त्री का कॉल रिसीव नहीं होने पर अंततः थाना प्रभारी तंजीलुल मन्नान के नेतृत्व में मिस्त्री के डेरा तक लाइन चालू कराने को जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि मुहर्रम की जुलूस समाप्त होने के बाद बिजली चालू करने का आदेश दिया गया था। इसके बावजूद आपूर्ति बहाल नहीं की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली मिस्त्री घर पर आराम कर रहे हैं। उनके द्वारा 'लाइन क्लियर' नहीं देने के कारण बिजली बंद रखी गई थी। मिस्त्री का फोन भी रिसीव नहीं हो रहा था। इस दौरान भीषण गर्मी में 22 घंटे बिजली गुल रहने से लोगों का गुस्सा फूटने के साथ ही सभी घरों में पेयजल संकट गहरा गया। बैटरी व इन्वर्टर भी जवाब दे गए हैं। बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को भारी परेशानी हो रही है। उन्होंने विभागीय लापरवाही को गंभीरता से लेकर तत्काल बिजली आपूर्ति व्यवस्था ससमय बहाल करने और लापरवाह कर्मियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। उपभोक्ता ने विभाग पर तंज कसते हुए कहा कि - वाह रे हैदरनगर का विद्युत विभाग और उसके कर्मचारी, शुक्रवार की सुबह 3 बजे के बाद हैदरनगर में बिजली चालू हुई पुनः शुक्रवार सुबह 4 बजे के बाद बंद कर दी गई, मुहर्रम का जुलूस सुबह 9 बजे निकल कर 11 बजे तक संपन्न हो गया। जब बिजली देने का समय आया तो लापरवाह कर्मचारी हैदरनगर बाजार में जले केबल को ठीक करने का काम करने लगे। जिससे क्षेत्र में बिजली बंद कर दी थी। बेलगाम अभियंताओं और कर्मचारियों की कौन खबर लेंगे, जनप्रतिनिधि और बड़े अधिकारी भी कान आंख बंद कर फील गुड कर रहे हैं। क्या बिजली विभाग के कर्मचारी बिजली विभाग के अधिकारियों पर भारी हैं। बीती रात भी बिजली बंद कर चौकड़ी सब स्टेशन का कर्मचारी मनोज सिंह अपने घर आराम से सो रहा था और आम लोग भीषण गर्मी में तड़प रहे थे। लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई कौन करेंगे यह जनता की समझ से बाहर हो गया है।

खेती की चिंता में किसान परेशान, लागत बढ़ी

मौसम की मार के बीच सिंचाई संकट ने बढ़ाई मुश्किलें

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र के किसान कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। किसान सह भाजपा नेता रविन्द्र कुमार सिंह, पूर्व उप प्रमुख यमुना सिंह, अनूप कुमार सिंह विनय कुमार सिंह, प्रभात कुमार आदि ने कहा कि अनियमित बारिश, बढ़ती खेती की लागत, महंगे बीज - उर्वरक, डीजल की कीमत और सिंचाई की नगण्य व्यवस्था से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि समय पर पर्याप्त वर्षा नहीं होने से धान की रोपाई प्रभावित हो रही है। जिन क्षेत्रों में सिंचाई की व्यवस्था नहीं है, वहां खेत अब भी सूखे पड़े हैं। दूसरी ओर, जिन किसानों ने निजी साधनों से सिंचाई की है, उनकी लागत लगातार बढ़ती जा रही है।उन्होंने यह भी कहा है कि खाद और बीज की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित नहीं होने से खेती का काम प्रभावित होता है। कई किसानों को बाजार से अधिक कीमत पर कृषि सामग्री खरीदनी पड़ रही है। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। क्षेत्र के किसानों ने सरकार और कृषि विभाग से पर्याप्त मात्रा में उर्वरक और प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही इस क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, कृषि बिजली की बेहतर आपूर्ति और फसल बीमा सहित सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर किसानों तक पहुंचाने की मांग की है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौसम की अनिश्चितता और संसाधनों की कमी का समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो इसका असर इस वर्ष के कृषि उत्पादन पर पड़ सकता है। किसानों का कहना है कि खेती केवल उनकी आजीविका नहीं, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा का आधार है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodonist, MIDA

"Smiles & More"

छात्र-छात्रओं के लिए 50% की छूट

Facliities
- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दांतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दांत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No : 9199533383/7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

चिप्स की आड़ में महालूट : एप्पल बोर्डरूम में बैठे भारतीयों की खामोशी व गरीब मां-बाप का टूटता सपना

● 'यह कंपनी सिर्फ और सिर्फ 'सुपर रिच' (अति-अमीर) लोगों के क्लब के लिए काम कर रही है, एप्पल यह बिल्कुल नहीं चाहता कि उसके उन्नत व बेहतरीन मशीनों (गैजेट्स) का उपयोग किसी गरीब परिवार का होनहार छात्र या डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनने की चाह रखने वाला युवा कर सके'

● सबीह खान व अमर सुब्रमण्यम जैसे दिग्गजों से देश को थी उम्मीद; पर विदेशी डिग्रियों के तराशे इन महारथियों ने टिम कुक के आगे घुटने टेके! जबकि एलन मस्क तक ने इस अंधी मुनाफाखोरी की घोर निंदा की

कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। तकनीक के नाम पर वैश्विक दिग्गजों की मनमानी अब आम उपभोक्ता के जेब पर डाका डालते हुए बर्दाश्त से बाहर होती जा रही है। एप्पल जैसी खरबों डॉलर की कंपनी ने अब दुनिया भर में एआई डेटा सेंटर्स और मेमोरी चिप्स की बढ़ती मांग का बहाना बनाकर अपने प्रोडक्ट्स की कीमतों में भारी उछाल कर दिया है। इसे सीधे तौर पर 'खुली लूट' के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता। एक झटके में कीमतों को आसमान पर पहुंचाकर कंपनी ने यह साफ कर दिया है कि उसे आम आदमी, संघर्षरत युवाओं और गरीब वर्ग की आर्थिक तंगी से कोई सरोकार नहीं है।दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में शुमार एलन मस्क तक ने एप्पल की इस अंधी मुनाफ़ाखोरी की घोर निंदा की है। मस्क ने इसे पूरी तरह अनुचित ठहराते हुए कहा है कि चिप्स की कीमतों में अस्थाई बढ़ोतरी का बहाना बनाकर उपभोक्ताओं से सीधे तौर पर दोगुनी तक कीमत वसूलना कॉर्पोरेट लालच की पराकाष्ठा है। जब दुनिया की सबसे अमीर हस्ती इस लूट के खिलाफ बोल रही है, तो समझा जा सकता है कि संकट कितना गहरा है।

विदेशी संस्थानों की योग्यता बनाम भारतीय शिक्षा का सच

आज एक मुसलमान (सबीह खान) और एक दक्षिण भारतीय ब्राह्मण (अमर सुब्रमण्य) विश्व की टॉप टेक कंपनी के इस शीर्ष पद पर बैठे हैं। इन्हें असल योग्यता और वैश्विक पहचान भारत के बाहर मिली।उप्र के मुरादाबाद में जन्मे सबीह खान महज पांचवीं क्लास में ही सिंगापुर शिफ्ट हो गए थे, जहां की विश्व स्तरीय स्कूली शिक्षा ने उनकी नींव रखी। इसके बाद अमेरिका की प्रतिष्ठित टफ्ट्स यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग और इकोनॉमिक्स में ड्यूअल डिग्री तथा रेंसलेर पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट (RPI) से मास्टर्स करने के बाद अमेरिकी कंपनियों के पारदर्शी कॉर्पोरेट सिस्टम ने उनकी योग्यता को पहचाना, उन्हें आगे बढ़ाया और अपना पार्टनर बनाया। वहीं दूसरी तरफ, तमिलनाडु के अमर सुब्रमण्य ने भले ही बेंगलुरु यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की, लेकिन उन्हें असली वैश्विक धार अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन से कंप्यूटर साइंस में मिली पीएचडी ने दी। इसके बाद गूगल में जेमिनी असिस्टेंट के इंजीनियरिंग हेड के रूप में 16 साल के उनके काम और अमेरिकी टेक-सिस्टम की निष्पक्षता ने उन्हें आज एप्पल का 'AI शहंशाह' बनाया है, न कि भारत के किसी फर्जी डिग्री वाले रीढ़विहीन तंत्र ने।

क्या टॉप मैनेजमेंट कमेटी के सामने रखी गई बात?

तकनीकी समीक्षकों व आम जनता का मानना है कि इन दोनों शीर्ष अधिकारियों को मैनेजमेंट कमेटी के सामने मजबूती से यह पक्ष रखना चाहिए था कि भारत व एशिया के अन्य विकासशील देशों के लिए दाम इतने न बढ़ाए जाएं। उन्हें कंपनी को आगाह करना चाहिए था कि "कम प्रोडक्ट्स बेचकर भी, ज्यादा से ज्यादा दाम वसूलने की यह लालची रणनीति" भारत जैसे संवेदनशील बाजारों में बैकफायर करेगी। यदि इन दिग्गजों ने समय रहते टिम कुक को यह समझाया होता कि एशिया के मध्यमवर्गीय और गरीब देशों में एप्पल को अपनी साख बचाने के लिए कीमतों पर लगाम लगानी होगी, तो शायद आज स्थिति अलग होती। लेकिन ऐसा लगता है कि मुनाफे की इस अंधी दौड़ में कॉर्पोरेट बोर्डरूम के भीतर आम भारतीय छात्र की आवाज को दबा दिया गया।

संघर्ष पर पानी

इस ऐतिहासिक मूल्य वृद्धि से न केवल कंपनी के लोभी होने से साख गिरेगी, बल्कि दुनिया भर के गरीब देशों में यह संदेश जा रहा है कि यह कंपनी अब पूरी तरह अमानवीय और संवेदनहीन हो चुकी है। भारत में एक आम, ईमानदार, दिन-रात मजदूरी करने वाले या संघर्षरत माता-पिता के लिए अपने होनहार बेटे या बेटी की डिजिटल पढ़ाई के लिए एप्पल आईपैड, मैकबुक या फोन खरीदकर देना अब नामुमकिन हो चुका है। देश का युवा, जो दिन-रात एक करके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है, खुद को ठगा और लूटा हुआ महसूस कर रहा है।एप्पल की इस नीति से दुनिया भर में यह छवि पुख्ता हो रही है, और लोग कहने भी लगे हैं कि "यह कंपनी सिर्फ और सिर्फ 'सुपर रिच' (अति-अमीर) लोगों के क्लब के लिए काम कर रही है। एप्पल यह बिल्कुल नहीं चाहता कि उसके उन्नत और बेहतरीन मशीनों (गैजेट्स) का उपयोग किसी गरीब परिवार का होनहार छात्र या डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनने की चाह रखने वाला युवा कर सके।" तकनीक पर अमीरों के इस एकाधिकार की वजह से ही अब लोग एप्पल को एक "लुटेरी और भेदभाव करने वाली" कंपनी के रूप में देखने लगे हैं।

चार्ट 1: भारत में एप्पल प्रोडक्ट्स की नई कीमतें (लूट का गणित)-

प्रोडक्ट	पुरानी कीमत	नई कीमत	जेब पर अतिरिक्त मार
MacBook Air M5 (13-इंच)	₹ 1,19,900	**₹ 1,49,900**	₹ 30,000
MacBook Air M5 (15-इंच)	₹ 1,44,900	**₹ 1,79,900**	₹ 35,000
MacBook Pro M5 (14-इंच, 16GB)	₹ 1,69,900	**₹ 2,39,900**	₹ 70,000
MacBook Pro M5 Max	पुरानी कीमत से	**लगभग ₹1 लाख महंगा**	₹ 1,00,000
MacBook Neo	₹ 69,900	**₹ 79,900**	₹ 10,000
11-इंच iPad Air (M4)	₹ 64,900	**₹ 89,900**	₹ 25,000
iPad Pro (M5, 256GB)	₹ 99,990	**₹ 1,39,900**	+ ₹ लगभग 40,000
Apple TV 4K (128GB)	₹ 16,900	**₹ 31,900**	**सीधे दोगुना** (+ ₹15,000)

चार्ट 2: स्टूडेंट आईडी (Student ID) डिस्काउंट का सच — ऊंट के मुंह में जीरा

एप्पल छात्रों को लुभाने के लिए एजुकेशन डिस्काउंट का बड़ा प्रचार करता है, लेकिन बढ़ी हुई कीमतों के सामने यह छूट किसी क्रूर मजाक जैसी है:

प्रोडक्ट का नाम	बढ़ी हुई नई कीमत	स्टूडेंट आईडी लगाने पर मिलने वाली छूट	छात्र के लिए वास्तविक स्थिति
MacBook Pro M5	₹ 2,39,900	लगभग ₹8,000 से ₹10,000 मात्र	**₹2.30 लाख** फिर भी गरीब माता-पिता की पहुंच से कोसों दूर।
iPad Pro M5	₹ 1,39,900	लगभग ₹4,000 से ₹5,000 मात्र	**₹1.35 लाख** की कीमत एक गरीब छात्र की पूरे साल की पढ़ाई के खर्च से ज्यादा है।
MacBook Air	₹ 1,49,900	लगभग ₹7,000 मात्र	छूट के बाद भी दाम पुरानी सामान्य कीमत से ₹23,000 ज्यादा है।

लाखों रुपये की कीमतों पर मात्र कुछ हजार की नाममात्र छूट देना "ऊंट के मुंह में जीरा" के समान है। यह केवल अमीर, घूसखोर अफसरों और भ्रष्ट राजनेताओं के बच्चों के लिए एक दिखावा है। आम और गरीब छात्र के लिए शिक्षा को आज इस जालिम तंत्र व कॉर्पोरेट लालच ने मिलकर एक ऐसा सपना बना दिया है, जिसे वे अपनी खुली आंखों से भी देखने से डरने लगे हैं।

दिमागी कचरे पर 'कॉपर' का प्रहार : अल्जाइमर के खिलाफ न्यूरो-साइंस की सबसे बड़ी कामयाबी

आरपी सिंह

नई दिल्ली। दिमागी सेहत और मनोभ्रंश (Dementia) की दुनिया से एक ऐसी अभूतपूर्व वैज्ञानिक सफलता सामने आई है, जिसने मेडिकल साइंस के इतिहास में उम्मीद की सबसे बड़ी किरण जगा दी है। ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी (Monash University) के न्यूरो-साइंटिस्ट्स ने अल्जाइमर रोग के मूल कारण को जड़ से खत्म करने वाली एक जादुई कॉपर थेरेपी खोजी है। वैज्ञानिकों ने कॉपर (तांबा) आधारित एक विशेष कंपाउंड Cu(ATSM) का सफल परीक्षण किया है, जो दिमाग में जमा होने वाले 'टॉक्सिक मलबे' को साफ करने में पूरी तरह सक्षम पाया गया है। वैश्विक स्तर पर अल्जाइमर के बढ़ते मामलों के बीच इस खोज को एक युगांतकारी मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि यह केवल बीमारी के लक्षणों को नहीं दबाती, बल्कि दिमाग की अपनी 'सफाई प्रणाली' को पुनर्जीवित कर देती है।

मुख्य खलनायक व बंद पड़ा 'फिल्टर पंप'

अल्जाइमर रोग का सबसे बड़ा खलनायक है 'एमिलॉयड-बीटा' (Amyloid-beta) नामक एक हानिकारक प्रोटीन। सामान्य और स्वस्थ दिमाग में यह प्रोटीन बनता है और समय-समय पर साफ होता रहता है। लेकिन अल्जाइमर के मरीजों में यह कचरा बाहर नहीं निकल पाता और आपस में चिपककर चिपचिपे गुच्छे यानी प्लॉक्स (Plaques) बना लेता है। ये गुच्छे दिमागी कोशिकाओं (न्यूरॉन्स) के बीच के सिग्नल को ब्लॉक कर देते हैं, जिससे कोशिकाएं मरने लगती हैं और इंसान की याददाश्त पूरी तरह नष्ट हो जाती है।अब तक की दवाएं इन गुच्छों को रोकने में नाकाम रही हैं, क्योंकि वे दिमाग की सुरक्षात्मक दीवार (Blood-Brain Barrier) को पार नहीं कर पाती थीं। यहीं पर मोनाश यूनिवर्सिटी की इस रिसर्च ने बाजी पलटी है:

- **P-gp पंप का जाम होना: कुदरत ने दिमाग की दीवार में एक प्राकृतिक कचरा साफ करने वाला पंप दिया है, जिसे P-glycoprotein (P-gp) पंप कहा जाता है। उम्र बढ़ने या अल्जाइमर होने पर यह पंप पूरी तरह जाम हो जाता है।**
- **Cu(ATSM) का जादू: कॉपर आधारित यह अनूठा मॉलिक्यूल दिमाग की दीवार को आसानी से पार करता है और सीधे उस बंद पड़े P-gp पंप को 'रीस्टार्ट' यानी सुपर चार्ज कर देता है। पंप के सक्रिय होते ही दिमाग खुद-ब-खुद उस टॉक्सिक मलबे को बाहर फेंकने लगता है।**

सिर्फ 56 दिन और कमाल का डाटा : दिमागी सेहत का पूरा टर्नअराउंड

प्रयोगशाला में हुए कड़े प्री-क्लिनिकल परीक्षणों के जो आंकड़े सामने आए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। वैज्ञानिकों ने देखा कि मात्र **56 दिनों के भीतर** इस थेरेपी ने दिमागी सेहत का पूरा नक्शा ही बदल दिया। इस अभूतपूर्व सुधार को इस सिंपल डेटा चार्ट के जरिए आसानी से समझा जा सकता है:

मुख्य पैरामीटर (Metrics)	56 दिनों के भीतर बदलाव (Impact)	दिमागी सेहत पर सीधा असर (Result)
टॉक्सिक प्रोटीन (Amyloid-beta)	42% की भारी कमी	दिमाग में प्लॉक का जमाव करीब आधा हुआ, न्यूरॉन्स सुरक्षित हुए।
स्थानिक याददाश्त (Spatial Memory)	44% का बड़ा सुधार	रास्तों को याद रखने और रोजमर्रा के फैसले लेने की क्षमता लौटी।
समग्र दिमागी कार्यप्रणाली (Cognition)	अभूतपूर्व रिकवरी	दिमागी कोशिकाओं के बीच टूटा हुआ संचार (Communication) बहाल हुआ।

स्थानिक याददाश्त (Spatial Memory) क्या है?

यह हमारे दिमाग का वह हिस्सा है जो हमें यह याद रखने में मदद करता है कि वस्तुएं कहां रखी हैं, हमारा घर कहां है या हम किस दिशा में जा रहे हैं। अल्जाइमर में मरीज सबसे पहले इसी क्षमता को खोता है।

डॉक्टर के पर्चे तक जल्द पहुंचने की उम्मीद क्यों?

आमतौर पर किसी भी नई दवा को लैब से बाजार तक पहुंचने में 10 से 12 साल का लंबा वक्त लगता है। लेकिन इस कॉपर थेरेपी के साथ एक बहुत बड़ा प्लस पॉइंट है। Cu(ATSM) कंपाउंड का परीक्षण पहले से ही अन्य गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारियों (जैसे ALS या मोटर न्यूरॉन डिजीज) के लिए इंसानों पर किया जा रहा है और यह मानव शरीर के लिए पूरी तरह सुरक्षित पाया गया है।चूंकि इसके सेफ्टी ट्रायल्स के शुरुआती चरण पहले ही पूरे हो चुके हैं, इसलिए अल्जाइमर के इलाज के रूप में इसे वैश्विक हेल्थ रेगुलेटर्स से 'फास्ट-ट्रैक' मंजूरी मिलने की पूरी संभावना है। मेडिकल एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले कुछ ही वर्षों में यह थेरेपी दुनिया भर के करोड़ों परिवारों के जीवन में एक नई सुबह लेकर आएगी।

वेनेजुएला के संकट में भारत का सहारा,'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू

एजेंसी । नई दिल्ली

उत्तरी वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत ने मानवीय सहायता और आपदा राहत के तहत 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। इस अभियान के माध्यम से भारत ने प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की पहल की है। इसके लिए भारतीय सेना की एक विशेष मेडिकल टुकड़ी को वेनेजुएला रवाना किया गया है।

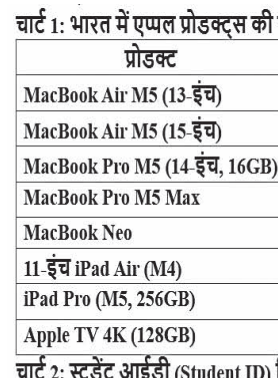

भारतीय सेना के 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल से 41 सदस्यीय दल, भारतीय वायुसेना के दो विमानों से वेनेजुएला के लिए रवाना हुआ है। इनमें नौ अनुभवी सैन्य चिकित्सक भी शामिल हैं। यह दल वेनेजुएला के आपदा-प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, गंभीर रूप से घायल लोगों का उपचार, सर्जरी, ट्रॉमा प्रबंधन तथा प्रभावित लोगों को गहन चिकित्सा प्रदान करेगा। भारतीय सेना के अनुसार उनकी यह मेडिकल टीम अपने साथ लगभग छह टन चिकित्सा सामग्री और मानवीय राहत सामग्री लेकर गई है। इनमें भारत के आरोग्य मैत्री परियोजना के तहत विकसित अत्याधुनिक भीष्म क्यूब भी शामिल है। यह एक मॉड्यूलर और तेजी से तैनात किया जा सकने वाला फील्ड अस्पताल है। यह एक ऐसा सिस्टम है जो आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उन्नत ट्रॉमा केयर, आपातकालीन सर्जरी और गहन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है।

बिना सहमति के निजी फोटो व वीडियो शेयर करने के मामलों में एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को राज्य भर की पुलिस को सख्त निर्देश दिए कि वे किसी व्यक्ति की निजी या अंतरंग तस्वीरें और वीडियो उनकी सहमति के बिना प्रकाशित या प्रसारित करने के सभी मामलों में बिना किसी देरी के एफआईआर दर्ज करें।

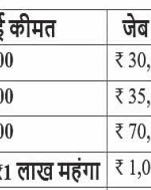

कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने पुलिस को ब्लैकमेल, सेक्सटॉर्शन और रिवेंज पोर्नोग्राफी जैसे साइबर अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है, जिसकी पुष्टि सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस के.एस. पुट्टास्वामी मामले के फैसले में की थी। मंत्री ने कहा, "ऐसे संवेदनशील मामलों में जो भी पुलिस अधिकारी एफआईआर दर्ज करने से इनकार करेगा या 'पहले से सहमति' जैसे गलत आधार का हवाला देकर पंजीकरण में देरी करेगा, उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। खड़गे ने सभी पुलिस आयुक्तों, रेंज पुलिस महानिरीक्षकों (आईजीपी) और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कर्नाटक का हर पुलिस स्टेशन इन नए निर्देशों को सख्ती से लागू करे।

फॉक्सकॉन भारत में मैन्युफैक्चरिंग के लिए अतिरिक्त 37.2 मिलियन डॉलर करेगा निवेश

एजेंसी । नई दिल्ली

ताइवान के हॉन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप की सब्सिडियरी कंपनी फॉक्सकॉन सिंगापुर ने अपनी भारतीय इकाई फॉक्सकॉन हॉन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड में 37.2 मिलियन डॉलर के निवेश को मंजूरी दे दी है। यह कंपनी की लंबी अवधि की निवेश रणनीति के मुताबिक है। यह जानकारी कंपनी की ओर से दी गई। कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने भारतीय सब्सिडियरी के लगभग 351.73 मिलियन कॉमन शेयरों को 10 रुपए प्रति शेयर की फेस वैल्यू पर सब्सक्राइब करके निवेश करने को मंजूरी दी। इस लेनदेन की कुल वैल्यू लगभग 37.2 मिलियन डॉलर है। फाइलिंग में कहा गया है कि यह निवेश पूरी तरह से अपनी सब्सिडियरी कंपनी में पूंजी बढ़ाकर किया जा रहा है और इसका मकसद लंबी अवधि का निवेश करना है। इस लेनदेन के लिए फंड का सोर्स निजी पूंजी है। शेयर सब्सक्रिप्शन के बाद, फॉक्सकॉन सिंगापुर के पास फॉक्सकॉन होन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड की लगभग पूरी इक्विटी बनी रहेगी।